



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 153 ]

No. 153]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 2003/चैत्र 10, 1925

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 2003/CHAITRA 10, 1925

वित्त और कंपनी कार्य मंत्रालय

( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 22/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ]

सा.का.नि. 265(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, निम्नलिखित को छूट देती है,—

(क) इस अधिसूचना के उपाबंध 1 में विनिर्दिष्ट सभी माल, जब निम्नलिखित के संबंध में लाया जाए,—

(i) भारत से बाहर माल या सेवाओं के निर्यात के लिए वस्तुओं के विनिर्माण और पैकेजिंग के संबंध में या उत्पादन अथवा पैकेजिंग या फुटकर काज के लिए निर्यातानुमुख उपक्रम (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उपयोक्ता उद्योग कहा गया है) में उन यूनिटों से भिन्न जो खंड (ख) से (ग) में निर्दिष्ट हैं ;

(ii) भारत से बाहर निर्यात के लिए साफ्टवेयर के विनिर्माण या विकास, डाटा एन्ट्री और संपरिवर्तन, डाटा संसाधन, डाटा विश्लेषण, डाटा प्रबंध नियंत्रण या काल सेन्टर सेवाओं के संबंध में साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपी) यूनिट या किसी निर्यातोन्मुख स्कीम (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उपयोक्ता उद्योग कहा गया है) के अधीन साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क कंप्लेक्स में किसी यूनिट में ; या

(iii) भारत से बाहर निर्यात के लिए इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर के या किसी समन्वित रीति में इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर और साफ्टवेयर के विनिर्माण या विकास के संबंध में या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (इएचटीपी) यूनिट या किसी इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट (इएचटीपी) या निर्यातोन्मुख स्कीम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपयोक्ता उद्योग कहा गया है) के अधीन किसी इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क कंप्लेक्स (इएचटीपी) की किसी यूनिट में

(ख) सभी माल जो इस अधिसूचना के उपाबंध 2 में विनिर्दिष्ट हैं, जब भारत से बाहर निर्यात के लिए उपाबंध 3 में यथाविनिर्दिष्ट माल के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में बागवानी, कृषि और पशुपालन सेक्टर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपयोक्ता उद्योग कहा गया है) में निर्यातोन्मुख उपक्रम में लाया जाए ; या

(ग) सभी माल जो इस अधिसूचना के उपाबंध 4 में विनिर्दिष्ट हैं, जब भारत से बाहर निर्यात के लिए जलकृषि उत्पादों के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में जलकृषि सेक्टर में निर्यातोन्मुख उपक्रम में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपयोक्ता उद्योग कहा गया है) लाया जाए ; या

(घ) सभी माल जो इस अधिसूचना के उपाबंध 5 में विनिर्दिष्ट हैं, जब निर्यात के लिए ग्रेनाइट की वस्तुओं के प्रसंस्करण और विनिर्माण या उत्पादन में लगे हुए निर्यातोन्मुख उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपयोक्ता उद्योग कहा गया है) द्वारा ग्रेनाइट के उत्खनन के संबंध में लाया जाए,

तब-

(i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उनपर उदग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद शुल्क से ;

(ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 के अधीन उनपर उदग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से, यदि कोई हो ; और

(iii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के अधीन उनपर उदग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :-

(1) उपयोक्ता उद्योग उत्पाद शुल्क्य माल को विनिर्माण कारखाने या भांडागार से सीधे ही लाता है ;

(2) इस प्रकार लाया गया उत्पाद शुल्क्य माल खंड (क) से (घ) तक में विनिर्दिष्ट उपयोक्ता उद्योग द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाता है ;

(3) उपयोक्ता उद्योग उक्त माल या ऐसे उपयोक्ता उद्योग में उत्पादित, विनिर्मित, प्रसंस्कृत या पैक की गई वस्तुओं का या ऐसे उत्पादन, विनिर्माण, प्रसंस्करण या पैकेजिंग से उदभूत अपशिष्ट, स्क्रेप और अवशिष्टों का व्ययन निर्यात और आयात नीति और इस अधिसूचना में उपबंधित रीति में करता है ;

(4) उपयोक्ता उद्योग, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या सीमाशुल्क उपायुक्त या सीमाशुल्क सहायक आयुक्त के पास (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारी कहा गया है) एक बंधपत्र विहित प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए, जो उक्त अधिकारी द्वारा सकारात्मक शुद्ध विदेशी मुद्रा को अर्जन के लिए ऐसे माल की प्राप्ति के समुचित लेखा, भंडारण और उपयोग के लिए विनिर्दिष्ट की जाए, निष्पादित करता है और इस अधिसूचना तथा निर्यात और आयात नीति में अनुबद्ध शर्तों का अनुपालन करता है और स्वयं को निम्नलिखित का संदाय करने के लिए आबद्ध करता है,—

(क) माल पर उदग्रहणीय शुल्क के बराबर कोई रकम और उस दर पर ब्याज जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11कख के अधीन जारी की गई भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट है, उक्त माल के शुल्क मुक्त उपापन की तारीख से ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख तक, यदि —

(i) पूंजी माल की दशा में, उक्त अधिकारी के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि ऐसे माल को उनके उपापन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या

पांच वर्ष से अनधिक ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर उक्त अधिकारी यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उपर्युक्त के अनुसार उसका उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात कर सकेगा, अधिष्ठापित किया गया है या अन्यथा उपयोक्ता उद्योग के भीतर उसका उपयोग किया गया है ;

(ii) पूंजी माल से भिन्न माल की दशा में, उक्त अधिकारी के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि ऐसे माल का उसके उपापन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो उक्त अधिकारी का यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उपर्युक्तानुसार उसका उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात करे, भारत से बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग किया गया है या घरेलू खपत के लिए उसकी निकासी की गई है ;

(iii) निम्नलिखित की दशा में —

(क) उत्पादित या पैक किया गया माल, जिसका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया गया है, और

(ख) उपयोग न किया गया माल (जिसके अंतर्गत बारबार उपयोग के लिए समुचित रिक्त कोन, बोबीन या आधान, यदि कोई हों, भी हैं) जिसका निर्यात नहीं किया गया है या घरेलू खपत के लिए निकासी नहीं की गई है,

ऐसे माल के उपापन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो उक्त अधिकारी यह समाधान हो जाने पर कि उसका उक्त अवधि के भीतर उपर्युक्तानुसार उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे,

(ख) सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन प्राप्त करने में असफल रहने की दशा में, वह शुल्क, जो उक्त माल पर उदग्रहणीय शुल्क के भाग की रकम के बराबर है, किन्तु जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के कारण उदग्रहणीय नहीं है और इस प्रकार संदेय शुल्क उसी अनुपात में होगा जो अनुपात शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन के अभिप्राप्त न किए गए भाग का उक्त माल के उपापन की तारीख से ऐसे शुल्क का संदाय किए जाने तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा

11कख के अधीन जारी भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट दर पर ब्याज के साथ अभिप्राप्त किए जाने वाले सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन से है ।

(5) उक्त माल का विनिर्माता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 के नियम 11 और नियम 20 में अंतर्विष्ट प्रक्रिया का अनुसरण करता है ;

(6) उपयोक्ता उद्योग केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (उत्पाद शुल्क माल के विनिर्माण के लिए शुल्क की रियायती दर पर माल का हटाया जाना) नियम, 2001 में अंतर्विष्ट प्रक्रिया का इस उपांतरण के साथ अनुसरण करता है कि उपाबंध 6 के रूप में इस अधिसूचना से उपाबद्ध प्ररूप सीटी-3 में प्रमाणपत्र का उपयोक्ता उद्योग के भारसाधक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी द्वारा उस नियम से उपाबद्ध प्ररूप में आवेदन के स्थान पर उपयोग किया जाएगा ।

2. उक्त अधिकारी ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा अधिरोपित की जाएं और निर्यात आयात नीति के उपबंधों के अधीन रहते हुए,-

(i) माल या उपयोक्ता उद्योग में आंशिक रूप से प्रसंस्कृत, विनिर्मित, उत्पादित या पैक किए गए माल को शुल्क का संदाय किए बिना उपयोक्ता उद्योग से बाहर मरम्मत, प्रसंस्करण, परीक्षण, संप्रदर्शन या फुटकर काम या किसी अन्य संक्रिया, जो अंतिम उत्पाद के विनिर्माण के लिए आवश्यक है, के प्रयोजन के लिए ले जाने और तत्पश्चात् उपयोक्ता उद्योग को वापस करने या उसे शुल्क का संदाय किए बिना बंधपत्र के अधीन फुटकर काम करने वालों के परिसरों से निर्यात के लिए हटाने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा :

परंतु यह तब जब कि फुटकर काम करने वालों के परिसरों में ऐसी प्रक्रियाओं के दौरान उत्पादित अपशिष्ट या स्क्रेप या अवशिष्ट को या तो उपयोक्ता उद्योग को वापस कर दिया गया है या शुल्क का संदाय किए जाने पर इस प्रकार निकासी की गई है मानो उक्त उपयोक्ता उद्योग द्वारा इनकी घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी की गई हो ;

(ii) खंड (क) से (घ) में यथाविनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी प्रयोजन के लिए या निर्यात के लिए जो उपयोक्ता उद्योग से, यथास्थिति, किसी अन्य यूनिट को या विशेष आर्थिक जोन (एसइजेड) में यूनिट को या इलेक्ट्रॉनिक साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपी) यूनिट या

इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (इएचटीपी) यूनिट को प्रदाय या अंतरण किए जाने के लिए प्रसंस्कृत, विनिर्मित, उत्पादित या पैक किए गए माल को अनुज्ञा दे सकेगा ;

(iii) उपयोक्ता उद्योग के परिसरों से सांचे, जिग, औजारों, जुड़नारों, टेकिलों, उपकरणों, हैंगरों और नमूनों या आरेखों को उपठेकेदारों के परिसरों में हटाने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा इस शर्त के अधीन रहते हुए कि इस प्रकार हटाए गए माल को ऐसे उपयोक्ता उद्योग के परिसरों में फुटकर काम के पूरा होने पर उक्त अधिकारी द्वारा नियत की गई अवधि के भीतर वापस लाया जाएगा ;

(iv) यूनिट के भीतर उपयोग के लिए, यथास्थिति, विशेष आर्थिक जोन (एसइजेड) में दूसरी यूनिट या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपी) यूनिट या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (इएचटीपी) यूनिट या दूसरे निर्यातोन्मुख उपक्रमों को प्रदाय या अंतरण किए जाने के लिए पूंजी माल को अनुज्ञा दे सकेगा ;

(v) उक्त माल अथवा यूनिट में भागतः प्रसंस्कृत या विनिर्मित या वहां से पैक किए गए माल को अनुमोदन बोर्ड के अनुमोदन के पश्चात् प्रसंस्करण के प्रयोजन के लिए, यदि भारत में ऐसा प्रसंस्करण उपलब्ध नहीं है, शुल्क का संदाय किए बिना भारत से बाहर ले जाने और प्रसंस्करण के पश्चात् ऐसी शर्तों या सीमाओं के अधीन रहते हुए, जो इस निमित्त उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, उक्त यूनिट में वापस लाए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा ;

3. उक्त अधिकारी के समाधान के अधीन रहते हुए निम्नलिखित के संबंध में शुल्क उदग्रहणीय नहीं होगा—

(i) माल का उपयोग जब प्रशिक्षण देने के लिए (जिसके अंतर्गत वाणिज्यिक प्रशिक्षण भी है) साफ्टवेयर के विकास में लगी यूनिट द्वारा इस शर्त के अधीन किया जाता है कि ऐसा प्रशिक्षण देने वाली यूनिट ने निर्यात और आयात नीति में विहित सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन (एनएफइ) को अभिप्राप्त कर लिया था और इस प्रयोजन के लिए कोई कंप्यूटर टर्मिनल ऐसे उपयोक्ता उद्योग की परिसरों के बाहर अधिस्तापित नहीं किया जाएगा ;

(ii) माल का उपयोग जब निर्यात के लिए साफ्टवेयर के विकास या परीक्षण के प्रयोजन के लिए साफ्टवेयर के विकास और विदेश में “आनसाइट” साफ्टवेयर के विकास के लिए परामर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयोजन के लिए लगी किसी यूनिट द्वारा उक्त अधिकारी द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट शर्तों और प्रक्रिया के अधीन किया जाता है ;

(iii) पूंजी माल या रद्दी, अपशिष्ट या स्कैप सामग्री, यदि ऐसे माल को उपयोक्ता उद्योग के भीतर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी की उपस्थिति में या उपयोक्ता उद्योग के बाहर, जहां उपयोक्ता उद्योग के भीतर उसे नष्ट किया जाना संभव या अनुज्ञेय नहीं है, नष्ट किया जाता है :

परंतु ऐसे नष्ट किए जाने के पश्चात् अवशिष्ट, अवशेष या स्कैप पर, यदि निकासी घरेलू टैरिफ क्षेत्र में की जाती है, तो ऐसे माल पर लागू शुल्क उद्ग्रहीत किया जाएगा :

स्पष्टीकरण — साफ्टवेयर विकास यूनिट द्वारा विदेश में ‘आन साइट’ साफ्टवेयर के विकास के लिए परामर्शी सेवा के लिए संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त परामर्शी फीस, इस अधिसूचना के अधीन सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन को पूरा करने के प्रयोजन के लिए निर्यात समझी जाएगी ।

4. खंड (घ) के आरंभिक पैरा में यथाविनिर्दिष्ट निर्यात के लिए ग्रेनाइट की वस्तुओं के प्रसंस्करण या विनिर्माण या उत्पादन में लगे उपयोक्ता उद्योग को उपाबंध 5 में यथाविनिर्दिष्ट माल को, ग्रेनाइट के उत्खनन के प्रयोजन के लिए ग्रेनाइट उत्खनन के वर्जित परिसरों से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, ले जाने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा, अर्थात् :-

(i) खदानें उपयोक्ता उद्योग के नाम में हैं चाहे वे पट्टा आधारित हों या स्वामित्व आधारित हों । खदानों की अवस्थिति या क्षेत्र या अंतिम प्रक्रम पर खदान या खदानों की अवस्थिति में पश्चात्पूर्ति कोई परिवर्तन उपयोक्ता उद्योग द्वारा विकास आयुक्त और उक्त अधिकारी को सूचित किया जाएगा ;

(ii) उपयोक्ता उद्योग द्वारा ग्रेनाइट के उत्खनन के प्रयोजन के लिए माल का उपयोग उसके स्वयं के निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा ग्रेनाइट की वस्तुओं के और प्रसंस्करण या विनिर्माण या उत्पादन के लिए किया जाता है ;

(iii) उपयोक्ता उद्योग माल और इस प्रकार उत्खनित और इसकी प्रसंस्करण यूनिट को या किसी अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम या विशेष आर्थिक जोन को अंतरित ग्रेनाइट की प्राप्ति, खपत और उपयोग का समुचित लेखा रखता है और ऐसे लेखाओं को कालिक रूप से विशेष आर्थिक जोन के विकास आयुक्त तथा उक्त अधिकारी को ऐसे प्ररूप और ऐसी रीति में जो यथास्थिति, विकास आयुक्त या उक्त अधिकारी द्वारा अधिकथित की जाए, प्रस्तुत करेगा ;

(iv) उक्त अधिकारी ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जिन्हें वह विनिर्दिष्ट करे और निर्यात और आयात नीति के उपबंधों के अधीन रहते हुए,—

(क) उपयोक्ता उद्योग को इस प्रकार उत्खनित ग्रेनाइट का अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम या विशेष आर्थिक जोन में यूनिटों को शुल्क का संदाय किए बिना प्रदाय करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा ;

(ख) शुल्क का संदाय किए बिना माल को मरम्मत और उसकी वापसी के लिए अस्थायी तौर पर ले जाया जाना अनुज्ञात कर सकेगा ;

(ग) उपयोक्ता उद्योग को माल का निर्यात अनुज्ञात कर सकेगा ;

(घ) शुल्क का संदाय किए बिना अप्रचलित पूंजी माल का नष्ट किया जाना अनुज्ञात कर सकेगा, यदि ऐसे माल को सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारी की उपस्थिति में नष्ट किया जाता है ;

(v) उक्त उपयोक्ता उद्योग द्वारा उसके स्वामित्वाधीन या पट्टे पर लिए गए किसी अन्य स्थल या खदान में उक्त अधिकारी की अनुज्ञा बिना माल अंतरित या स्थानांतरित नहीं किए जाएंगे ;

(vi) खदान क्रियास्थल पर उपयोग किए गए माल के लेखाओं को स्थल पर समुचित रूप से संनिर्मित कार्यालय में रखा जाएगा जिससे कि जब कभी अपेक्षित हो उनके सत्यापन को समर्थ बनाया जा सके ; और

(vii) इस प्रकार उत्खनित ग्रेनाइट, खदान स्थल से केवल उसकी स्वयं की प्रसंस्करण यूनिट को प्रदाय के लिए या किसी अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम में या ग्रेनाइट की वस्तुओं के प्रसंस्करण या उत्पादन या विनिर्माण और उनके निर्यात में लगे विशेष आर्थिक जोन की यूनिट में प्रदाय के लिए हटाया जाएगा और उसी प्रकार निर्यातित किए जाने के लिए या घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

5. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए, उक्त अधिकारी उस उपयोक्ता उद्योग को जो निम्नलिखित —

(क) इस अधिसूचना के आरंभिक पैरा के खंड (क) के उपखंड (i) में निर्दिष्ट कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण में लगे हैं, उपाबंध 1 में यथाविनिर्दिष्ट क्रमसंख्यांक 14 से 26 में विनिर्दिष्ट माल को ले जाने ; और

(ख) इस अधिसूचना के आरंभिक पैरा के खंड (ख) में यथाविनिर्दिष्ट वस्तुओं के उत्पादन या विनिर्माण या पैकेजिंग में लगे हैं, उपाबंध 2 में यथाविनिर्दिष्ट क्रमसंख्यांक 4 से 12 में विनिर्दिष्ट माल को;

ठेका कृषकों के क्षेत्रों और फार्मों में उत्पादन या उसके संबंध में ले जाए जाने के लिए या उसके संबंध में और उत्पाद को निर्यात के लिए यूनिट में वापस लाने के लिए निर्यात और आयात नीति तथा प्रक्रिया पुस्तिका जिल्द 1 के उपबंधों के अनुसार और निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात कर सकेगा :-

(i) उपयोक्ता उद्योग इस उद्योग और ठेका कृषकों के बीच हुए करार को उक्त अधिकारी को प्रस्तुत करेगा ;

(ii) उस उपयोक्ता उद्योग की दशा में जो उनसे भिन्न हैं, जो दो वर्ष से कम की अवधि के लिए अस्तित्व में हैं, उनसे ठेका कृषकों के क्षेत्रों या फार्मों को इस प्रकार अंतरित माल पर छोड़े गए कुल शुल्क के तुल्य एक बैंक प्रत्याभूति प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाएगी ;

(iii) उपयोक्ता उद्योग माल के उपापन से पूर्व उक्त अधिकारी को ऐसे ब्यौरे देते हुए, जैसे ठेका कृषकों की संख्या और उनके फार्मों की अवस्थिति, ठेका खेती के अधीन फार्मों या क्षेत्रों की माप, विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा नियत निवेश या उत्पादन के मापदंड और उनकी परियोजनाकृत अपेक्षाओं तथा ऐसी परियोजनाकृत अपेक्षाओं की परीक्षा करने के पश्चात् आवेदन करेगा, और उक्त अधिकारी वार्षिक आधार पर उनके आयात या उपापन के लिए अनुज्ञा देगा ;

(iv) किसी भी कारण से जिसके अंतर्गत प्राकृतिक आपदा या फसल की हानि सम्मिलित है उसी मौसम में या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो, यथास्थिति, सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा अनुज्ञात की जाए विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा अधिसूचित मानदंडों के अनुसार उस दशा में जहां उपयोक्ता उद्योग कृषकों के क्षेत्रों/फार्मों में इस प्रकार उत्पादित कृषि या बागवानी उत्पाद को उपयोक्ता उद्योग में वापस लाने में असफल रहता है वहां उपयोक्ता उद्योग से अपेक्षा की जाएगी कि वह ठेका कृषकों के क्षेत्रों/फार्मों से इस प्रकार लिए गए निवेशों पर प्रचलित शुल्क के तुल्य शुल्क का संदाय करे ;

(v) ऐसा माल, जिसे ठेका कृषकों के फार्मों/क्षेत्रों को किसी समय, जो उक्त अधिकारी द्वारा विनिश्चित किया जाए अंतरित किए जाने के लिए अनुज्ञात किया गया है, उपयोक्ता उद्योग से इस प्रकार अंतरित माल का लेखा रखने की अपेक्षा की जाएगी ;

(vi) इस प्रकार अंतरित माल का या फार्मों या क्षेत्रों में माल के उपयोग का लेखा न रखने की दशा में उससे भिन्न जिसे उक्त अधिकारी को घोषित किया गया है, उपयोक्ता उद्योग मांग किए जाने की सूचना की प्राप्ति से 10 दिन के भीतर ऐसे लेखा न रखे गए माल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 11कख के अधीन भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट दर से ब्याज सहित पूर्व निश्चित शुल्क का संदाय करेगी और उसका संदाय न किए जाने में व्यतिक्रम की दशा में, उक्त अधिकारी बैंक प्रत्याभूति को भुना सकेगा और इस अधिसूचना के अधीन शुल्कमुक्त/उपापन को अननुज्ञात कर सकेगा ;

(vii) उपयोक्ता उद्योग से सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 58 के अधीन ऐसे माल के भंडारण के लिए, जो इस अधिसूचना के अधीन शुल्क मुक्त उपाप्त किया गया

हो और उससे विनिर्मित अंतिम उत्पादों के भंडारकरण के लिए शुल्क बंधित परिसर रखने की अपेक्षा की जाएगी।

6. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी उसमें अंतर्विष्ट छूट उपयोक्ता उद्योग में वस्तुओं के प्रसंस्करण, विनिर्माण, उत्पादन या पैकेजिंग के लिए उपयोग किए गए माल और ऐसी वस्तुओं को (जिनके अंतर्गत ऐसी वस्तुओं के ऐसे प्रसंस्करण, विनिर्माण, उत्पादन या पैकेजिंग से उद्भूत हुए रद्दी, अपशिष्ट स्क्रेप और अवशेष भी हैं) चाहे भारत से बाहर निर्यात न की गई हों जो निर्यात और आयात नीति के अधीन और अनुसार और ऐसी परिसीमाओं और शर्तों के अधीन हैं जो, यथास्थिति, इस निमित्त विकास आयुक्त, अनुमोदन बोर्ड या अंतःमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, समुचित उत्पाद शुल्क का संदाय किए जाने पर उपयोक्ता उद्योग से बाहर निकासी किए जाने के लिए अनुज्ञात किया गया है या जहां ऐसी वस्तुओं की भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 26/98- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी) तारीख 15 जुलाई, 1998 या सं. 46/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी) तारीख 26 जून, 2001 के अधीन नियुक्त या रजिस्ट्रीकृत भांडागार को निकासी की गई है या सीमाशुल्क अधिनियम, 1962, (1962 का 52) की धारा 65 और भांडागार में विनिर्माण और अन्य संक्रिया विनियम, 1966 के अधीन विनिर्माणकारी प्रक्रिया करने के लिए प्राधिकृत भांडागार को निकासी की गई है या निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.9(ड) में यथाविनिर्दिष्ट परिधान निर्यात संवर्धन परिषद तथा चमड़ा निर्यात परिषद से शुल्क मुक्त आयात के लिए प्रमाणपत्र धारक को शुल्क का संदाय किए बिना निकासी की गई है, को भी लागू होगी :

परंतु ऐसे माल, जिनकी मरम्मत की गई है, पुनर्नूकूलन किया गया है पुनर्नूकूलन की गई है, की यूनिटों से बाहर निकासी अनुज्ञात नहीं की जाएगी :

परंतु यह और कि जहां ऐसी वस्तुएं (जिसके अंतर्गत रद्दी अपशिष्ट, रद्दी और स्क्रेप सामग्री भी हैं) उत्पाद शुल्क नहीं है, इस अधिसूचना के अधीन अभिप्राप्त निवेशों पर जो ऐसी वस्तुओं के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए उपयोग किए गए हैं उद्ग्रहणीय रकम के तुल्य छोड़ा गया शुल्क, जिसका संदाय किया गया होता, यदि इस अधिसूचना के अधीन छूट प्राप्त नहीं होती तो, ऐसी वस्तुओं के निकासी के समय संदेय होगा।

7. इस अधिसूचना के अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां उक्त अधिकारी का यह समाधान हो गया है कि उपयोक्ता उद्योग को, जिसे संबद्ध राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा इस निमित्त अनुज्ञात किया गया है और विकास आयुक्त द्वारा अपने डीजल जेनेरेटिंग सेटों या कैपटिव विद्युत संयंत्रों में उत्पादित अधिशेष बिजली का घरेलू टैरिफ क्षेत्र में विक्रय करने के लिए या किसी अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम को या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या विशेष आर्थिक जोन में ऐसी शर्तों को पूरा करने के अधीन रहते हुए जो उक्त अधिकारी द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाएं अंतरण करने के लिए अनुज्ञात कर दिया गया है वहां उक्त अधिकारी ऐसे उपयोक्ता उद्योग को निम्नलिखित के लिए अनुज्ञात कर सकेगा—

(i) घरेलू टैरिफ क्षेत्र में इस प्रकार विक्रय की गई बिजली की प्रत्येक यूनिट के उत्पादन में प्रयोग की गई खपत योग्य और कच्ची सामग्री पर उदग्रहणीय शुल्क के यदि उसपर शुल्क से छूट न होती तो तुल्य रकम के संदाय पर घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसी अधिशेष बिजली का विक्रय करने के लिए ;

(ii) ऐसी अधिशेष बिजली का अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या विशेष आर्थिक जोन को शुल्क के संदाय के बिना अंतरण करने के लिए ;

परंतु यह कि प्रदायकर्ता और प्राप्तकर्ता दोनों यूनितें निर्यात की प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन की संगणना करने के प्रयोजन के लिए अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित मानदंडों के आधार पर मात्रात्मक रूप से इस प्रकार अंतरित प्रत्येक विद्युत यूनिट के उत्पादन में प्रयोग की गई खपत योग्य और कच्ची सामग्री की मात्रा के लिए लेखा रखेगी ।

8. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किन्हीं अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना उक्त अधिकारी ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो राजस्व हितों के समुचित रक्षोपाय के लिए परिस्थितियों में अधिरोपित करना ठीक समझे और, यथास्थिति, विकास आयुक्त या अनुमोदन बोर्ड या अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति की ऐसी अनुज्ञा के अधीन रहते हुए जो निर्यात और आयात नीति के अधीन अनन्य रूप से अपेक्षित हो, उपयोक्ता उद्योग को ऐसे उपयोक्ता उद्योग के परिसरों

से बाहर भारत में किसी स्थान पर ले जाने के लिए जैसी भी स्थिति हो निर्यात और आयात नीति के अनुसार अनुज्ञात कर सकेगा—

(i) पूंजी माल की ऐसी निकासी, ऐसे माल पर उदग्रहणीय उत्पाद शुल्क के तुल्य किसी रकम या उसके अवक्षयण मूल्य पर और ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त दर पर या संव्यवहार मूल्य, जो भी अधिक हो के संदाय पर अनुज्ञात की जा सकेगी। अवक्षयण कंप्यूटर और कंप्यूटर परिधि मर्दों की बाबत मूल मूल्य के प्रतिवर्ष बीस प्रतिशत की दर पर और अन्य पूंजीगत माल की दशा में दस प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर अनुज्ञात किया जा सकेगा ;

(ii) उपयोग की गई पैकिंग सामग्री की निकासी जैसे गत्ते के बक्से, पालिथीलीन के थैले जो बारबार उपयोग किए जाने के लिए अनुपयुक्त किस्म के हैं किसी उत्पाद शुल्क के संदाय के बिना अनुज्ञात की जा सकेगी ;

(iii) उपर्युक्त खंड (i) से (ii) में विनिर्दिष्ट माल से भिन्न माल की निकासी ऐसे माल पर उदग्रहणीय उत्पाद शुल्क, विनिर्माण कारखाने से उसके निकासी के समय संपूर्ण मूल्य और ऐसे उत्पाद शुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त दरों पर अनुज्ञात की जा सकेगी ।

स्पष्टीकरण— खंड (i) के अंतर्गत आने वाले माल की बाबत अवक्षयण उपयोक्ता उद्योग के वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख से या उपयोक्ता उद्योग में माल की प्राप्ति की तारीख से, जो भी बाद में हो, शुल्क का संदाय किए जाने तक की अवधि के लिए अनुज्ञात किया जाएगा ।

9. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, उक्त अधिकारी सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसी भी स्थिति हो, के अनुमोदन के अधीन रहते हुए, डीजल जेनरेटिंग सेट, कैपटिव विद्युत संयंत्र, केन्द्रीय वातानुकूलन उपस्कर, आबाध विद्युत प्रदाय प्रणाली, नेटवर्किंग उपस्कर, इपीएबीएक्स, फैक्स, फोटोकापीयर उपस्कर, डाटा ट्रांसफर प्रोटोकाल उपस्कर और कंप्यूटर साफ्टवेयर के विकास में लगी यूनिट द्वारा उपाप्त सुरक्षा प्रणाली, जो अन्य साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क एसटीपी यूनिटों द्वारा उपयोग में लायी जाए, जो उपापन यूनिट के स्वामी से संबंधित हैं और उसी परिसर या निकट लगे हुए परिसरों में अवस्थित हैं, साफ्टवेयर के विकास और उसके निर्यात के प्रयोजन के लिए अनुज्ञात कर सकेगा ।

10. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, उसमें अंतर्विष्ट छूट कंप्यूटर और कंप्यूटर परिधीय जिसके अंतर्गत प्रिंटर, प्लॉटर, स्कैनर, मानीटर, कीबोर्ड, स्टोरेज यूनिट भी हैं जो देश में ही उपाप्त की गई हैं को भी लागू होगी जब उनका उपयोक्ता उद्योग या इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट उपापन और उपयोग के दो वर्ष के पश्चात् मान्यताप्राप्त वाणिज्येतर शैक्षिक संस्थाओं, रजिस्ट्रीकृत पूर्त अस्पतालों, लोक पुस्तकालयों, लोक वित्तपोषित अनुसंधान और विकास स्थापनों, किसी राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र के संगठनों को दान में दिया जाता है तो निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती हैं—

(i) उस दशा में जहां आदाता कोई मान्यताप्राप्त वाणिज्येतर शैक्षिक संस्था, रजिस्ट्रीकृत पूर्त अस्पताल, लोक पुस्तकालय, लोक वित्तपोषित अनुसंधान और विकास स्थापन है तथा दाता यह प्रमाणित करता है कि आदाता, यथास्थिति, ऐसी कोई शैक्षिक संस्था, अस्पताल, पुस्तकालय या अनुसंधान और विकास स्थापन है ; और

(ii) आदाता उस प्रक्रिया के पालन करने का, जो उक्त माल को दाता के एकक से उस के परिसरों को परिवहन करने के लिए दाता के एकक पर अधिकारिता रखने वाले, यथास्थिति, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा विहित की जाए, बचनबंध करता है और ऐसे माल का वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा और उक्त माल का दाता से उसे प्राप्ति की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के भीतर, यथास्थिति, उक्त सहायक आयुक्त या उप आयुक्त की अनुज्ञा के बिना विक्रय, व्ययन, दान, उधार, विनिमय या उसे अलग नहीं किया जाएगा ।

11. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट कोई बात आरंभिक पैरा में खंड (क) में यथाविनिर्दिष्ट ऐसे सेवा-सैक्टर निर्यातानुमुख उपक्रमों द्वारा, जो भारत से बाहर सेवाएं निर्यात नहीं करते हैं, आयात किए गए माल को लागू नहीं होगी ।

12. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, राजस्व विभाग की अधिसूचनाएं संख्या 136/94-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 10 नवंबर, 1994 (सा.का.नि. 798(अ) तारीख 10 नवंबर, 1994), संख्या 1/95 केंद्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 4 जनवरी, 1995 (सा.का.नि. 8(अ) तारीख 4 जनवरी, 1995), संख्या 10/95 केंद्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 23 फरवरी, 1995 (सा.का.नि. 87(अ) तारीख 23 फरवरी, 1995), संख्या 37/2000-केंद्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 8 मई, 2000 (सा.का.नि. 414(अ) तारीख 8 मई, 2000), संख्या 37/99-केंद्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 15 सितंबर, 1999 (सा.का.नि. 637(अ) तारीख 15 सितंबर, 1999) इसके द्वारा विखंडित की जाती हैं।

13. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, -

- (i) “अनुमोदन बोर्ड” से केंद्रीय सरकार द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 14 और उस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियुक्त किया गया प्राधिकारी अभिप्रेत है।
- (ii) “घरेलू टैरिफ क्षेत्र” से विशेष आर्थिक जोन और निर्यातोन्मुख उपक्रमों, साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिटों और इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिटों को छोड़कर क्षेत्र अभिप्रेत है।
- (iii) “निर्यात और आयात नीति” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना संख्या /2002-07 तारीख 31 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित निर्यात और आयात नीति, 1 अप्रैल, 2002 - 31 मार्च, 2007 अभिप्रेत है।
- (iv) “निर्यातोन्मुख उपक्रम” का वहीं अर्थ है जो केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण के खंड (ii) में “शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम” का है ;
- (v) “इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (ई.एच.टी.पी.) यूनिट” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5 (आर.ई - 95) 92-97 तारीख 30 अप्रैल, 1995 द्वारा प्रकाशित और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग की अधिसूचना संख्या का.आ. 117 (अ) तारीख 27 फरवरी, 1993 द्वारा नियुक्त अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क स्कीम के अधीन और उसके अनुसार स्थापित यूनिट अभिप्रेत है।
- (vi) “प्रक्रिया हैंडबुक खंड 1” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित लोक सूचना संख्या /2002-07, तारीख 31 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित प्रक्रिया हैंडबुक खंड 1, 2002-2007 अभिप्रेत है ;
- (vii) “अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति” से भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय उद्योग और विकास विभाग की अधिसूचना संख्या का.आ. 117 (अ) तारीख 27 फरवरी, 1993 द्वारा नियुक्त समिति अभिप्रेत है ;
- (viii) “साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एस.टी.पी.) यूनिट” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4 (आर.ई - 95)/92-95 तारीख 30 अप्रैल, 1995 द्वारा अधिसूचित और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक और विकास विभाग की अधिसूचना संख्या का.आ. 117 (अ) तारीख 27 फरवरी, 1993 द्वारा नियुक्त अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित स्कीम के अधीन और उसके अनुसार स्थापित यूनिट अभिप्रेत है।
- (ix) “विशेष आर्थिक जोन” का वहीं अर्थ है जो उसका केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (iii) में है।

## उपाबंध - 1

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	पूँजी माल और उनके पुर्जे और उपसाधन ।
2.	शिरोपरि उपस्कर को हथलाने की सामग्री अर्थात् फोर्क लिफ्ट, शिरोपरि क्रेन, चल क्रेन, कालर क्रेन, उत्तोलक और स्टेकर और उनके पुर्जे तथा उपसाधन ।
3.	अविच्छिन्न विद्युत प्रदाय प्रणाली (यू.पी.एस.) प्रदूषण नियंत्रण उपस्कर, क्वालिटी आश्वासन उपस्कर, भंडारण प्रणाली, भंडारण के लिए विशेष रैक, मोड्यूलर फर्नीचर, कंप्यूटर फर्नीचर, स्थैतिकरोधी दरी, दूर सम्मेलन उपस्कर, सर्वोनियंत्रण सिस्टम, सुरक्षा प्रणाली, विद्युत और वातानुकूलन प्रणाली के लिए पैनल, उनके पुर्जे, उनके खपने वाले सामान ।
4.	ऐसा कैप्टिव शक्ति संयंत्र जिसके अंतर्गत विकास आयुक्त/पदाभिहित अधिकारी द्वारा यथाअनुशंसित कैप्टिव उत्पादन सेट और ट्रांसफार्मर हैं ।
5.	कैप्टिव शक्ति यंत्रों के लिए पुर्जे, इंधन, स्नेहक, खपने वाला सामान और उपसाधन जिनके अंतर्गत उक्त अधिकारी द्वारा यथा अनुमोदित ट्रांसफार्मर के लिए कैप्टिव उत्पादन सेट और पुर्जे, खपने वाला सामान और उपसाधन भी हैं ।
6.	कार्यालय उपस्कर जिसके अंतर्गत पी.ए.बी.एक्स. फैंक्स मशीन, वीडियो प्रक्षेपण प्रणाली, कंप्यूटर, लैपटाप, सरवर, पुर्जे और उनके खपने वाले सामान भी हैं ।
7.	कच्ची सामग्री ।
8.	संघटक ।
9.	खपने वाले सामान ।
10.	पैकेजिंग सामग्री ।
11.	औजार, जिग, गज, फिक्सर, सांचे, डाई उपकरण और उनके उपसाधन तथा पुर्जे ।
12.	उत्पाद अपयोजनीकरण विकास, मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए विद्यमान उत्पादों में से प्रत्येक उत्पाद के लिए आदिप्ररूप या तकनीकी नमूने ।
13.	ड्राइंग ब्लू प्रिंट्स और चार्ट ।
14.	फिल्टर ।
15.	ड्रिपलायर, ड्रिपलाइन और ड्रिपफिटिंग ।
16.	माइक्रो-स्प्रिंगकलर और मिस्टर्स ।
17.	कृषि संबंधी स्प्रिंगकलर ।

18.	उर्वरक टैंक ।
19.	वाल्व ।
20.	उर्वरक पंप और रासायनिक इन्जेक्शन ।
21.	पादप या उसके भाग, बीज, बालवृक्ष, कंद, बल्ब, रिजोम्स, जड़ों की कतरन, सभी प्रकार के प्ररोप, उत्तक संवर्ध सामग्री और बीआई और रोपण के लिए उपयोग की गई अन्य वानस्पतिकतः प्रचारित सामग्री ।
22.	क्रेट ड्रम और परिरक्षण माध्यम (जैसे एसिड अम्ल और सिरका) ।
23.	श्रेणीकरण सारणियां ।
24.	ग्रीन हाउस उपस्कर, उपसाधन, तापित रूटिंग टेबल प्रसार ट्रै, सीडिंग मशीन ।
25.	उन्नतशील मीडिया जैसे पीट मास (जिसके अंतर्गत पीट लीटर भी हैं) (चाहे संपिंडित है या नहीं), पीयरलाइट (वर्मीकुलेट, राकवुल, कोका पेट, हाइड्रोकार्ब, फाम आधारित मध्यम और अन्य जुताई माध्यम ।
26.	पूर्व और पश्च फसल कटाई उपचारों के लिए उर्वरक और रासायन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, पादप और विकास विनियामक तथा अन्य कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ जो पादप पोषण, कीटनाशी, कवकनाशी, अपतृणनाशी, शाकनाशी में प्रयुक्त होते हैं ।
27.	निर्यात माल के उत्पादन या विनिर्माण के प्रयोजन के लिए यूनिट के भीतर उपयोग के लिए पूंजी माल बनाने हेतु कच्ची सामग्री ।
28.	अनुमोदन बोर्ड/अंतरमंत्रालयीय स्थायी समिति के पूर्व अनुमोदन से निर्यात माल के उत्पादन के संबंध में अपेक्षित कोई अन्य मद ।

## उपाबंध - 2

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	ग्रीन हाउस उपस्कर, उपसाधन, तापित रूटिंग टेबल प्रसार ट्रै, सीडिंग मशीन ।
2.	उन्नतशील मीडिया जैसे पीट मास (जिसके अंतर्गत पीट लीटर भी हैं) (चाहे संपिंडित है या नहीं), पीयरलाइट/वर्मीकुलेट, राकवुल, कोका पेट, हाइड्रोकार्ब, फाम आधारित मध्यम और अन्य जुताई माध्यम ।
3.	कार्यालय उपस्कर, पुर्जे और उनका खपने वाला सामान ।
4.	पूर्व और पश्च फसल कटाई उपचारों के लिए उर्वरक और रासायन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, पादप और विकास विनियामक तथा अन्य कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ जो पादप पोषण, कीटनाशी, कवकनाशी, अपतृणनाशी, शाकनाशी आदि में प्रयुक्त होते हैं ।
5.	पादप या उसके भाग, बीज, बालवृक्ष, कंद, बल्ब, रिजोम्स, जड़ों की कतरन, सभी प्रकार के प्ररोप, उत्तक संवर्ध सामग्री और बीआई और रोपण के लिए उपयोग की गई अन्य वानस्पतिकतः प्रचारित सामग्री ।

6.	फिल्टर ।
7.	ड्रिपलायर, ड्रिपलाइन और ड्रिपफिटिंग ।
8.	माइक्रो-स्प्रिंकलर और मिस्टर्स ।
9.	कृषि संबंधी स्प्रिंकलर ।
10.	उर्वरक टैंक ।
11.	वाल्व ।
12.	उर्वरक पंप और रासायनिक इन्जेक्शन ।
13.	जीव जंतु खाद्य जैसे पशु खाद्य और कुक्कुट दाना ।
14.	पशु चिकित्सीय औषधियां जिसके अंतर्गत टीके भी हैं ।
15.	पैकेजिंग सामग्री जिसके अंतर्गत पैकेजिंग के लिए मशीनरी और उपस्कर भी हैं ।
16.	शीत कक्ष भंडारण कक्ष प्रोकुरिंग चैम्बरों और उसके उपसाधनों के लिए शीतलन उपस्कर और उसके उपसाधन ।
17.	छंटाई उपस्कर, श्रेणीकरण उपस्कर, पैकिंग उपस्कर और ताप नियंत्रण या आद्रता नियंत्रण उपस्कर ।
18.	शक्ति जनक समुच्चय ।
19.	परिवहन यानों पर फिटमेंट परिशीतन और वातानुकूलन उपस्कर ।
20.	उपर मद संख्या 153 से 18 में उल्लिखित माल के अनुक्षण के लिए अतिरिक्त पुर्जे ।
21.	अनुमोदन बोर्ड द्वारा यथा अनुमोदित शक्ति जनक समुच्चय के लिए उच्च गति डीजल तेल ।

## उपाबंध - 3

क्रम सं.	- माल का वर्णन
1.	जीवित पशु ।
2.	शीर्ष 04.04 के खोल सहित पक्षियों के अंडे (ताजे) ।
3.	हरे वृक्ष और अन्य पादप, कंद, जड़ें इत्यादि, कर्तित पुष्प और अलंकृत पर्णसमूह ।
4.	अध्याय 7 के ताजी वनस्पतियां, संपूर्ण बिना कटी धूप में सुखाई गई वनस्पतियां, ताजी और बिना कटे/धूप में सुखाए गए जड़ और ट्यूबर ।
5.	अध्याय 8 के ताजे और बिना कटे/धूप में सुखाए गए खाद्य फल और गिरियां ।
6.	ताजी या धूप में सुखाई गए पादप या ऐसे पादपों के भाग ।
7.	रेशम कीट, कोकुंद और अपरिष्कृत रेशम ।

## उपाबंध 4

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	पूँजी माल जिसके अंतर्गत पैकजिंग के लिए संयंत्र और मशीनरी भी है संवाहक पट्टे और अंडजनन स्फूर्तनशाला, जल फार्म प्रसंस्करण संयंत्र, प्रशीतल एकक (शीतागार) और भरण संयंत्र के लिए उपसाधन, अतिरिक्त पुर्जे और खपने वाला सामान जिसके अंतर्गत उनके लिए स्नेहक भी है ।
2.	उपस्कर को हथलाने वाली सामग्री अर्थात् फोर्क लिफ्ट, शिरोपरि क्रेन, चल क्रेन, कालर क्रेन, उत्तोलक और चायक और उनके लिए पुर्जे, खपने वाले सामान जिसके अंतर्गत स्नेहक भी है ।
3.	ऐसा कैप्टिव शक्ति संयंत्र जिसके अंतर्गत विकास आयुक्त द्वारा यथाअनुशंसित शक्ति उत्पादन सैट और क्वालिटी आश्वासन उपस्कर भी है तथा उपसाधन ।
4.	औजार, जिग, गज, फिक्सर, सांचे, डाई उपकरण और उपसाधन ।
5.	शीतकक्ष परिधान ।
6.	जल उपचार के लिए रसायन जियोलाइट, चाय, बीज, चूर्ण / केक, अपशिष्ट डाइजेस्टर, नाशकजीवमार, कवकनाशी, पशु चिकित्सीय औषधियाँ जिसके अंतर्गत टीके भी हैं ।
7.	कार्यालय उपस्कर पुर्जे और उनके खपने वाला सामान ।
8.	झींगा/मछली तथा अन्य जलचर जिसके अंतर्गत आरटीमिया (ब्रेन थ्रिम्प अंडे) हैं, के लिए खाद्य और अन्य हैचिरी खाद्य ।
9.	जलीय जीव-जंतुओं के लिए खाद्य संबंधी कच्ची सामग्री अर्थात् द्रव्य, पाउडर या अन्य रूप में मछली और अन्य जलीय अंतशेरुकी जैसे स्किविड/झींगों का भोजन, मछली, लिपिड, तेल, स्किविड तेल, पशु चिकित्सा श्रेणी, विटामिनों और खनिजों की प्रीमिक्स जो मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है समुद्र अषव्यय, पाउडर, कल्प मील, मोलासिस, यीस्ट, सोलिन क्लोराइट, प्रतिप्राक्षीकारक जिसके अंतर्गत विटामिन लिसिथिन, डाइकैल्सियम फास्फेट और कैल्सियम लैक्टेट नहीं है । जिन्हें पशु-चिकित्सा अनुप्रयोग से भिन्न अनुप्रयोग में उपयोग किया जा सकता है ।
10.	परिरक्षक, प्रिमिक्स टेस्टमेकर, बैटरी की सामग्री, विशेष रसोई माध्यम, डबल रोटी का चूर्ण/पाउडर सभी प्रकार की पैकेजिंग सामग्री ।
11.	सभी प्रकार की पैकेजिंग सामग्री ।
12.	अनुमोदन बोर्ड द्वारा यथा अनुमोदित शक्ति जनक समुच्चय के लिए उच्च गति डीजल तेल ।

## उपाबंध 5

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	द्रवचालित उत्खनक
2.	वातीय संपीडित
3.	जैक हथोड़े
4.	द्रवचालित वेधन मंत्र
5.	लाइन वेधन
6.	(फ्रंट छोर भारक) फ्रंट एंड लोडर
7.	वातीय पेषक
8.	हीरातार आरी
9.	ड्रॉसिंग मशीन
10.	कोरे वेधन यंत्र
11.	जेट बर्नर
12.	क्रेन
13.	डेरिक
14.	टिप्पर और डम्पर
15.	बोल्डिंग मशीन
16.	जनक समुच्चय
17.	इस्पात की जंजीर और इस्पात के रस्से
18.	डी-शैकल्स
19.	हीरे के तार
20.	हीरे के टुकड़े
21.	टंगस्टन कार्बन ड्रिलर (बरमा) की छड़े

22.	इस्पात की पंखडियां और बिड़ले
23.	बर्नर नोजल
24.	वेल्लिंग छड़े
25.	हाइड्रोलिक तेल और स्नेहक
26.	विस्फोटक सामग्री
27.	छेनी, हथौड़े, जैनपुली ब्लाक
28.	इस्पात पिलोकिट
29.	धूलि संग्राहक
30.	खपने वाला सामान और औजार

## उपाबंध 6

## प्ररूप सी टी - 3

सं. ....

तारीख .....

## प्ररूप सी टी - 3

बंध पत्र के अधीन उत्पाद शुल्क्य माल को हटाए जाने के लिए प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि :

मिस्टर/मैसर्स ..... (नाम और पता) अनुज्ञप्ति सं. ....  
 जो ..... तक विधिमन्य है/हैं, का सदभाविक अनुज्ञप्ति धारी है ।

उसने/उन्होंने केंद्रीय उत्पाद-शुल्क या सीमा-शुल्क के समुचित अधिकारी या केंद्रीय उत्पाद-शुल्क या सीमा-शुल्क  
 उपायुक्त के पास ..... रुपए के लिए प्ररूप ख-17 (साधारण प्रतिभू/साधारण प्रतिभूति) सं .....  
 तारीख ..... में एक बंधपत्र निष्पादित किया है और इसलिए उसे/उन्हें ..... स्थित यूनिट से  
 ..... स्थित अपने उपक्रम तक ..... (उत्पाद शुल्क्य माल) ..... की ..... (मात्रा)  
 हटाने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा ।

उसके/उनके प्राधिकृत अभिकर्ता अर्थात् श्री ..... के सम्यकतः अनुप्रमाणित नमूना/नमूने हस्ताक्षर  
 नीचे दिए गए हैं ।

स्वामी या उसके प्राधिकृत  
 अभिकर्ता के नमूना हस्ताक्षर

ह./-  
 अनुप्रमाणित

निर्यातानुमुख उपक्रम/इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी  
 पार्क (इ.हा.प्रौ.पा.) यूनिट/साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क  
 (सा.प्रौ.पा.) यूनिट का भारसाधक केंद्रीय उत्पाद-शुल्क  
 अधिकारी ।

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 22/2003-Central Excise]

G.S.R. 265(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government being satisfied, that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts,-

(a) all goods specified in Annexure –I to this notification, when brought in connection with, -

- (i) manufacture and packaging of articles or for production or packaging or job work for export of goods or services, into export oriented undertakings (hereinafter referred to as the user industry) other than those units referred to in clauses (b) to (c);
- (ii) manufacture or development of software, data entry and conversion, data processing, data analysis, control data management or call center services for export, into Software Technology Park (STP) Unit or a unit in Software Technology Park Complex under the hundred percent export oriented scheme (hereinafter referred to as the user industry.);  
or
- (iii) the manufacture or development of electronics hardware or electronic hardware and software in an integrated manner for export, into

Electronics Hardware Technology Park (EHTP) unit or a unit in an Electronic Hardware Technology Park Complex (EHTP) under the hundred percent. export oriented Scheme ( hereinafter referred to as the user industry); or

- (b) all goods specified in Annexure II to this notification, when brought in connection with production, manufacture or packaging of goods as specified in Annexure-III for export, into export oriented undertaking in horticulture, agriculture and animal husbandary sector (hereinafter referred to as the user industry); or
- (c) all goods specified in Annexure IV to this notification, when brought in connection with production, manufacture or packaging of aquaculture products for export, into export oriented undertaking in aquaculture sector ( hereinafter referred to as the user industry); or
- (d) all goods specified in Annexure V to this notification, when brought in connection with quarrying of granite by export oriented undertaking engaged in processing and manufacture or production of articles of granite for export( hereinafter referred to as the user industry),

from the whole of,-

- (i) the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);
- (ii) the additional duty of excise, if any, leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and
- (iii) the additional duty of excise, if any, leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 ( 40 of 1978),

subject to following conditions, namely:-

- (1) the user industry brings the excisable goods directly from the factory of manufacture or warehouse;

- (2) all excisable goods so brought are used by the user industry specified in clauses (a) to (d) for the purposes specified therein;
- (3) the user industry disposes of the said goods or the articles produced, manufactured, processed or packaged in such user industry, or the waste, scrap and remnants arising out of such production, manufacture, processing or packaging in the manner as provided in the Export and Import Policy and in this notification;
- (4) the user industry executes a bond with the Deputy Commissioner of Central Excise or Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, (hereinafter referred to as the said officer) in the prescribed form and for such sum as may be specified by the said officer for the proper account of the receipt, storage and utilization of such goods, to achieve positive Net Foreign exchange Earning and comply with the conditions stipulated in this notification and the Export and Import Policy, and binding itself to pay on demand,-
  - (a) an amount equal to duty leviable on the goods and interest at the rate specified in the notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue issued under section 11 AB of Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) from the date of duty free procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if –
    - (i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the said officer to have been installed or otherwise used within the user industry within a period of one year from the date of procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the said officer may, on being satisfied that there

is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow ;

(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods as are not proved to the satisfaction of the said officer to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or cleared for home consumption within a period of three years from the date of procurement thereof or within such extended period as the said officer may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;

(iii) in the case of—

(a) goods produced or packaged, such goods have not been exported out of India, and

(b) unused goods (including empty cones, bobbins or containers, if any, suitable for repeated use) as have not been exported or cleared for home consumption,

within a period of one year from the date of procurement of such goods or within such extended period as the said officer may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow,

(b) in case of failure to achieve the positive Net Foreign exchange Earning, the duty equal in amount to the portion of the duty leviable on the said goods but for the exemption contained in this notification and the duty so payable shall bear the same proportion as the unachieved portion of Net Foreign exchange Earning bears to the positive Net Foreign exchange Earning to be achieved along with interest at the rate of as specified in the notification of the

Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue issued under section 11 AB of the Central Excise Act, 1944, from the date of procurement of the said goods till the payment of such duty.

- (5) the manufacturer of said goods follows the procedure contained in rules 11 and 20 of the Central Excise Rules, 2002;
- (6) the user industry follows the procedure contained in Central Excise (Removal of Goods at Concessional Rate of Duty for Manufacture of Excisable Goods) Rules, 2001, with the modification that certificate in Form C.T.- 3 Annexed to this notification as Annexure-VI, shall be used by the Central Excise Officer in charge of user industry in place of the application in the Form annexed to that rules.

2. The said officer may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him and subject to the provisions of the Export and Import policy,—

- (i) permit the goods or goods partially processed, manufactured, produced or packaged in the user industry to be taken outside the user industry without payment of duty, for the purposes of repairs, processing, testing, display or job-work or any other operation necessary for manufacture of the final product and to be returned to the user industry thereafter or remove the same without payment of duty under bond for export from job-worker's premises:

Provided that waste or scrap or remnants generated during such processes at the job worker's premises is either returned to the user industry or is cleared on payment of duty as if cleared into Domestic Tariff Area by the said user industry;

- (ii) permit the goods processed, manufactured, produced or packaged to be supplied or transferred from a user industry to another unit, or unit in the special economic zone (SEZ), or Software Technology Parks (STP)

unit or Electronic Hardware Technology Park ( EHTP) unit, as the case may be, for any of the purposes as specified in clauses (a) to (d), or for export;

- (iii) permit to remove moulds, jigs, tools, fixtures, tackles, instruments, hangers and patterns or drawings from the premises of the user industry to the premises of the sub-contractors subject to the condition that the goods so removed shall be brought back to the premises of such user industry on completion of job work, within a period fixed by the said officer;
- (iv) permit the capital goods to be supplied or transferred to another unit in special economic zone ( SEZ) or Software Technology Park ( STP) unit or Electronic Hardware Technology Park( EHTP) unit or to another export oriented undertakings, as the case may be, for use within the unit;
- (v) permit the goods or goods partially processed or manufactured or packaged therefrom in the unit to be taken out of India for the purpose of processing if such processing is not available in India, after the approval of the Board of Approval, without payment of duty and to be returned to the unit thereafter, subject to such condition or limitation, as may be specified by him in this behalf;

3. Subject to the satisfaction of the said officer, duty shall not be leviable in respect of -

- (i) the goods when used by the unit engaged in the development of software for imparting training (including commercial training) subject to the condition that the unit imparting such training had achieved positive Net Foreign exchange Earning (NFE) prescribed in the Export and Import Policy and that no computer terminal shall be installed out side the premises of such user industry for this purpose;

- (ii) the goods when used by the unit engaged in the development of software for the purposes of development or testing of software for export and for the purposes of providing consultancy services for development of software "on-site" abroad subject to the conditions and the procedure specified by the said officer in this behalf;
- (iii) the capital goods or reject, waste or scrap material, if such goods are destroyed within the user industry in the presence of the central excise officer or out side the user industry, where it is not possible or permissible to destroy the same within the user industry:

Provided that the remnants, remains or scrap after such destruction, if cleared into Domestic Tariff Area, applicable duty shall be levied on such goods:

*Explanation.* — The consultancy fees received by software development units in convertible foreign currency for consultancy service for development of software 'on site' abroad shall be deemed to be export for the purposes of fulfillment of positive Net foreign exchange Earning under this notification.

4. The user industry engaged in the processing or manufacture or production of articles of granite for export as specified in clause (d) in the opening paragraph, may be allowed to take the goods, as specified in Annexure- V, out of the bonded premises to the granite quarries for the purposes of quarrying of granite subject to the following conditions, namely-

- (i) the quarries are in the name of the user industry either on lease basis or on ownership basis. The location and area of quarries or any subsequent change in location of quarry or quarries at a later stage shall be intimated by the user industry to the Development Commissioner and the said officer;
- (ii) the goods are used by the user industry for the purpose of quarrying of granite meant for further processing or manufacture or production of articles of granite for export by its own export oriented undertaking;

- (iii) the user industry maintains a proper account of receipt, consumption and utilisation of the goods and, of granite so quarried and transferred to its processing unit or to any other export oriented undertaking or unit in special economic zone, and shall submit such accounts periodically to the Development Commissioner of the special economic zone and to the said officer, in such form and in such manner as may be laid down by the Development Commissioner or the said officer, as the case may be.
- (iv) the said officer may, subject to such conditions and limitations as he may specify and subject to the provisions of the Export and Import Policy, allow –
- (a) the user industry to supply granite so quarried to other export oriented undertaking or units in the special economic zone without payment of duty;
  - (b) the goods to be taken out temporarily without payment of duty for repairs and return thereof;
  - (c) the user industry to export the goods;
  - (d) destruction of obsolete capital goods without payment of duty, if such goods are destroyed in the presence of the Customs or Central Excise Officer;
- (v) the goods shall not be transferred or shifted to any other site or quarry owned or taken on lease by the user industry without permission of the said officer;
- (vi) the accounts of the goods used at the quarrying site shall be kept in the site in a properly constructed office to enable the verification of the same as and when required; and
- (vii) the granite so quarried shall be removed from the quarry site only for supply to unit's own processing unit or for supply to an other export oriented undertaking or the units in the special economic zone engaged in processing or production or manufacture of articles of

granite and export thereof and shall not be allowed to be exported as such or to be cleared in Domestic Tariff Area.

5. Notwithstanding anything contained in this notification, the said officer may permit the user industry engaged in,-

- (a) processing of agriculture products referred to in sub-clause (i) of clause (a) of opening paragraph of this notification to take out goods as specified at Sl. Nos. 14 to 26 in Annexure-I ; and
- (b) production or manufacture or packaging of articles as specified in clause (b) of opening paragraph of this notification to take out goods as specified at Sl. Nos. 4 to 12 in Annexure-I,

to the fields and farms of contract farmers of the user industry for production or in connection therewith; and to bring back the produce to the user industry for exports, in accordance with the provisions of Export and Import Policy and Handbook of Procedures, Volume-I and subject to the following conditions:-

- (i) the user industry shall produce an agreement between it and contract farmer(s) to the said officer;
- (ii) in case of user industry other than those which are in existence for less than two years, they shall be required to furnish a bank guarantee equal to the total duty foregone on the goods so transferred to the fields or farms of contract farmers;
- (iii) prior to procurement of the goods, the user industry shall apply to the said officer, giving the details, such as, number of contact farmers and location of their farms, measurement of the farms or fields under contact farming, input-output norms of production as fixed by Directorate General of Foreign Trade and their projected requirements and after examination of the such projected requirement, the said officer, shall give permission for the procurement of the same on annual basis;

- (iv) in case of failure of the user industry to bring back the agriculture or horticulture produce so produced in the fields or farms of contract farmers to the user industry, as per the norms notified by the Directorate General of Foreign Trade, within the same season or such extended period as may be permitted by the Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be, due to any reason including natural calamity or loss of crop, the user industry shall be required to pay the duty equal to the duty foregone on the inputs so taken out to the fields or farms of the contract farmers;
- (v) the goods allowed to be transferred to the fields or farms of the contract farmers, at any point of time as may be decided by the said officer, the user industry shall be required to account for the goods so transferred to the fields or farms of the contract farmers;
- (vi) in case of non-accountal of goods so transferred or use of the goods in farms or fields other than those declared to the said officer, the user industry shall pay duty foregone on such un-accounted goods alongwith the interest as the rate as specified in the notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue issued under section 11 AB of the Central Excise Act, 1944 within 10 days of receipt of demand notice, and in case of failure to pay the same, the said officer, may en-cash the bank guarantee and disallow the duty free procurement under this notification;
- (vii) the user industry shall be required to have a premise(s) duty bonded under section 58 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), for storage of goods procured duty free under this notification and, of final products manufactured therefrom.

6. Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to the goods used for the purposes of processing, manufacture, production or packaging of articles in an user industry and such

articles (including rejects, wastes, scrap and remnants arising out of such processing, manufacture, production, or packaging of such articles) even if not exported out of India are allowed to be cleared outside the user industry under and in accordance with the Export and Import Policy and subject to such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by Development Commissioner, or the Board of Approval or the Inter Ministerial Standing Committee (IMSC), as the case may be, on payment of appropriate duty of excise, or where such articles are cleared to the warehouse appointed or registered under notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 26/98—Central Excise (NT), dated the 15<sup>th</sup> July, 1998 or No. 46/2001-CE (NT), dated 26<sup>th</sup> June, 2001 or cleared to the warehouse authorised to carry on manufacturing process or other operation under section 65 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and under the Manufacture and Other Operations in Warehouse Regulations, 1966, or cleared to the holders of certificate for duty free import from Apparel Export Promotion Council and Council for Leather Export as specified in paragraph 6.9(e) of Export and Import Policy, without payment of duty:

Provided that goods which have been repaired, reconditioned, re-engineered shall not be allowed to be cleared outside the units:

Provided further that where such articles (including rejects, waste and scrap materials) are not excisable, duty foregone equal in amount to that leviable on the inputs obtained under this notification and used for the purpose of manufacture of such articles, which would have been paid but for the exemption under this notification, shall be payable at the time of clearance of such articles.

7. Without prejudice to other provisions of this notification, where the said officer is satisfied that the user industry, which has been permitted by the concerned State Electricity Board in this behalf and has been permitted by Development Commissioner to sell into Domestic Tariff Area or transfer to other

**export oriented undertaking or Software Technology Park (STP) unit or Electronic Hardware Technology Park (EHTP) unit or unit in special economic zone, the surplus power generated in its diesel generating sets or captive power plant subject to fulfilment of such conditions as may be specified by the said officer on this behalf, the said officer may allow the user industry -**

- (i) to sell such surplus power in Domestic Tariff Area on payment of an amount equal to the duty leviable on consumables and raw materials but for the exemption of duty thereon, used for generation of each unit of power so sold in the Domestic Tariff Area on the basis of norms approved by the Board of Approval ;**
- (ii) to transfer such surplus power to other export oriented undertaking or Software Technology Park (STP) unit or Electronic Hardware Technology Park ( EHTP) unit or unit in special economic zone without payment of duty:**

Provided that both supplying and receiving unit shall maintain account for the quantity of consumables and raw materials used in generation of each unit of power so transferred as quantified on the basis of norms approved by the Board of Approval, for the purpose of calculation of Net Foreign exchange Earning (NFE).

8. Without prejudice to any other provision contained in this notification, the said officer may, subject to such conditions and limitation as he may deem fit to impose under the circumstances of the case for the proper safeguard of the revenue interest and also subject to such permission of the Development Commissioner or the Board of Approval or the Inter Ministerial Standing Committee as the case may be, where it is exclusively required under Export and Import Policy, allow the user industry to clear any of goods for being taken outside the premises of such user industry to any other place in India, as the case may be, in accordance with the Export and Import Policy -

- (i) such clearance of capital goods may be allowed on payment of an amount equal to the excise duty leviable on such goods on either on the depreciated value thereof and at the rate in force on the date of payment of such duty or on the transaction value, whichever is higher. The depreciation shall be allowed at the rate of 20% per annum of the original value in respect of computer and computer peripherals items and 10% per annum in case of other capital goods;
- (ii) such clearance of used packing material such as cardboard boxes, polyethylene bags of a kind unsuitable for repeated use may be allowed without payment of any excise duty;
- (iii) such clearance of goods other than those specified in clauses (i) to (ii) above may be allowed on payment of excise duty leviable on such goods, on the full value at the time of their clearance from the factory of manufacture and at the rates in force on the date of payment of such excise duty.

*Explanation.*- The depreciation in respect of goods covered by clause (i) shall be allowed for the period from the date of commencement of commercial production of the user industry or the date of receipt of goods in the user industry, whichever is later, till the date of payment of duty.

9. Notwithstanding anything contained in this notification, the said officer subject to approval of the Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be, may allow diesel generating sets, captive power plants, central air-conditioning equipments, uninterrupted power supply system, networking equipments, EPABX, Fax, Photocopier equipment, data transfer protocol equipments, and security system procured by the unit engaged in the development of computer software, to be utilized by the other Software Technology Park (STP) units, belonging to the owner of procuring unit and located in the same compound or nearby/ adjoining premises for the purpose of development of software and export thereof.

10. Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to computer and computer peripherals including printer, plotter, scanner, monitor, key-board and storage units procured indigenously when donated, by an user industry or Electronic Hardware Technology Park (EHTP) unit or Software Technology Park (STP) unit two years after procurement and use to recognised non-commercial educational institutions, registered charitable hospitals, public libraries, public funded research and development establishments, organisations of the Government of a State or Union Territory subject to the following conditions:-

- (i) in case the donee is a recognised non-commercial educational institution, registered charitable hospital, public library, public funded research and development establishment, the donor certifies that the donee is an educational institution, hospital, library or research and development establishment, as the case may be, and
- (ii) the donee undertakes to observe the procedure, as may be prescribed by the said officer, having jurisdiction over the donor's unit, for transport of the said goods shall not be used for commercial purposes, and shall not sold, disposed of, gifted, loaned, exchanged or parted with, without the permission of the said officer within the period of five years from the date of receipt of the said goods to him from the donor.

11. Nothing contained in this notification shall apply to the goods imported by service sector export oriented undertakings as specified in clause (a) in the opening paragraph, who does not export services outside India.

12. The notifications of the Government of India in the Ministry of Finance in the Department of Revenue, Nos.136/94-Central Excise, dated the 10<sup>th</sup> November, 1994 (GSR 798(E), the 10<sup>th</sup> November, 1994), 1/95-Central Excise, dated the 4<sup>th</sup>

January, 1995 (G.S.R. 8(E), dated 4-1-95), 10/95-Central Excise dated the 23<sup>rd</sup> February, 1995 (G.S.R. 87(E) dated 23<sup>rd</sup> February, 1995), 37/99-Central Excise dated, the 15th September, 1999( G.S.R 637 (E), dated the 15<sup>th</sup> September, 1999) and 37/2000- Central Excise, dated the 8<sup>th</sup> May, 2000 (G.S.R 414(E) dated the 8th May, 2000), are hereby rescinded.

13. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

**Explanation-** For the purposes of this notification,-

- (i) “Board of Approval” means the authority appointed by the Central Government in exercise of the powers conferred by section 14 of the Industries (Development or Regulation) Act, 1951(65 of 1951) and the rules made under that Act;
- (ii) “ Domestic Tariff Area” means area except special economic zone, export oriented undertakings, Software Technology Park unit and Electronic Hardware Technology Park unit;
- (iii) “Export and Import Policy” means Export and Import Policy, 1 April 2002 – 31 March 2007, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 1 (RE-2003) /2002-07, dated 31<sup>st</sup> March, 2003, as amended from time to time;
- (iv) “export oriented undertaking” has the same meaning as assigned to “hundred percent. export oriented undertaking” in clause (ii) to the *Explanation* of sub-section (1) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 ( 1 of 1944);
- (v) “Electronic Hardware Technology Park (EHTP) unit” means a unit established under and in accordance with the Electronic Hardware Technology Park Scheme notified by the Government of India in the Ministry of Commerce, vide notification No. 5(RE-95)/92-97, dated 30<sup>th</sup> April, 1995 and approved by the Inter Ministerial Standing Committee;

- (vi) “Handbook of Procedures, Volume I ” means Handbook of Procedures Volume I, 2002-2007 published by the Government of India, Ministry of Commerce and Industry vide Public Notice No. 1(RE-2003)/2002-07, dated 31<sup>st</sup> March, 2003, as amended from time to time;
- (vii) “Inter-Ministerial Standing Committee” means a committee appointed by the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) vide notification No. S.O. 117(E), dated the 22<sup>nd</sup> February, 1993;
- (viii) “Software Technology Park (STP) unit” means a unit established under and in accordance with Scheme notified by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 4(RE-95)/92-95, dated 30<sup>th</sup> April, 1995 and approved by the Inter-Ministerial Standing Committee;
- (ix) “special economic zone” has the same meaning as assigned to it in clause (iii) to the *Explanation 2* of sub-section (1) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 ( 1 of 1944).

### ANNEXURE – I

Sl. No.	Description of Good
1	Capital goods and spares and accessories thereof.
2	Material handling equipments, namely, fork lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers and spares thereof.
3	Uninterrupted power supply system (UPS), pollution control equipment, quality assurance equipment, storage systems, special racks for storage, modular furniture, computer furniture, anti-static carpet, tele-conference equipment, servo control system, security system, panels for electrical, net working equipment, data transfer protocol equipment, Central Air Conditioning equipments, and air conditioning system, spares, and consumables thereof.
4.	Captive power plant including captive generating sets and transformers as recommended by the Development Commissioner/ Designated Officer

5.	Spares, fuel, lubricants, consumables and accessories for captive power plants including captive generating sets and spares, consumables and accessories for transformers as approved by the said officer.
6.	Office Equipment including PABX, fax machines, video projection system, computer, laptop, server, spares and consumables there of.
7.	Raw materials.
8.	Components.
9.	Consumables.
10.	Packaging materials.
11.	Tools, jigs, gauges, fixtures, moulds, dies, instruments and accessories and spares thereof.
12.	A Prototype or technical samples for each of the existing products for the purpose of product diversification, development or evaluation.
13.	Drawings, blue prints and charts.
14.	Filters
15.	Dripliers, Drip lines and Drip-fittings
16.	Micro Sprinklers and Misters
17.	Agriculture Sprinklers
18.	Fertilizer Tanks
19.	Valves
20.	Fertilizer pumps and Chemical injection
21.	Plant or parts thereof, seeds, saplings, tubers, bulbs, Rhizomes, roots cuttings, all types of grafts, tissue culture material, and other vegetatively propagated material utilized for sowing and planting
22.	Crates drums and preservation media (such as acetic acid and vinegar)
23.	Grading Tables.
24.	Green House equipment, accessories, heated rooting tables, propagation trays, seeding machines.
25.	Growing media such as Peat Moss (including peat litres) (whether or not agglomerated), Pearlite /Vermiculite, Rockwool, Cocoa pet, Hydrocorn, Foam based medium and other cultivation medium
26.	Fertiliser and chemicals for pre and post harvest treatments such as micro nutrients, plant and growth regulators and other organic and inorganic

	substances used for plant nutrition, insecticides, fungicides, weedicides, herbicides and the like.
27.	Raw materials for making capital goods for use within the unit for the purpose of production or manufacture of exports goods.
28.	Any other item required in relation to production of export goods with the prior approval of Board of Approval / Inter-Ministerial Standing Committee

## ANNEXURE-II

Sl. No.	Description of Good
1.	Green House equipment, accessories, heated rooting tables, propagation trays, seeding machines.
2.	Growing media such as Peat Moss (including peat litres) (whether or not agglomerated), Perlite/Vermiculite, Rockwool, Cocoa pet, Hydrocorn, Foam based medium and other cultivation medium.
3.	Office equipments, spares and consumables thereof.
4.	Fertilizers and chemicals for pre and post harvest treatments such as micro nutrients, plant and growth regulators and other organic and in-organic substances used for plant nutrition, insecticides, fungicides, weedicides, herbicides, and the like.
5.	Plant or parts thereof, seeds, saplings, tubers, bulbs, Rhizomes, roots cuttings, all types of grafts, tissue culture material, and other vegetatively propagated material utilized for sowing and planting.
6.	Filters
7.	Drippers, Driplines and Drip-fittings
8.	Micro Sprinklers and Misters
9.	Agriculture Sprinklers.
10.	Fertilizer tanks.
11.	Valve.
12.	Fertilizer Pumps and Chemical Injections.
13.	Animal feed such as cattle feed and poultry feed.
14.	Veterinary medicines including vaccines.
15.	Packaging materials including machinery and equipment for packaging.
16.	Cooling equipment for cold room, storage room, pre-cooling chambers and its accessories.
17.	Sorting equipment, Grading equipment, Packing equipment and temperature control or humidity control equipment.
18.	Power generating sets.
19.	Refrigeration and air-conditioning equipment for fitment on transport vehicles.

20.	Spare parts for the maintenance of goods mentioned at item Nos. 15 to 18 above.
21.	High Speed Diesel oil for power generating sets as approved by the Board of Approval.

**ANNEXURE -III**

1.	Live animals.
2.	Bird's eggs (fresh) in shells of heading 0404.
3.	Live trees and other plants; bulbs, roots and the like, cut flowers and ornamental foliage.
4.	Fresh vegetables; whole uncut sun dried vegetables; Fresh and uncut/sun dried roots and tubers of Chapter 7.
5.	Fresh and uncut/sun dried edible fruits and nuts of Chapter 8.
6.	Fresh or sun dried plants and parts of such plants.
7.	Silk worm cocoons and raw silk.

**ANNEXURE-IV**

Sl. No.	Description of Good
1.	Capital Goods including plant and machinery for packaging, conveyor belts, and accessories, spares and consumables including lubricants therefor for spawning Hatchery, Aqua Farm, Processing Plant, Chilling unit (cold storage) and Feed plant.
2.	Material handling equipments, namely, fork-lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers and spares, consumables including lubricants therefor.
3.	Captive power plant including power generating set and quality assurance equipments as recommended by Development Commissioner, and accessories.
4.	Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dyes, Instruments and accessories.
5.	Cold room apparels.

6.	Chemicals for water treatment, Zeolite, Teaseed powder/cake, waste digestors, pesticides, fungicides, veterinary medicines including vaccines.
7.	Office equipments, spares and consumables, thereof.
8.	Feed for prawns/fish and other aquatic animals including Artemia (Brain Shrimp eggs) and other Hatchery feeds.
9.	Raw materials for feeds for aquatic animals, namely, meals of fish and other aquatic invertebrates like squid/prawns in liquid, powder or other forms, fish lipid oil, squid oil, veterinary grade premix of vitamins/ minerals not suitable for human consumption, sea weed powder, kalp Meal, Molasses, yeast, choline chloride, Antioxidants excluding Vitamins, Licithin, Di-calcium Phosphate and Calcium Lactate which are capable of use in other than veterinary application.
10.	Preservatives, pre-mix taste makers, battering materials, special cooking medium, bread crumbs/powder.
11.	Packaging materials, all sorts.
12.	High Speed Diesel oil for power generating sets as recommended by Board of Approvals.

## ANNEXURE-V

Sl. No.	Description of Good
1.	Hydraulic Excavators
2.	Pneumatic Compressors
3.	Jack Hammers
4.	Hydraulic Drilling Machines
5.	Line Drillers
6.	Front End Loaders
7.	Pneumatic Grinders
8.	Diamond Wire Saws
9.	Dressing Machine
10.	Core Drilling Machine
11.	Jet Burners
12.	Cranes
13.	Derricks
14.	Tippers and Dumpers
15.	Welding Machine
16.	Generating sets
17.	Steel Chains and Steel Ropes
18.	D-Shackles

19.	Diamond Wires
20.	Diamond Segments
21.	Tungsten Carbon Drill Rods
22.	Steel Feathers & Wedges
23.	Burner Nozzle
24.	Welding rods
25.	Hydraulic Oil and Lubricants
26.	Explosives
27.	Chisels, Hammers, Chain Pulley Blocks
28.	Steel Pillow Kits
29.	Dust Collector
30.	Consumables and Tools

## ANNEXURE – VI

### Form CT- 3

No. \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

### FORM CT- 3

#### Certificate for removal of excisable goods under bond

This is to certify that :

Mr./Messrs .....(Name and address) is/are bona fide licensee holding licence No.....valid upto.....

That he/they has/have executed a bond in Form B-17 (General Surety/General Security) No.....date.....for Rs..... With the Proper officer of Central Excise or Customs or Deputy Commissioner of Central Excise or Customs .....and as such may be permitted to remove..... (quantity) of .....(excisable goods) from the unit at .....to their undertaking .....at.....

That the specimen signatures of his/ their authorised agent, namely, Shri.....are furnished here below duly attested.

Specimen Signatures

Of the owner or his  
Authorised agent

Sd/-  
Attested

Central Excise Officer in charge  
of the export oriented undertaking  
/ Electronic Hardware Technology

Park (EHTP) unit/ Software.  
Technology Park (STP) unit.

[F. No. 305/45/2003-FTT]

D.S. GARBYAL, Under Secy.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 23/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ]

सा.का.नि. 266(अ).—/केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम कहा गया है), की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, नीचे सारणी के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) (जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम कहा गया है) की पहली अनुसूची के अध्याय, शीर्षक संख्या या उप-शीर्षक संख्या के अंतर्गत आने वाले, उक्त सारणी के स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट, किसी निर्यातोन्मुख उपक्रम या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (ई.एच.टी.पी.) यूनिट या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एस.टी.पी.) यूनिट में उत्पादित या विनिर्मित और निर्यात और आयात नीति के उपबंधों के अनुसार और इस अधिसूचना के उपाबंध में विनिर्दिष्ट सुसंगत शर्तों के अधीन रहते हुए भारत में किसी अन्य स्थान से लाए गए और उक्त सारणी के स्तंभ (5) की तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट उत्पाद शुल्क माल को केन्द्रिय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद शुल्क से, जो उक्त सारणी के स्तंभ 4 की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, छूट देती है।

क्र.सं.	अध्याय या शीर्ष सं० या उपशीर्ष सं०	माल का वर्णन	शुल्क की रकम	शर्तें
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	कोई अध्याय	सभी माल	उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क, जो उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 3 की उपधारा (1) के परन्तुक के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3क के अधीन ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय विशेष अतिरिक्त सीमा शुल्क के समतुल्य है।	1
2.	कोई अध्याय	सभी माल	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के पचास प्रतिशत के समतुल्य रकम से अधिक : परन्तु उक्त माल के संबंध में इस अधिसूचना के अनुसार संदेय शुल्क	

		<p>निर्यातोनमुख उपक्रम, इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट के बाहर उत्पादित या विनिर्मित वैसे ही माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क से कम नहीं होगा जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 5क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई किसी अन्य संगत अधिसूचना के साथ पठित उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।</p> <p>परन्तु यह और कि प्रथम परन्तुक में अंतर्विष्ट कोई बात उस माल को लागू नहीं होगी जो सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 25 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य सूचना के साथ पठित उक्त सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 12 के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क की “कुछ नहीं” दर पर प्रभाय है।</p> <p>दृष्टांत : यह अवधारणा करें कि सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अधीन उत्पाद भ का मूल्य 100 रूपए है और उस पर मूल्यानुसार 25 प्रतिशत आधारिक सीमा शुल्क, मूल्यानुसार 16 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और मूल्यानुसार 4 प्रतिशत विशेष अतिरिक्त शुल्क प्रभाय है। संदत्त किये जाने के लिए अपेक्षित शुल्क की संगणना निम्नवत् की जाएगी :</p> <p>आधारिक सीमा शुल्क = 25/- रूपए  अतिरिक्त शुल्क की गणना के प्रयोजन के लिए मूल्य = 100/- + 25/- रूपए = 125/- रूपए  अतिरिक्त शुल्क = 125/- रूपए  का 16 % = 20/- रूपए  विशेष अतिरिक्त शुल्क, यदि उद्ग्रहणीय है के प्रयोजन के लिए मूल्य = 100/- + 25/- रूपए + 20/- रूपए = 145/- रूपए  विशेष अतिरिक्त शुल्क, यदि उद्ग्रहणीय है = 145/- रूपए का 4% = 5.8 रूपए  कुल संदेय शुल्क किन्तु जो इस छूट के कारण देय नहीं होगा = 25/- रूपए + 20/- + 5.80 रूपए = 50.80 रूपए  सीमा शुल्कों के कुल योग का 50% = 50.80 रूपए का 50 % = 25.40 रूपए</p>	
--	--	--	--

			इस अधिसूचना के अनुसार संदत्त किए जाने के लिए अपेक्षित शुल्क 25.40 रूपए है परन्तु यह तब जब कि यह शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम आदि के बाहर उत्पादित या विनिर्मित वैसे ही माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क से कम नहीं है।	
3.	कोई अध्याय	इस सारणी के क्रम सं० 5, 6 और 7 में निर्दिष्ट माल से भिन्न सभी माल	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 3 या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन निर्यातोन्मुख उपक्रम से भिन्न भारत में उत्पादित या विनिर्मित वैसे ही माल पर, यदि भारत में विक्रय किया जाता है तो उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के कुल योग के तुल्य रकम से अधिक।	3
4.	कोई अध्याय	इस सारणी के क्रम सं० 5, 6 और 7 में निर्दिष्ट माल से भिन्न, भारत में उत्पादित या विनिर्मित कच्ची सामग्री से पूर्णतः उत्पादित या विनिर्मित सभी माल	<p>केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 3 के अधीन संदेय शुल्क के 30 प्रतिशत के तुल्य रकम से अधिक।</p> <p>दृष्टांत : यह अवधारणा करें कि सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अधीन उत्पाद का मूल्य 100 रूपए है और उस पर मूल्यानुसार 25 प्रतिशत आधारिक सीमा शुल्क, मूल्यानुसार 4 प्रतिशत विशेष अतिरिक्त शुल्क प्रभार्य है और अतिरिक्त शुल्क प्रभार्य नहीं है। संदत्त किये जाने के लिए अपेक्षित शुल्क की संगणना निम्नवत् की जाएगी :</p> <p>आधारिक सीमा शुल्क = 25/- रूपए</p> <p>विशेष अतिरिक्त शुल्क, यदि उद्ग्रहणीय है, के प्रयोजन के लिए मूल्य = 100/- रूपए + 25/- रूपए = 125/- रूपए</p> <p>विशेष अतिरिक्त शुल्क, यदि उद्ग्रहणीय है = 125/- रूपए का 4 % = 5.0/- रूपए</p> <p>कुल संदेय शुल्क किन्तु जो इस छूट के कारण देय नहीं होगा = 25/- रूपए + 5/- = 30/- रूपए</p> <p>सीमा शुल्कों के कुल योग का 30% = 30/- रूपए का 30 % = 9/- रूपए</p> <p>इस अधिसूचना के अनुसार संदत्त किये जाने के लिए अपेक्षित शुल्क = 9/- रूपए</p>	4
5.	52	सूती फैब्रिक (जिसमें कोई अन्य टेक्स्टाइल सामग्री अंतर्विष्ट	कुल शुल्क के 50 प्रतिशत के तुल्य रकम से अधिक, जो तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा घटाया नहीं गया है ; परन्तु माल पर उद्ग्रहणीय कुल शुल्क का	5

		नहीं है), जो किसी अन्य प्रक्रिया के अधीन नहीं किया गया है।	पचास प्रतिशत, उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के बीच 2 : 1 के अनुपात में प्रभाजित किया जाएगा। स्पष्टीकरण :- शंकाओं के निवारण के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि माल का मूल्य केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 4 के निबंधनों के अनुसार अवधारित किया जाएगा।	
6.	52, 54 या 55	निम्नलिखित के फैब्रिक - (i) सूती (जिसमें कोई अन्य टेक्सटाइल सामग्री अंतर्विष्ट है), (ii) मानव निर्मित फाइबर- जो किसी अन्य प्रक्रिया के अधीन नहीं किया गया है।	कुल शुल्क के 50 प्रतिशत के तुल्य रकम से अधिक, जो किसी अन्य अधिसूचना द्वारा घटाया नहीं गया है ; परन्तु माल पर उद्ग्रहणीय कुल शुल्क का पचास प्रतिशत, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1985 का 6) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के बीच 2 : 1 के अनुपात में प्रभाजित किया जाएगा। स्पष्टीकरण :- शंकाओं के निवारण के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि माल का मूल्य केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 4 के निबंधनों के अनुसार अवधारित किया जाएगा।	5
7.	60	(i) सूती बुने या क्रोशियाकृत फैब्रिक, चाहे प्रसंस्कृत किए गए हों या नहीं ; (ii) मानव निर्मित फाइबर के बुने या क्रोशियाकृत फैब्रिक, जो किसी अन्य प्रक्रिया के अधीन नहीं किये गये हैं।	कुल शुल्क के पचास प्रतिशत के तुल्य रकम से अधिक, जो किसी अन्य अधिसूचना द्वारा घटाया नहीं गया है ; परन्तु माल पर उद्ग्रहणीय कुल शुल्क का पचास प्रतिशत, उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के बीच 2 : 1 के अनुपात में प्रभाजित किया जाएगा। स्पष्टीकरण :- शंकाओं के निवारण के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि माल का मूल्य उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 4 के निबंधनों के अनुसार अवधारित किया जाएगा।	5

8.	71	सादे स्वर्ण आभूषण	250/- रुपए प्रति दस ग्राम से अधिक	6
9.	71	जड़े हुए स्वर्ण आभूषण	मूल्यानुसार 5 प्रतिशत से अधिक	6
10.	71	सादे चांदी के आभूषण	500/- रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक	6
11.	कोई अध्याय	तैयार वस्त्रों के विनिर्माण के क्रम में उद्भूत टुकड़े, कतरन और दर्जी की कर्तन	“कुछ नहीं” से अधिक	7
12.	05.01	मछली या कृष्णासीन, मोलस्कस या अन्य जलीय अकाशेरुकी का अपशिष्ट	“कुछ नहीं” से अधिक	
13.	23.01	खली	“कुछ नहीं” से अधिक	8
14.	23.02	गुआर अवचूर्ण	“कुछ नहीं” से अधिक	9
15.	52.02	सूती अपशिष्ट (जिसके अंतर्गत सूत अपशिष्ट और गारनेटित स्टाक है)	“कुछ नहीं” से अधिक	
16.	53.07, 53.10, 5702.12, 5703.20, 58.01, 58.02, 58.06 या 6305.10	जूट का सूत और जूट का माल	“कुछ नहीं” से अधिक	10
17.	कोई अध्याय	अस्थि अवचूर्ण	“कुछ नहीं” से अधिक	10
18.	कोई अध्याय	धान की भूसी और शार्क, गेहूं का अवशिष्ट, दालों का अवशिष्ट और किसी अन्य आनाज का अवशिष्ट	“कुछ नहीं” से अधिक	10
19.	अध्याय 9	चाय अपशिष्ट और काफी अपशिष्ट	“कुछ नहीं” से अधिक	10
20.	कोई अध्याय	एरंड का अपशिष्ट, एरंड	“कुछ नहीं” से अधिक	10

		तेल व्युत्पन्नों का अपशिष्ट, तिल का अपशिष्ट और किसी अन्य तेल बीज का अपशिष्ट		
21.	कोई अध्याय	खाद्य उद्योगों से अपशिष्ट	“कुछ नहीं” से अधिक	10
22.	कोई अध्याय	सभी माल	“कुछ नहीं” से अधिक जब किसी ऐसे व्यक्ति को निकासी की जाए जो प्रक्रिया हैडबुक खंड 1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.1 के निबंधनों के अनुसार अग्रिम अनुज्ञप्ति पर अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए अग्रिम निर्माण आदेश का या प्रक्रिया हैडबुक खंड 1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.9 के निबंधनों के अनुसार किसी बैंक द्वारा जारी किए गए पश्च-पश्च अंतर्देशीय प्रत्यय पत्र का धारक हो ।	11
23.	कोई अध्याय	सभी माल	वैसे ही माल पर, यदि आयात किया जाए, तो सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त सीमा शुल्क के तुल्य रकम से अधिक जब किसी ऐसे व्यक्ति को निकासी की जाए जो प्रक्रिया हैडबुक खंड 1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.2 के निबंधनों के अनुसार शुल्क मुक्त पुनः पूर्ति प्रमाण-पत्र पर अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए अग्रिम निर्माण आदेश का या प्रक्रिया हैडबुक खंड 1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.9 के निबंधनों के अनुसार किसी बैंक द्वारा जारी किए गए पश्च-पश्च अंतर्देशीय प्रत्यय पत्र का धारक हो ।	11

## उपाबंध

क्र.सं.	शर्तें
1.	यदि घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी किया जा रहा माल, राज्य सरकार द्वारा, विक्रय कर के संदाय में छूट प्राप्त नहीं है।
2.	<p>यदि -</p> <p>(i) माल की निकासी घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.8 के उपपैरा (क), (ख), (घ) और (ज) के अनुसार की जाती है ;</p> <p>(ii) छूट का तब तक उपभोग नहीं किया जाएगा जब तक कि यथास्थिति, सीमा शुल्क उपायुक्त या सीमा शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त का उक्त माल, जिसके अंतर्गत साफ्टवेयर, अस्वीकृत माल, स्क्रेप अपशिष्ट या अवशेष भी हैं, से यह समाधान नहीं हो जाता है कि ;</p> <p>(क) घरेलू उपभोग के लिए निकासी किया जा रहा उक्त माल स्क्रेप, अपशिष्ट या अवशेषों से भिन्न उस माल के सदृश्य हैं, जिसे निर्यात और आयात नीति के निबंधनों के अनुसार ऐसी निकासियों की विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान यूनिटों से निर्यात किया जाता है या निर्यात किए जाने की प्रत्याशा की जाती है ;</p> <p>(ख) यूनिट से घरेलू टैरिफ क्षेत्र के लिए निर्यात और आयात नीति के पैरा - के उपपैरा (क), (ख), (घ) और (ज) के अधीन निकासी किए जा रहे ऐसे माल का कुल मूल्य, उक्त यूनिट द्वारा वर्ष (1 अप्रैल से आरंभ होने वाले और अगले वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाले) के दौरान किए गए निर्यातों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं है।</p> <p>(ग) ऐसे माल के उत्पादन का अतिशेष जो घरेलू टैरिफ क्षेत्र के लिए निकासी के अधीन ऐसे माल के सदृश्य है निर्यात और आयात नीति के पैरा 9.10 के निबंधनों के अनुसार भारत से बाहर निर्यात किया जाता है या घरेलू टैरिफ क्षेत्र में व्ययनित किया जाता है।</p> <p>(ii) निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.8 के उपपैरा (क), (ख), (घ) और (ज) के अधीन घरेलू टैरिफ क्षेत्र में माल की निकासी को केवल तब अनुज्ञात किया जाएगा जब यूनिट ने सकारात्मक शुद्ध विदेशी विनिमय उपार्जन प्राप्त कर लिया है ; और</p> <p>(iii) निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.8 के उपपैरा (क) के अधीन घरेलू टैरिफ क्षेत्र में उक्त यूनिट द्वारा वर्ष (1 अप्रैल से आरंभ होने वाले और अगले वर्ष 31 मार्च को समाप्त होने वाले) के दौरान किए गए निर्यातों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 5 प्रतिशत से अधिक को माल की निकासी केवल तब अनुज्ञात किया जाएगा जब यूनिट ने सकारात्मक शुद्ध विदेशी विनिमय उपार्जन प्राप्त कर लिया है।</p>
3.	<p>यदि -</p> <p>(i) यदि माल भारत में उत्पादित या विनिर्मित कच्ची सामग्री से को पूर्णतः उत्पादित या विनिर्मित किया जाता है ;</p> <p>(ii) माल की, निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.8 के उपपैरा (क), (ख), (घ) और (ज) के अनुसार घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी की जाती है ; और</p> <p>(iii) ऐसा तैयार माल, यदि निर्यातोन्मुख उपक्रम से भिन्न यूनिट द्वारा विनिर्मित और निकासी किया गया है तो उत्पाद शुल्क से पूर्णतः छूट प्राप्त नहीं है या शुल्क की "कुछ नहीं" दर से प्रभाव्य नहीं है।</p>

4.	यदि - (i) माल पूर्णतः भारत में उत्पादित या विनिर्मित कच्ची सामग्री से, उत्पादित या विनिर्मित किया जाता है ; (ii) ऐसे तैयार माल की, निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.8 के उपपैरा (क), (ख), (घ) और (ज) के अनुसार घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी की जाती है ; और (iii) माल, यदि निर्यातोन्मुख उपक्रम से भिन्न यूनिट द्वारा विनिर्मित और निकासी किया गया है तो उत्पाद शुल्क से पूर्णतः छूट प्राप्त है या शुल्क की "कुछ नहीं" दर से प्रभावित है ।
5.	यदि माल की, निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.8 के उपपैरा (क), (ख), (घ) और (ज) के अनुसार घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी की जाती है ।
6.	यदि माल की, निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.8 (ग) के अनुसार घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी की जाती है
7.	यदि चिथड़े, कतरन और दर्जी कर्तन के रूप में अपशिष्ट सामग्री का प्रतिशत यथास्थिति निर्यातोन्मुख उपक्रम के अनुमोदन बोर्ड द्वारा या विकास आयुक्त द्वारा इस संबंध में नियत किए गए प्रतिशत से अधिक नहीं होता है ।
8.	यदि माल देशी संयंत्र और मशीनरी पर देशी एरंड से विनिर्मित किया जाता है ।
9.	यदि माल पूर्णतः देशी ग्वार बीजों से विनिर्मित किया जाता है ।
10.	यदि माल पूर्णतः देशी कच्ची सामग्री से विनिर्मित किया जाता है ।
11.	यदि, - (i) अग्रिम अनुज्ञप्तिधारक/शुल्क मुक्त पुनः पूर्ति प्रमाणपत्र धारक, उक्त अग्रिम निर्माण आदेश उसमें यथास्थिति इस अधिसूचना के अनुसार निकासी किए जाने के लिए अनुज्ञात उक्त प्रत्येक माल की मात्रा, वर्णन (जिसके अंतर्गत तकनीकी विनिर्देश भी हैं) और मूल्य विनिर्दिष्ट करते हुए उक्त अग्रिम निर्माण आदेश या पश्च-पश्च अंतर्देशीय प्रत्यय पत्र की अपनी प्रति उक्त देशी प्रदायकर्ता का नाम और पता विनिर्दिष्ट करते हुए मूल रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सीमा शुल्क के उचित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करता है ; और (ii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सीमा शुल्क के उचित अधिकारी द्वारा प्रत्येक मद की मात्रा और मूल्य, उक्त माल की निकासी की अनुज्ञा दी जाने के पूर्व, यथास्थिति उक्त अग्रिम निर्माण आदेश या पश्च-पश्च अंतर्देशीय प्रत्यय पत्र में नामे डाले जाते हैं ।

2. भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या 103/93 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 27 दिसंबर, 1993 (सा.का.नि. 783(अ) तारीख 27 दिसंबर, 1993), संख्या 2/95 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 4 जनवरी, 1995 (सा.का.नि. 9(अ) तारीख 4 जनवरी, 1995), संख्या 6/97 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 1 मार्च, 1997 (सा.का.नि. 112(अ) तारीख 1 मार्च, 1997), संख्या 8/97 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 1 मार्च, 1997 (सा.का.नि. 114(अ) तारीख 1 मार्च, 1997), संख्या 20/97 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 11 अप्रैल, 1997 (सा.का.नि. 219(अ) तारीख 11 अप्रैल, 1997), संख्या 13/98 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 2 जून, 1998 (सा.का.नि. 308(अ) तारीख 2 जून, 1998), संख्या 28/2001 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 16 मई, 2001 (सा.का.नि. 359(अ) तारीख 16 मई, 2001) और संख्या 20/2002 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 1 मार्च, 2002 (सा.का.नि. 141(अ) तारीख 1 मार्च, 2002) इसके द्वारा विखंडित की जाती हैं ।

3. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।  
स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, -

(i) "कुल शुल्क" से, -

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क ; और
- (ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्क,
- का योग अभिप्रेत है ।

(ii) “निर्यात और आयात नीति” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा यथासंशोधित अधिसूचना संख्या 1/2002-2007 तारीख 31 मार्च, 2003 में प्रकाशित निर्यात और आयात नीति, 2002-2007 अभिप्रेत है ।

(iii) “निर्यातोन्मुख उपक्रम” का वही अर्थ है, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा 1 के स्पष्टीकरण के खंड (ii) में “शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम” का है ;

(iv) “इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5 (आर.ई - 95) 92-97 तारीख 30 अप्रैल, 1995 द्वारा प्रकाशित और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 117 (अ) तारीख 22 फरवरी, 1993 द्वारा नियुक्त अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क स्कीम के अधीन और उसके अनुसार स्थापित यूनिट अभिप्रेत है ।

(v) “प्रक्रिया हैंडबुक खंड 1” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित लोक सूचना संख्या 1/2002-2007 द्वारा प्रकाशित प्रक्रिया हैंडबुक खंड 1, 2002-2007 अभिप्रेत है ।

(vi) “साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4 (आर.ई - 95) 92-95 तारीख 30 अप्रैल, 1995 द्वारा प्रकाशित और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 117 (अ) तारीख 22 फरवरी, 1993 द्वारा नियुक्त अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क स्कीम के अधीन और उसके अनुसार स्थापित यूनिट अभिप्रेत है ।

(vii) “घरेलू टैरिफ क्षेत्र” से विशेष आर्थिक जोन और निर्यातोन्मुख उपक्रम, साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिटों और इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिटों को छोड़कर भारत अभिप्रेत है ।

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 3 Ist March, 2003

[No. 23/2003-Central Excise]

<sup>266</sup>  
G.S.R. 266(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) ( hereinafter referred to as the Central Excise Act), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below, and falling within the Chapter, heading No. or sub-heading No. of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (hereinafter referred to as the Central Excise Tariff Act), specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, produced or manufactured in an export oriented undertaking or an Electronic Hardware Technology Park (EHTP) Unit or a Software Technology Park ( STP) Unit and brought to any other place in India in accordance with the provisions of Export and Import Policy and subject to the relevant conditions specified in the Annexure to this notification, and referred to in the corresponding entry in column (5) of the said Table, from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excise Act as specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

TABLE

Sr. No. (1)	Chapter or heading No. or sub-heading No. (2)	Description of Goods (3)	Amount of Duty (4)	Conditions (5)
1.	Any Chapter	All goods	Duty of excise leviable thereon as is equivalent to the special additional duty of customs leviable on such goods under section 3 A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) read with proviso to sub-section (1) of section 3 of the said Central Excise Act, 1944.	1
2.	Any Chapter	All goods	<p>In excess of the amount equal to fifty per cent. of the duty leviable under section 3 of the Central Excise Act:</p> <p>Provided that the duty payable in accordance with this notification in respect of the said goods shall not be less than the duty of excise leviable on the like goods produced or manufactured outside the export oriented undertaking, Electronic Hardware Technology Park unit or Software Technology Park unit, which is specified in the said Schedule read with the any other relevant notification issued under sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act:</p> <p>Provided further that nothing contained in the first proviso shall apply to the goods which are chargeable to "Nil" rate of duty leviable under section 12 of the Customs Act, 1962 read with any other notification for the time being in force issued under sub-section (1) of section 25 of the</p>	2

			<p>said Customs Act.</p> <p>Illustration.- Assuming product X has the value Rs. 100 under section 14 of the Customs Act, 1962 and is chargeable to basic custom duty of 25% ad valorem, additional duty of 16% ad valorem and special additional duty of 4% ad valorem. The computation of duty required to be paid would be as follows:</p> <p>Basic Customs duty = Rs. 25/-</p> <p>Value for the purpose of calculation of additional duty= Rs. 100/- + Rs. 25/- = Rs. 125/-</p> <p>Additional duty= 16% of Rs.125/= Rs. 20/-</p> <p>Value for the purpose of special additional duty if leviable = Rs. 100/- + Rs. 25/- + Rs. 20/- = Rs. 145/-</p> <p>special additional duty if leviable= 4% of Rs. 145/-= Rs. 5.8/-</p> <p>Total duty payable but for this exemption= Rs. 25/-+ Rs. 20/- + Rs. 5.80/= Rs. 50.80/-</p> <p>50% of aggregates of the duties of customs= 50% of Rs.50.80/= 25.40/-</p> <p>Duty required to be paid in accordance with this notification is Rs. 25.40/- provided it is not less than the duty of excise leviable on like goods produced or manufactured outside the oriented undertaking, etc.</p>	3
3.	Any Chapter	All goods other than those referred to in Sr. Nos. 5, 6 and 7 of	In excess of amount equal to aggregate of duties of excise leviable under Section 3 of the Central Excise Act or under any other law for the time being in force on like goods	

		this Table.	produced or manufactured in India other than in an export oriented undertaking, if sold in India.	
4.	Any Chapter	All goods produced or manufactured wholly from the raw materials produced or manufactured in India, other than those referred to in Sr. Nos. 5, 6 and 7 of this table.	<p>in excess of amount equal to 30% of the duty payable under section 3 of the Central Excise Act, 1944.</p> <p>Illustration.- Assuming product X has the value Rs. 100 under section 14 of the Customs Act, 1962 and is chargeable to basic custom duty of 25% ad valorem, special additional duty of 4% ad valorem and not chargeable to additional duty. The computation of duty required to be paid would be as follows:</p> <p>Basic Customs duty = Rs. 25/-</p> <p>Value for the purpose of special additional duty if leviable = Rs. 100/- + Rs. 25/- = Rs. 125/-</p> <p>special additional duty if leviable = 4% of Rs. 125/- = Rs. 5.00/-</p> <p>Total duty payable but for this exemption = Rs. 25/- + Rs. 5.00/- = Rs. 30.00/-</p> <p>Thirty per cent. of the aggregates of the duties of customs = 30% of Rs. 30.00/- = 9.00/-</p> <p>Duty required to be paid in accordance with this notification = Rs. 9.00/-</p>	4
5.	52	Cotton fabric (not containing any other textile material), not subjected to any process,	<p>In excess of amount equal to fifty per cent. of the aggregate duty, not reduced by any other notification for the time being in force.</p> <p>Provided that the fifty per cent. of the aggregate duty leviable on the goods shall be apportioned in the ratio 2:1</p>	5

			<p>between the duty leviable under the said Central Excise Tariff Act and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 ( 58 of 1957).</p> <p><i>Explanation.</i>— For removal of doubt, it is clarified that the value of the goods shall be determined in terms of the section 4 of the Central Excise Act.</p>	5	
6.	52, 54 or 55	<p>Fabrics of— (i) cotton (containing any other textile material), (ii) man-made fibres, - not subjected to any process</p>	<p>In excess of amount equal to fifty per cent. of the aggregate duty, not reduced by any other notification: Provided that the fifty per cent. of the aggregate duty leviable on the goods shall be apportioned in the ratio 2:1 between the duty leviable under the Central Excise Tariff Act, 1985 ( 5 of 1986) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 ( 58 of 1957).</p> <p><i>Explanation.</i>— For removal of doubts, it is clarified that the value of the goods shall be determined in terms of the section 4 of the Central Excise Act.</p>	5	
7.	60	<p>(i) Knitted or crocheted fabrics of cotton, whether or not processed; (ii) Knitted or crocheted fabrics of man-made fibres, not subjected to any process,</p>	<p>In excess of amount equal to fifty per cent. of the aggregate duty, not reduced by any other notification: Provided that the fifty per cent. of the aggregate duty leviable on the goods shall be apportioned in the ratio 2:1 between the duty leviable under the said Central Excise Tariff Act and the said Additional Duties of Excise ( Goods of Special Importance) Act.</p> <p><i>Explanation.</i>— For removal of doubts, it is clarified that the value of the goods shall be determined in terms of the section 4 of the Central Excise Act.</p>	5	

8.	71	Plain Gold Jewellery	In excess of Rs. 250 per 10Gms.	6
9.	71	Studded Gold Jewellery	In excess of 5% ad valorem.	6
10.	71	Plain Silver Jewellery	In excess of Rs. 500 per Kg.	6
11.	Any Chapter	Rags, trimmings and tailor cuttings arising in the course of manufacture of ready made garments	In excess of "Nil".	7
12.	05.01	Waste of fish or crustaceans, mollusks or other aquatic invertebrates	In excess of "Nil".	
13.	23.01	Castor oil cakes,	In excess of "Nil".	8.
14.	23.02	Guar meal	In excess of "Nil".	9
15.	52.02	Cotton waste (including yarn waste and garmeted stock)	In excess of "Nil".	-
16.	53.07, 53.10, 5702.12, 5703.20, 58.01, 58.02, 58.06 or 6305.10	Yarn of jute and goods of jute.	In excess of "Nil".	10
17.	Any Chapter	Bone meal.	In excess of "Nil".	10
18.	Any Chapter	Rice husk and shark, residue of wheat, residue of pulses; and residue of any other cereal.	In excess of "Nil".	10

19	Chapter 9	Tea waste, and coffee waste.	In excess of "Nil".	10
20.	Any Chapter	Waste of Castor oil seed, waste of castor oil derivatives; waste of sesame seed; and waste of any other oil seed.	In excess of "Nil".	10
21.	Any Chapter	Waste from food industries.	In excess of "Nil".	10
22.	Any Chapter	All goods	In excess of "Nil" when cleared to a person holding an advance release order issued by the licensing authority against an Advance Licence in terms of paragraph 4.1.1 of the Export and Import Policy, read with relevant provisions of the Handbook of Procedures, Volume I, or a back to back inland letter of credit issued by a bank in terms of Paragraph 4.1.9 of the Export and Import Policy read with relevant provisions of the Handbook of Procedures, Volume -I.	11
23.	Any Chapter	All goods	In excess of amount equal to additional duty of customs leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) on similar goods if imported, when cleared to a person holding an advance release order issued by the licensing authority against a Duty Free Replenishment Certificate in terms of Paragraph 4.2 of the Export and Import Policy read with relevant provision of the Handbook of Procedures, Volume-I or a back to back inland letter of credit issued by a bank in terms of Paragraph 4.1.9 of the Export and Import Policy read with relevant provisions of the Handbook of Procedures, Volume-I.	11

## ANNEXURE

Sr. No.	Conditions
1.	If the goods being cleared into Domestic Tariff Area are not exempted by the State Government from payment of sales tax.
2.	<p>If,-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) the goods are cleared into Domestic Tariff Area in accordance with sub-paragraphs (a), (b), (d) and (h) of Paragraph 6.8 of the Export and Import Policy;</li> <li>(ii) exemption shall not be availed until Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Central Excise or Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, is satisfied with the said goods including Software, Rejects, Scrap, Waste or Remnants;</li> <li>(a) being cleared in Domestic Tariff Area, other than scrap, waste or remnants are similar to the goods which are exported or expected to be exported from the units during specified period of such clearances in terms of Export and Import Policy;</li> <li>(b) the total value of such goods being cleared under sub-paragraphs (a), (b) (d) and (h) of Paragraph of the Export and Import Policy, into Domestic Tariff Area from the unit does not exceed 50% of the Free on Board value of exports made during the year (starting from 1<sup>st</sup> April of the year and ending with 31<sup>st</sup> March of next year) by the said unit;</li> <li>(c) the balance of the production of the goods which are similar to such goods under clearance into Domestic Tariff Area, is exported out of India or disposed of in Domestic Tariff Area in terms of Paragraph 6.9 of the Export and Import Policy;</li> <li>(ii) clearance of goods into Domestic Tariff Area under sub-paragraphs (a), (b), (d) and (h) of Paragraph 6.8 of the Export and Import Policy shall be allowed only when the unit has achieved positive Net Foreign Exchange Earning ; and</li> <li>(iii) clearance of goods into Domestic Tariff Area under sub-paragraph (a) of Paragraph 6.8 of the Export and Import Policy in excess of 5% of free on board value of exports made by the said unit during the year (starting from 1<sup>st</sup> April of the year and</li> </ul>

	ending with 31 <sup>st</sup> March of the next year) shall be allowed only when the unit has achieved positive Net Foreign Exchange Earning.
3.	If,- (i) the goods are produced or manufactured wholly from the raw materials produced or manufactured in India; (ii) the goods are cleared into Domestic Tariff Area in accordance with sub-paragraphs (a), (b), (d) and (h) of Paragraph 6.8 of the Export and Import Policy; and (iii) such finished goods, if manufactured and cleared by the unit other than export oriented undertaking are not wholly exempt from duties of Excise or are not chargeable to "NIL" rate of duty.
4.	If,- (i) the goods are produced or manufactured wholly from the raw materials produced or manufactured in India; (ii) such finished goods are cleared into Domestic Tariff Area in accordance with sub-paragraphs (a), (b), (d) and (h) of Paragraph 6.8 of the Export and Import Policy; and (iii) the goods, if manufactured and cleared by the unit other than export oriented undertaking are wholly exempt from duties of Excise or are chargeable to "NIL" rate of duty.
5.	If the goods are cleared into Domestic Tariff Area in accordance with sub-paragraphs (a), (b), (d) and (h) of Paragraph 6.8 of the Export and Import Policy.
6.	If the goods are cleared into Domestic Tariff Area in accordance with Paragraph 6.8 (c) of the Export and Import Policy.
7.	If the percentage of waste material in the form of rags, trimmings and tailor cutting does not exceed the percentage fixed in this regard by the Board of Approvals for export oriented undertakings or as the case may be, by the Development Commissioner.
8.	If the goods are manufactured from indigenous castor oil seeds on indigenous plant and machinery.
9.	If the goods are manufactured wholly from indigenous guar seeds.
10.	If the goods are manufactured wholly from indigenous raw materials.

11.	<p>If,-</p> <p>(i) the Advance Licence holder/ Duty Free Replenishment Certificate holder produces the said advance release order specifying therein the quantity, description (including the technical specifications) and the value of each of the said goods permitted to be cleared in accordance with this notification or, as the case may be, his copy of back to back inland letter of credit specifying therein the name and address of the indigenous supplier in original before the proper officer of Central Excise or Customs; and</p> <p>(ii) the quantity and the value of each of the items are debited by the proper officer of Central Excise or Customs in the said advance release order or as the case may be, the back to back inland letter of credit, before allowing clearance of the said goods.</p>
-----	---

2. The notifications of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance, Department of Revenue vide Nos. 103/93-Central Excise, dated 27<sup>th</sup> December, 1993 (G.S.R. 783 (E), dated the 27<sup>th</sup> December, 1993, 2/95-Central Excise, dated the 4<sup>th</sup> January, 1995 (G.S.R. 9(E), dated the 4<sup>th</sup> January, 1995), 6/97-Central Excise, dated 1<sup>st</sup> March, 1997 (G.S.R. 112 (E), dated the 1<sup>st</sup> March, 1997), 8/97-Central Excise, dated the 1<sup>st</sup> March, 1997 (G.S.R. 114(E), dated the 1<sup>st</sup> March, 1997), 20/97-Central Excise, dated the 11<sup>th</sup> April, 1997 ( G.S.R. 219 (E), dated the 11<sup>th</sup> April, 1997), 13/98-Central Excise, dated the 2<sup>nd</sup> June, 1998 (G.S.R. 308 (E), dated the 2<sup>nd</sup> June, 1998), 28/2001-Central Excise, dated the 16<sup>th</sup> May, 2001 (G.S.R. 359 (E), dated the 16<sup>th</sup> May, 2001), and 20/2002-Central Excise, dated 1<sup>st</sup> March, 2002 (G.S.R. 141(E), dated the 1<sup>st</sup> March, 2002) are hereby rescinded.

3. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

*Explanation.-* For the purposes of this notification,-

- (i) “aggregates duty” means aggregate of,-

- (i) the duty of excise specified in the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986); and
  - (ii) the duty of excise specified in the First Schedule to the Additional Duties of Excise ( Goods of Special Importance) Act, 1957 ( 58 of 1957);
- (ii) “Export and Import Policy” means the Export and Import Policy, 2002 – 2007 published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industries vide notification No. 1(RE-2003) /2002-2007, dated the 31<sup>st</sup> March, 2003, as amended;
- (iii) “export oriented undertaking” has the same meaning as assigned to “hundred percent. export oriented undertaking” in clause (ii) to the *Explanation* of sub-section (1) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 ( 1 of 1944);
- (iv) “Electronic Hardware Technology Park unit ” means a unit established under and in accordance with the Electronic Hardware Technology Park (EHTP) Scheme published by the Government of India in the Ministry of Commerce vide notification No. 5(RE- 95) 92-97, dated 30<sup>th</sup> of April, 1995 and approved by an Inter Ministerial Standing Committee appointed by the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) vide notification No. S.O.117 (E), dated the 22<sup>nd</sup> February, 1993;
- (v) “Handbook of Procedures, Volume I” means the Handbook of Procedures, Volume-I, 2002-2007 published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide Public Notice No. 1( RE-2003) /2002-2007, dated the 31<sup>st</sup> March, 2003, as amended from time to time;
- (vi) “Software Technology Park unit” means a unit established under and in accordance with Software Technology Parks (STP) Scheme published by the Government of India in the Ministry of Commerce vide notification No. 4/(RE-95)/92-95, dated 30<sup>th</sup> April, 1995 and approved by an Inter Ministerial Standing Committee appointed by the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) vide notification No. S.O. 117(E) dated the 22<sup>nd</sup> February, 1993;

- (vii) “Domestic Tariff Area” means India except special economic zones and export oriented undertaking, Software Technology Park units and Electronic Hardware Technology Park units.

[F. No. 305/45/2003-FTT]  
D.S. GARBYAL, Under Secy.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 24/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ]

सा.का.नि. 267(अ).— केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, -

(क) शत-प्रतिशत निर्यातानुमुख उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित सभी उत्पाद-शुल्क्य माल को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्रदान करती है :

परन्तु उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के संबंध में इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट ऐसे माल को लागू नहीं होगी यदि ऐसा माल भारत में किसी अन्य स्थान पर लाया जाता है ;

(ख) अधिसूचना संख्यांक 125/84- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 26 मई, 1984 (सा.का.नि. 403(अ), तारीख 26 मई, 1984), 127/84 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 26 मई, 1984 (सा.का.नि. 405(अ), तारीख 26 मई, 1984), 55/91 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 जुलाई, 1991 (सा.का.नि. 389(अ), तारीख 25 जुलाई, 1991) को विखंडित करती है ।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]  
डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 24/2003-Central Excise]

267  
G.S.R. 267(E).—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 5A of Central Excise Act, 1944, (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby,-

- (a) exempts all excisable goods produced or manufactured in an export oriented undertaking from whole of duty of excise leviable thereon under section 3 of Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and additional duty of excise leviable thereon under section 3 of Additional Duty of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and additional duty of excise leviable thereon under the section 3 of Additional duty of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978);

Provided that the exemption contained in this notification in respect of duty of excise leviable under section 3 of said Central Excise Act shall not apply to such goods if brought to any other place in India;

- (b) rescinds the notification Nos. 125/84- Central Excise, dated the 26<sup>th</sup> May 1984 ( G.S.R. 403(E), dated the 26th May, 1984), 127/84 Central Excise dated the 26<sup>th</sup> May 1984 ( G.S.R. 405(E), dated the 26th May, 1984) and 55/91-Central Excise, dated the 25<sup>th</sup> July, 91 (G.S.R. 389 (E), dated the 25<sup>th</sup> July, 1991).

2. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

[F. No. 305/45/2003-FTT]

D.S. GARBYAL, Under Secy.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 25/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ]

सा.का.नि. 268(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को 1 अप्रैल, 2003 से ही विखंडित करती है, अर्थात् : -

- (i) सं0 14/83 - केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 फरवरी, 1983, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 67(अ) तारीख 11 फरवरी, 1983 द्वारा प्रकाशित की गई थी ;
- (ii) सं0 15/83 - केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 फरवरी, 1983, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 68(अ), तारीख 11 फरवरी, 1983 द्वारा प्रकाशित की गई थी ;
- (iii) सं0 16/83 - केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 फरवरी, 1983, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 69(अ), तारीख 11 फरवरी, 1983 द्वारा प्रकाशित की गई थी ;
- (iv) सं0 22/83 - केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 फरवरी, 1983, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 75(अ), तारीख 11 फरवरी, 1983 द्वारा प्रकाशित की गई थी ;
- (v) सं0 93/83 - केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1983, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 177(अ), तारीख 1 मार्च, 1983 द्वारा प्रकाशित की गई थी ; और
- (vi) सं0 126/94 - केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 2 सितम्बर, 1994, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 667(अ), तारीख 2 सितम्बर, 1994 द्वारा प्रकाशित की गई थी ;

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 25/2003-Central Excise]

G.S.R. 268(E).— In exercise of powers conferred by sub-sections (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise ( Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise ( Textiles and Textile Articles) Act, 1978 ( 40 of 1978), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the following notification of

the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue) on and from 1<sup>st</sup> April, 2003, namely :-

- (i) No. 1/83-Central Excise, dated the 11<sup>th</sup> February, 1983 published in the Gazette of India vide number G.S.R.67 (E), dated the 11<sup>th</sup> February, 1983;
- (ii) No. 15/83-Central Excise, dated the 11<sup>th</sup> February, 1983 published in the Gazette of India vide number G.S.R. 68(E), dated the 11<sup>th</sup> February, 1983;
- (iii) No. 16/83-Central Excise, dated the 11<sup>th</sup> February, 1983 published in the Gazette of India vide G.S.R. 69(E), dated the 11<sup>th</sup> February, 1983;
- (iv) No. 22/83-Central Excise, dated the 11<sup>th</sup> February, 1983 published in the Gazette of India vide G.S.R. 75(E), dated the 11<sup>th</sup> February, 1983;
- (v) No. 93/83-Central Excise, dated the 1<sup>st</sup> March, 1983 published in the Gazette of India vide G.S.R. 177(E), dated the 1<sup>st</sup> March, 1983; and
- (vi) No. 126/94-Central Excise, dated the 2<sup>nd</sup> September, 1994 published in the Gazette of India vide G.S.R. 667(E), dated the 2<sup>nd</sup> September, 1994.

[F. No. 305/45/2003-FTT]

D.S. GARBYAL, Under Secy.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 26/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ]

सा.का.नि. 269(अ).—केन्द्रीय सरकार, उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची में विनिर्दिष्ट सभी माल को जो विशेष आर्थिक जोन में किसी यूनिट द्वारा उत्पादित या विनिर्मित किया जाता है और भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है, उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जो उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के परन्तुक के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3क के अधीन ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय विशेष अतिरिक्त सीमाशुल्क के समतुल्य है, छूट प्रदान करती है ;

परन्तु इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट कोई बात वहां लागू नहीं होगी जहां ऐसा माल विक्रय कर के संदाय से राज्य सरकार द्वारा छूट प्राप्त है ।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।

स्पष्टीकरण :- इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, “विशेष आर्थिक जोन” का वही अर्थ होगा जो उसका केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (iii) में है ।

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 26/2003-Central Excise]

G.S.R. 269(E).— In exercise of power conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all goods specified in the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), produced or manufactured by a unit in special economic zone and allowed to be sold in India, from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the special additional duty of customs leviable on such goods under section 3 A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) read with proviso to sub-section (1) of section 3 of the said Central Excise Act:

Provided that nothing contained in this notification shall apply where such goods are exempted by the State Government from the payment of sales tax.

2. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

*Explanation.* - For the purposes of this notification, “special economic zone” has the same meaning as assigned to it in clause (iii) to the *Explanation* 2 of sub-section (1) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944).

[F. No. 305/45/2003-FTT]

D.S. GARBYAL, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 27/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ]

सा.का.नि. 270(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची में शीर्ष संख्या 23.01 के अन्तर्गत आने वाली खली को, जब उसे विशेष आर्थिक जोन में किसी ऐसी यूनिट द्वारा देशी संयंत्र और मशीनरी पर देसी खली से विनिर्मित किया गया हो, जो 1 नवंबर, 2000 से विशेष आर्थिक जोन में उक्त मुक्त व्यापार जोन के संपरिवर्तन से पूर्व किसी मुक्त व्यापार जोन में अस्तित्व में था और कृत्य कर रही थी तथा निर्यात और आयात नीति के उपबंधों के अनुसार भारत में किसी स्थान पर लाई गई थी, उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्रदान करती है।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,

(i) “निर्यात और आयात” नीति से निर्यात और आयात नीति, 2002 - 2007 अभिप्रेत है जो भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा अधिसूचना संख्या 1/2002-2007 तारीख 31 मार्च, 2003 में प्रकाशित की गई है ;

(ii) “मुक्त व्यापार जोन” और “विशेष आर्थिक जोन” के वही अर्थ होंगे जो उनके क्रमशः केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (i) और खंड (iii) में हैं।

[फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी]

डी.एस. गारंब्याल, अवर सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 27/2003-Central Excise]

G.S.R. 270(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts castor oil cake falling under heading No. 23.01 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), when manufactured from indigenous castor oil seeds on indigenous plant and machinery by a unit in special economic zone, which was in existence and functioning in a free trade zone before conversion of the said free trade zone into special economic zone with effect from the 1<sup>st</sup> day of November, 2000 and brought to any other place in India in accordance with the provisions of Export and Import Policy from whole of duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Central Excise Act.

2. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

*Explanation.*— For the purposes of this notification,

(i) “Export and Import Policy” means the Export and Import Policy, 2002-2007 published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 1 (RE-2003)/2002-2007, dated the 31<sup>st</sup> March, 2003;

(ii) “ free trade zone” and “special economic zone” have the same meaning as assigned to them respectively in clauses (i) and (iii) to *Explanation 2* of sub-section (1) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944).

[F. No. 305/45/2003-FTT]  
D.S. GARBYAL, Under Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 28/2003-उत्पाद शुल्क ]

सा.का.नि. 271(अ).—केंद्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 39/2002-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 12 अगस्त, 2002 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की शर्त (ii) में “मुख्य आयुक्त” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “आयुक्त” शब्द रखा जाएगा।

2003

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

टिप्पण : मूल अधिनियम अधिसूचना 39/2002 केंद्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 13 अगस्त, 2002 सा.का.नि. 561(अ) तारीख 13 अगस्त, 2002 द्वारा जारी की गई थी।

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 28/2003-Central Excise]

G.S.R. 271(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1994 (1 of 1994), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India, in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue) vide No.39/2002-Central Excise, dated the 13<sup>th</sup> August, 2002, namely,-

In of the said notification, in the condition (ii), for the words “Chief Commissioner”, wherever they occur, the word “Commissioner” shall be substituted.

2. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

[F. No. 305/45/2003-FTT]

D.S. GARBYAL, Under Secy.

Note: The principal notification No. 39/2002-Central Excise, dated the 13<sup>th</sup> August, 2002, was issued vide G.S.R. 561(E), dated the 13<sup>th</sup> August, 2002.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 50/2003-सीमा शुल्क ]

सा.का.नि. 272(अ).— केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना 82/2002-सीमा-शुल्क तारीख 13 अगस्त, 2002 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की शर्त (ii) में “मुख्य आयुक्त” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “आयुक्त” शब्द रखा जाएगा।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

टिप्पण : मूल अधिनियम अधिसूचना 82/2002 सीमा-शुल्क तारीख 13 अगस्त, 2002 सा.का.नि. 563(अ) तारीख 13 अगस्त, 2002 द्वारा जारी की गई थी।

## NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 50/2003-Customs]

G.S.R. 272(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue) vide No.82/2002-Customs, dated the 13<sup>th</sup> August, 2002, namely,-

In the said notification, in the condition (ii), for the words “ Chief Commissioner ”, wherever they occur, the word “Commissioner” shall be substituted.

2. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

[F. No. 305/45/2003-FTT]

D.S. GARBYAL, Under Secy.

Note: The principal notification No. 82/2002-Cus, dated the 13<sup>th</sup> August, 2002, was issued vide G.S.R. 563 (E), dated the 13<sup>th</sup> August, 2002,

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 51/2003-सीमा शुल्क ]

सा.का.नि. 273(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को 1 अप्रैल, 2003 से ही विखंडित करती है, अर्थात् :-

(i) सं0 133/94 सीमा शुल्क, तारीख 22 जून, 1994, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 526(अ) तारीख 22 जून, 1994 द्वारा प्रकाशित की गई थी ; और

(ii) सं0 177/94 - सीमा शुल्क, तारीख 21 अक्टूबर, 1994, जो भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 771(अ), तारीख 21 अक्टूबर, 1994 द्वारा प्रकाशित की गई थी ।

[ फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी ]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

[डा.एस. गरब्याल]

## NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 51/2003-Customs]

G.S.R. 273<sup>972</sup>(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue) on and from the 1<sup>st</sup> April, 2003, namely:—

- (i) No. 133/94-Customs, dated the 22<sup>nd</sup> June, 1994 published in the Gazette of India vide G.S.R. 526(E), dated the 22<sup>nd</sup> June 1994; and
- (ii) No. 177/94-Customs, dated the 21<sup>st</sup> October, 1994 published in the Gazette of India vide G.S.R. 771(E), dated the 21<sup>st</sup> October, 1994.

[F. No. 305/45/2003-FTT]

D.S. GARBYAL, Under Secy.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

[ सं. 52/2003-सीमा शुल्क ]

सा.का.नि. 274(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सीमाशुल्क अधिनियम कहा गया है) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, निम्नलिखित को छूट देती है,—

(क) इस अधिसूचना के उपाबंध 1 में यथा विनिर्दिष्ट सभी माल, जब उन्हें उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 57 या धारा 58 के अधीन यथास्थिति नियत या अनुज्ञप्त किसी सार्वजनिक भांडागार या प्राइवेट भांडागार से या भारत में हुई किसी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए आयात या उपाप्त किया जाए,—

- (i) भारत से बाहर उन उपक्रमों से भिन्न जो खंड (ख), (ग) और (ड) में निर्दिष्ट हैं, निर्यातोन्मुख उपक्रम (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् यूनिट कहा गया है) द्वारा माल या सेवाओं के निर्यात के लिए वस्तुओं के विनिर्माण और पैकेजिंग या उत्पादन या पैकेजिंग या फुटकर कार्य के संबंध में प्रयुक्त किए जाने के लिए; या

(ii) साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या निर्यातोन्मुख स्कीम के अधीन कोई साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क कम्प्लेक्स में कोई यूनिट (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् यूनिट कहा गया है) द्वारा साफ्टवेयर के विनिर्माण या विकास, डाटा एन्ट्री और संपरिवर्तन, डाटा संसाधन, डाटा विश्लेष और डाटा नियंत्रण प्रबंध या काल सेन्टर सेवाओं का निर्यात; या

(iii) निर्यातोन्मुख स्कीम के अधीन किसी इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (इएचटीपी) यूनिट द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क में किसी यूनिट (जिसे इसमें पश्चात् उक्त यूनिट कहा गया है) द्वारा निर्यात के लिए सनेकत रीति में इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर या इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के विनिर्माण या विकास; या

(क) इस अधिसूचना के उपाबंध 2 में यथाविनिर्दिष्ट सभी माल जब भारत से बाहर निर्यात के लिए कृषि या बागवानी या पशुपालन निर्यातोन्मुख यूनिट उपाबंध 3 में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के प्रयोजन के लिए किसी लोक भांडागार या निजी भांडागार जो, यथास्थिति, उक्त सीमाशुल्क की धारा 57 या धारा 58 के अधीन नियुक्त किए गए हैं या अनुज्ञप्ति प्राप्त हैं या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त एकक कहा गया है) द्वारा भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से जब आयात किया जाए या उपाप्त किया जाए; या

(ख) इस अधिसूचना के उपाबंध 4 में विनिर्दिष्ट सभी माल जब भारत में उनका जलकृषि फार्म की प्रचालनात्मक अपेक्षाओं के संबंध में जलकृषि फार्म में उपयोग के प्रयोजन के लिए आयात किया जाए उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 57 या 58 के अधीन यथास्थिति नियत या अनुज्ञप्त किसी सार्वजनिक भांडागार या प्राइवेट भांडागार से या भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से उपाप्त किया जाए और जलकृषि सेक्टर में निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त यूनिट कहा गया है) इस प्रकार उत्पादित जलकृषि उत्पादों का निर्यात ; या

(ग) इस अधिसूचना के उपाबंध 5 में विनिर्दिष्ट सभी माल उपाबंध 4 में यथाविनिर्दिष्ट, जब भारत से बाहर निर्यात के लिए ग्रेनाइट के उत्खनन और निर्यात के लिए ग्रेनाइट वस्तुओं के विनिर्माण उपयोग के प्रयोजन के लिए किसी लोक भांडागार या निजी भांडागार जो, यथास्थिति, उक्त सीमाशुल्क की धारा 57 या धारा 58 के अधीन नियत या अनुज्ञप्ति प्राप्त हैं या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त यूनिट कहा गया है) द्वारा भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से जब आयात किया जाए या उपाप्त किया जाए; या

(घ) इस अधिसूचना के उपाबंध 6 में विनिर्दिष्ट सभी माल, जब भारत से बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषण के विनिर्माण या उसके निर्यात के प्रयोजन के लिए किसी लोक भांडागार या निजी भांडागार जो, यथा उक्त सीमाशुल्क की धारा 57 या धारा 58 के अधीन नियुक्त किए गए हैं या अनुज्ञप्ति प्राप्त हैं या विशेष निर्यातोन्मुख कंप्लेक्स झंडेवालान में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त यूनिट कहा गया है) शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से जब आयात किया जाए या उपाप्त किया जाए, या

सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उनपर उदग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क और उत्पाद शुल्क से यदि कोई हो, जो उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उदग्रहणीय है, से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:-

(1) आयातकर्ता, विकास आयुक्त द्वारा इस अधिसूचना के आरंभिक पैरा के खंड क से ड तक में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए यूनिट स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ;

(2) यूनिट सीमाशुल्क बंधित क्षेत्र में और ऐसी अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए जो यथास्थिति, उप सीमाशुल्क आयुक्त या सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारी कहा गया है) इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जा सकेंगी, विनिर्माण उत्पादन, पैकेजिंग या उजरति कार्य या सेवा करती है ;

(3) यूनिट ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए और ऐसे प्राधिकारी के पास, जो उक्त अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जा सकेगा, स्वयं को आबद्ध करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करेगी,—

(क) कि उक्त माल यूनिट में लाया जाएगा या और उनका इस अधिसूचना के आरंभिक पैरा के खंड (क) से खंड (छ) तक में उल्लिखित विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाएगा;

(ख) माल की प्राप्ति, भंडारण और उपयोग का समुचित लेखा-जोखा रखा जाएगा ;

(ग) माल या सेवाओं का यूनिट में उत्पादित, विनिर्मित, प्रसंस्कृत और पैक की गई वस्तुओं का या ऐसे उत्पादन, विनिर्माण, प्रसंस्करण या पैकेजिंग से उद्भूत अपशिष्ट, स्कैप और अवशेषों का, निर्यात और आयात नीति तथा इस अधिसूचना में यथा उपबंधित रीति से व्ययन किया जाएगा ;

(घ) मांग पर निम्नलिखित का संदाय करना,—

(1) माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क और उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 28 कख के अधीन जारी भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट दर पर उक्त माल के शुल्क मुक्त आयात की तारीख से ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख तक उक्त शुल्क पर ब्याज के तुल्य रकम, यदि

(i) पूंजी माल की दशा में, ऐसा माल आयात या उसकी उपाप्ती की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो पांच वर्ष से अनधिक हो जैसा कि उक्त अधिकारी यह समाधान होने पर कि यथापरोक्त उक्त अवधि के भीतर उनका उपयोग न कर पाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात करे, यूनिट के भीतर संस्थापित किए जाने या अन्यथा प्रयोग किए जाने के संबंध में उक्त अधिकारी का समाधान नहीं हो पाया है ;

(ii) पूंजी माल से भिन्न माल की दशा में, ऐसा माल आयात या उसकी उपाप्ति की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जैसा कि उक्त अधिकारी यह समाधान होने पर कि यथापरोक्त उक्त अवधि के भीतर उनका उपयोग न कर पाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात करें भारत से बाहर निर्यात के लिए उत्पादन या माल की पैकेजिंग के संबंध में या तीन वर्ष की अवधि के भीतर घरेलू उपभोग के लिए निकासी किए जाने के संबंध में उक्त अधिकारी का समाधान नहीं हो पाया है ;

(iii) (क) उत्पादित या पैक किए गए माल की दशा में जबकि ऐसे माल का भारत से बाहर निर्यात नहीं किया गया है ;और

(ख) अप्रयुक्त माल (जिसके अंतर्गत खाली कोण, बोबिन या आधार यदि कोई हैं जो पुनःप्रयोग के लिए उपयुक्त हैं) की दशा में जिन्हें कि निर्यात नहीं किया गया है या घरेलू उपयोग के लिए निकासी नहीं की गई है, आयात या उसकी उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जैसा कि उक्त अधिकारी यह समाधान होने पर कि यथापरोक्त उक्त अवधि के भीतर उनका उपयोग न कर पाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात करें;

(II) उक्त सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन प्राप्त करने में असफल रहने की दशा में, वह शुल्क जिसकी रकम उक्त माल पर उदग्रहणीय शुल्क के भाग की रकम के तुल्य है यदि इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट प्राप्त नहीं हुई होती, और इस प्रकार संदेय शुल्क उस अनुपात में होगा जो अभिप्राप्त किए जाने वाले सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन अभिप्राप्त न किए गए शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन का भाग है, जिसमें उक्त माल के आयात या उपापन की तारीख से ऐसे शुल्क का संदाय किए जाने तक मांग पर संदत्त की जाने वाली उक्त शुल्क पर उक्त सीमाशुल्क अधिनियम, की धारा 28कख के अधीन जारी भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट दर पर ब्याज भी है ।

(4) उक्त अधिकारी, ऐसी शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा अधिरोपित की जा सकेंगी और निर्यात और आयात नीति के उपबंधों के अधीन रहते हुए, --

- (i) माल के पुनः निर्यात की अनुज्ञा दे सकेगा ;
- (ii) पूंजी माल या यूनिट में विनिर्मित, उत्पादित, प्रसंस्कृत, या पैक किए गए माल को यथास्थिति विशेष आर्थिक क्षेत्र में किसी अन्य इकाई में या अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम, या इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (ईएचटीपी)यूनिट या सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपी)यूनिट में, विनिर्माण और वहां से निर्यात के प्रयोजन के लिए या प्राप्त करने और प्रदाय करने वाली दोनों यूनिटों द्वारा समुचित लेखा रखे जाने के अधीन रहते हुए यूनिट के भीतर उपयोग के लिए शुल्क का संदाय किए बिना ले जाने की अनुज्ञा दे सकेगा ;
- (iii) माल (पूंजी माल से भिन्न) या यूनिट में भागतः प्रसंस्कृत या पैक किए गए माल को परीक्षण, मरम्मत, प्रतिस्थापन, कैलिब्रेशन, रिफाइनिंग, प्रसंस्करण, प्रदर्शन, उजरति कार्य या अंतिम उत्पाद के विनिर्माण के लिए आवश्यक किसी अन्य प्रक्रिया के प्रयोजन के लिए शुल्क का संदाय किए बिना यूनिट से बाहर ले जाने और उसके पश्चात् यूनिट में पुनः वापस लाए जाने या उसे उजरती कर्मकार के परिसर से निर्यात के लिए बंधपत्रके अधीन शुल्क का संदाय किए बिना हटाए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा :

परंतु उजरती कर्मकार के परिसर से निर्यात की दशा में, ऐसा उजरती कर्मकार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 के नियम 9 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 6 के अधीन रजिस्ट्रीकृत होगा :

परंतु यह और कि उजरती कर्मकार के परिसर पर ऐसी प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट या स्क्रेप या अवशेष या तो यूनिट को लौटा दिया जाएगा या उसकी शुल्क के संदाय पर इस प्रकार निकास की जाएगी मानो उक्त अपशिष्ट, स्क्रेप या अवशेष उसी यूनिट द्वारा निकासी किया गया हो ;

(iv) ठेकेदार के परिसर से ढांचे, जिग, औजार, फिक्सर, टैकिल, उपस्कर, हेंगर, प्रतिमान और रेखांक शुल्क का संदाय किए बिना इस शर्त के अधीन रहते हुए, हटाए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा कि ऐसा माल उक्त अधिकारी द्वारा यथाविनिर्दिष्ट नियत अवधि के भीतर उजरती कार्य पूरा होने पर यूनिट में वापस लाया जाएगा ।

परंतु यह शर्त, रत्न और आभूषण के विनिर्माण और निर्यात में लगी यूनिट को लागू नहीं होगी ।

(v) अनुमोदन बोर्ड के अनुमोदन के पश्चात् उक्त माल अथवा इकाई में भागतः प्रसंस्कृत या विनिर्मित या वहां से पैक किए गए माल को प्रसंस्करण के प्रयोजन के लिए यदि भारत में ऐसा प्रसंस्करण उपलब्ध नहीं है, शुल्क का संदाय किए बिना भारत से बाहर ले जाने और प्रसंस्करण के पश्चात् ऐसी शर्तों या सीमाओं के अधीन रहते हुए जो इस निमित्त उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, उक्त इकाई में वापस लाए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा ।

(5) जहां विनिर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया यूनिट द्वारा बंधपत्र पर की जानी संभव नहीं है, वहां यथास्थिति सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त के अनुमोदन से, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जा सकेंगी, ऐसी यूनिट को ऐसी प्रक्रिया जो आवश्यक हों सीमाशुल्क बांड में करने की अनुज्ञा दे सकेगा ।

(6) उक्त अधिकारी, ऐसी शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा अधिरोपित की जा सकेंगी और निर्यात और आयात नीति के उपबंधों के अधीन रहते हुए रत्न और आभूषण के विनिर्माण और निर्यात में लगी यूनिट को, —

(i) घरेलू टैरिफे क्षेत्र के लिए उजरती कार्य के लिए स्वर्ण या चांदी या प्लेटिनम को ले जाने और परिरूपित या अर्धपरिरूपित आभूषण को जिसके अंतर्गत रत्न जड़ित आभूषण भी हैं वापस लाने की अनुज्ञा दे सकेगा;

परंतु तराशे हुए और पालिश किए हीरों, कीमती रत्नों और कम मूल्य वाले रत्नों को यूनिट से बाहर ले जाए जाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी;

(ii) यथास्थिति उक्त आभूषण में अंतर्विष्ट उक्त स्वर्ण या चांदी या प्लेटिनम के वजन में तुल्य मात्रा के स्वर्ण या चांदी या प्लेटिनम के विनिमय पर भारत में किसी स्थान से सादा स्वर्ण या सादी चांदी या सादे प्लेटिनम आभूषण प्राप्त करने की अनुज्ञा दे सकेगा:

परंतु इस शर्त के (i) और (ii) में उल्लिखित क्रियाकलापों की दशा में स्वर्ण या चांदी या प्लेटिनम या उजरती कार्य के पश्चात् विनिमय पर ऐसे आभूषण का प्रदाय करने वाली घरेलू टैरिफ क्षेत्र यूनिट समझे गए निर्यात फायदों के लिए हकदार नहीं होंगी और उक्त यूनिट ऊपर (ii) में यथाउल्लिखित कार्यकलाप की दशा में ऐसे आभूषण के विनिमय पर अपशिष्ट या विनिर्माण हानि के लिए पात्र नहीं होगी ;

(iii) आयातित माल के पुनः निर्यात और घरेलू रूप से उपाप्त माल जिसके अंतर्गत ऐसे माल से आंशिक प्रसंस्करण या विनिर्माण से उत्पन्न माल भी है, के निर्यात की अनुज्ञा दे सकेगा;

(iv) विकास आयुक्त के अनुमोदन से, निर्यात संवर्धन दौरे और अस्थाई प्रदर्शन या विदेश में विक्रय के लिए 1,00000 अमरीकी डालर तक के नमूने के रूप में स्वर्ण आभूषण या चांदी के आभूषण या प्लेटिनम आभूषण या मूल्यवान रत्न या कम मूल्य वाले रत्न या मनकों और वस्तुओं के निजी वहन के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए अनुज्ञा दे सकेगा कि निर्यातकर्ता ऐसे आभूषण, मूल्यवान रत्न या कम मूल्य वाले रत्न या मनके या वस्तुएं या

विक्रय आगम, प्रस्थान की तारीख से 45 दिन की अवधि के भीतर सामान्य बैंककारी चैनल के माध्यम से वापस लाएगा ;

(v) विकास आयुक्त के अनुमोदन से विदेश में प्रदर्शनी आयोजित करने या उसमें भाग लेने के लिए आभूषण के निर्यात की इस शर्त के अधीन रहते हुए अनुज्ञा दे सकेगा कि अविक्रीत आभूषण का प्रदर्शनी के समाप्त होने के 60 दिन के भीतर पुनः आयात किया जाएगा

(vi) आभूषण, जिसके अंतर्गत विदेश में स्थापित स्थायी दुकानों में प्रदर्शन और विक्रय के लिए ब्रांड वाले आभूषण भी हैं, निर्यात करने की अनुज्ञा दे सकेगा ;

परंतु ऐसी मदें जिनका एक सौ अस्सी दिन के भीतर विदेश में विक्रय नहीं किया जाता, अगले पैंतालिस दिन के भीतर पुनः आयात की जाएंगी;

(vii) मशीनों के पुर्जों और औजारों को अस्थायी रूप से घरेलू टैरिफ क्षेत्र में मरम्मत के प्रयोजन के लिए लाने और ऐसी मरम्मत के पश्चात् उनको वापस करने के लिए शुल्क का संदाय किए बिना हटाने की अनुज्ञा दे सकेगा;

(viii) ढांचों, औजारों, प्रतिमानों और रेखांकों को उजरती कार्यों के लिए शुल्क का संदाय किए बिना उप ठेकेदारों के परिसरों तक हटाने और उसके पश्चात् उक्त अधिकारी द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर उन्हें यूनिट में वापस लाए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा;

(ix) अपनी यूनिटों में विनिर्माण प्रक्रिया में उत्पन्न हुई स्वर्ण या चांदी की स्क्रेप, धूल या बुहारन, मानक स्वर्ण या चांदी की छड़ों में परिवर्तित करने के लिए सरकारी टक्काल को भेजने और उसके पश्चात् उक्त यूनिट में, इस निमित्त सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार वापस लाए जाने या उक्त स्क्रेप, धूल या बुहारन में, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 80/97-सीमाशुल्क, तारीख 21 अक्टूबर, 1997 में यथा विनिर्दिष्ट स्वर्ण या चांदी अंतर्वस्तु पर शुल्क का संदाय करके उसकी निकासी की अनुज्ञा दे सकेगा ;

(x) घरेलू टैरिफ क्षेत्र में पूर्ववर्ती वर्ष में यूनिट के निर्यात के मूल्य के 10 प्रतिशत तक आभूषण की लागू शुल्कों का संदाय करने पर निकासी की, विकास आयुक्त की अनुमति के अधीन रहते हुए अनुज्ञा दे सकेगा;

(xi) इस अधिसूचना के अधीन, पूंजी माल से भिन्न उक्त माल के, मुंबई, कोलकाता, चैन्नई, तिरुवंतपुरम, दिल्ली और बेंगलौर सीमाशुल्कों विमानपत्तनों से होकर वायु भाड़े द्वारा या डाक पार्सल के माध्यम से आयात और निर्यात की अनुज्ञा दे सकेगा;

(xii) यथास्थिति, सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार प्राधिकृत कूरियर के माध्यम से यूनिट में विनिर्मित आभूषण के निर्यात की अनुज्ञा दे सकेगा :

परंतु निर्यात मुंबई, कोलकाता, चैन्नई, दिल्ली, जयपुर, बेंगलौर, अहमदाबाद या हैदराबाद स्थित सीमाशुल्क गृहों के माध्यम से किया जाता है और प्राधिकृत कूरियर के माध्यम से किसी पारेषण का पोतपर्यंत निशुल्क मूल्य बीस लाख रुपए से अधिक नहीं होगा;

(xiii) उक्त यूनिट में विनिर्मित रत्न और आभूषण का, कालीकट, कोचीन, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, तिरुवनंतपुरम और विशाखापट्टन स्थित अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तनों पर प्रस्थान लांज में स्थापित फुटकर निर्गम या शोरूम में, यात्री नियम, 1998 में यथा परिभाषित निर्यात और आयात नीति के अनुसार यथास्थिति सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार, भारत छोड़ने वाले पर्यटक को विक्रय के लिए प्रदाय करने की अनुज्ञा देना;

(xiv) यथास्थिति सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार निर्यात के प्रयोजनों के लिए विदेश गामी यात्रियों को अंतरित किए जाने के लिए संबंधित सीमाशुल्क विमानपत्तन के सीमाशुल्क भांडागार में निर्यात और आयात नीति के अनुसार उक्त यात्रियों को हस्तांतरित किए जाने वाले चैन्नई, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई की नगरपालिक सीमाओं में स्थित यूनिट में विनिर्मित रत्न और आभूषण का विक्रय करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगा;

(xv) ऐसी शर्तों के जिन्हें वह विनिर्दिष्ट करे, पूरा करने के अधीन रहते हुए नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट स्वर्ण या प्लेटीनम के अपशिष्ट या उक्त सारणी के स्तंभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट चांदी के अपशिष्ट, उक्त सारणी के स्तंभ (1) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णन के आभूषण के विनिर्माण के दौरान अनुज्ञा दे सकेगा;

## सारणी

आभूषण का वर्णन	स्वर्ण या प्लेटीनम के अपशिष्ट का प्रतिशत	चांदी के अपशिष्ट का प्रतिशत
(1)	(2)	(3)
सादे आभूषण और उनकी वस्तुएं, अरत्न जड़ित	3.5 %	4.5%
रत्न जड़ित, आभूषण और उनकी वस्तुएं	9%	10%
सादे आभूषण में प्रयुक्त माउंटिंग और फाइंडिंग	3.5 %	4.5%
माउंटिंग चाहे आयात की गई हों या देशी रूप में उपाप्त की गई हों या विनिर्मित की गई हों, जो रत्न जड़ित आभूषण में प्रयुक्त होती हों ।	2.5%	2.5%
स्वर्ण या चांदी या प्लेटीनम के मेडेलियम और सिक्के	0.25%	0.25%

(विधिक निविदा की प्रकृति के सिक्कों को छोड़कर)		
--	--	--

स्पष्टीकरण— इस उपशर्त के प्रयोजनों के लिए,—

(क) अपशिष्ट के प्रतिशत की संगणना, आभूषण के विनिर्माण के लिए आयात या जारी किए गए स्वर्ण या चांदी या प्लेटिनम की कुल मात्रा के प्रतिनिर्देश से की जाएगी ;

(ख) कोई अपशिष्ट निर्यात और आयात नीति के उपबंधों के अधीन विनिमय पर उपाप्त आभूषण के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ;

(ग) 'सादे आभूषण और उनकी अरत्न जड़ित वस्तुएं, ' पद के अंतर्गत 'मंगलसूत्र', जिसमें स्वर्ण और काले मोती अंतर्विष्ट हैं और कृत्रिम रत्नों से जड़े हुए आभूषण और क्यूबिक जिकॉनिया और कम मूल्य वाले पत्थर भी हैं ;

परंतु यह तब जबकि आभूषण और वस्तुओं के निर्माण में प्रयुक्त कम मूल्य वाले प्रस्तर का प्रतिग्राम मूल्य, स्वर्ण के प्रतिग्राम मूल्य से कम है;

(7) यदि रत्न और आभूषण के विनिर्माण में लगी यूनिट का प्रचालन बंद हो जाता है तो उस दशा में आभूषण के विनिर्माण के लिए स्वर्ण अन्य कीमती धातुएं, मिश्र धातुएं, रत्न और अन्य सामग्री ऐसे व्यक्ति, उपक्रम, अभिकरण या प्राधिकरण को अंतरित हो जाएगी जिसे भारत सरकार का वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे;

(8) उक्त अधिकारी के समाधान के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित की बाबत शुल्क उद्ग्रहणीय नहीं होगा:-

(i) पूंजी माल, यदि ऐसा पूंजी माल यूनिट के भीतर या जब उसे यूनिट के भीतर नष्ट करना संभव या अनुज्ञेय नहीं है तब सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी की उपस्थिति में यूनिट के बाहर नष्ट किया जाता है ;

(ii) उत्पादन विनिर्माण, प्रसंस्करण या पैकेजिंग के क्रम में उद्भूत स्क्रेप सामग्री या अवशेष, यदि ऐसा स्क्रेप या अपशिष्ट या अवशेष यूनिट के भीतर नष्ट किया जाता है या जब उसे यूनिट के भीतर विनष्ट करना संभव नहीं है तब यूनिट के बाहर नष्ट किया जाता है:

परंतु यह शर्त रत्न और आभूषण के विनिर्माण और निर्यात में लगी यूनिट के मामले में लागू नहीं होगी ।

(9) सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट को शुल्क मुक्त टेलिमैटिक अवसंरचना उपस्कर आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी । इस प्रकार आयात किए गए टेलिमैटिक अवसंरचना उपस्कर का अन्य सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिटों द्वारा भी निर्यात के लिए उपयोग किया जा सकेगा ।

(10) सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट द्वारा आयात किए गए अवसंरचनात्मक उपस्करों को अनुसंधान या शैक्षिक संस्थान (वाणिज्य क्रियाकलापों में लगे संस्थान से भिन्न) से जैसा कि अनुसंधान, शिक्षा के लिए अंतरमंत्रालयी स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित किया जाए या किसी ऐसे गैर वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए उसके द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार और अंतरमंत्रालयी स्थायी समिति द्वारा दी गई आवश्यक अनुमति के अधीन रहते हुए सहयोजित किए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा ।

(11) उक्त अधिकारी सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट को प्रशिक्षण के प्रयोजनों के लिए (जिसके अंतर्गत वाणिज्यिक प्रशिक्षण भी है) कंप्यूटर प्रणाली का प्रयोग करने के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए अनुज्ञा दे सकेगा कि यूनिट ने सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन प्राप्त कर लिया था और इस प्रयोजनके लिए बंधित परिसर के बाहर कोई कंप्यूटर टर्मिनल संस्थापित नहीं किया जाएगा ;

(12) उक्त अधिकारी, यथास्थिति सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त के अनुमोदन के अधीन रहते हुए, किसी सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट द्वारा आयात किए

गए डीजल जेनरेटिंग सेट या कैपेटिव पावर संयंत्र, केन्द्रीय वातानुकूलन उपस्कर, निर्बाध विद्युत प्रदाय प्रणाली, नेटवर्किंग उपस्कर, ईपीएबीएक्स, फैक्स, फोटोकॉपीयर उपस्कर, डाटा अंतरण प्रोटोकाल उपस्कर और सुरक्षा प्रणाली का आयातकर्ता यूनिट के स्वामित्व की या उसी कंपाउंड या निकटस्थ या पार्श्व में अवस्थित यूनिट द्वारा साफ्टवेयर के विकास और उसके निर्यात के प्रयोजन के लिए किसी अन्य सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट द्वारा उपयोग किए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा ।

2. इस अधिसूचना में किसी बात के अंतर्विष्ट होते हुए, भी कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के विकास, डाटा एंट्री और कंवरजन और डाटा प्रसंस्करण और डाटा विश्लेषण और नियंत्रण या डाटा प्रबंध में लगी यूनिट की दशा में, इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट साफ्टवेयर 'आन साइट' अब्रोड के विकास के लिए परामर्शी सेवाएं देने के लिए ऐसी यूनिटों द्वारा आयात किए गए माल को भी लागू होंगी:

परंतु इस अधिसूचना में अनुबद्ध शर्तें ऐसी यूनिट और ऐसे शुल्क मुक्त माल को लागू होती हैं जिनका बंधित परिसरों के बाहर उपयोग नहीं किया जाता ।

स्पष्टीकरण: ऐसी यूनिट द्वारा "आन साइट" अब्रोड साफ्टवेयर के विकास के लिए परामर्शी सेवाओं के लिए संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त परामर्शी फीस इस अधिसूचना के अधीन सापेक्ष शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन को पूरा करने के प्रयोजन के लिए निर्यात समझी जाएगी ।

3. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, उसमें अंतर्विष्ट छूट ऐसे माल को भी लागू होगी जिसका भारत में आयात या उपापन किए जाने पर परिरूपित माल के विनिर्माण या सेवाओं के प्रयोजन के लिए उपयुक्त किया जाता है और ऐसा परिरूपित माल और सेवाएं (जिसके अंतर्गत ऐसे माल के उत्पादन, विनिर्माण, प्रसंस्करण या पैकेजिंग के क्रम में उद्भूत उपोत्पाद, रद्दी, अपशिष्ट स्क्रेप और अवशेष भी हैं) चाहे भारत से बाहर निर्यात न की गई हों, उन्हें निर्यात और आयात नीति के अनुसार और ऐसी अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन जो, यथास्थिति, इस निमित्त विकास आयुक्त, अनुमोदन बोर्ड या अंतःमंत्रालय स्थायी समिति द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उस पर उद्घणीय समुचित उत्पाद शुल्क का संदाय किए जाने पर घरेलू टैरिफ क्षेत्र में विक्रय के लिए अनुज्ञात किया जाता है या जहां ऐसा परिरूपित माल (जिसके अंतर्गत ऐसे माल के उपोत्पाद, रद्दी, अपशिष्ट और

स्क्रेप भी है) या सेवाओं की भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 26/98- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी) तारीख 15 जुलाई, 1998 या सं. 46/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी) तारीख 26 जून, 2001 के अधीन नियत या रजिस्ट्रीकृत भांडागार को निकासी की जाती है या सीमाशुल्क अधिनियम, 1962, (1962 का 52) की धारा 65 के अधीन और भांडागार में विनिर्माण और अन्य संक्रिया विनियम के अधीन विनिर्माणकारी प्रक्रिया करने के लिए प्राधिकृत भांडागार को निकासी की गई है या निर्यात और आयात नीति के पैरा 6.9(ड) में यथाविनिर्दिष्ट परिधान निर्यात संवर्धन परिषद तथा चमड़ा निर्यात परिषद से शुल्क मुक्त आयात के लिए प्रमाणपत्र धारक को शुल्क का संदाय किए बिना निकासी की गई है :

परंतु जहां ऐसा परिरूपित माल (जिसके अंतर्गत रस्सी अपशिष्ट, रस्सी और स्क्रेप और अवशेष भी हैं) उत्पाद शुल्क नहीं है, वहां इस अधिसूचना के अधीन आयात किए गए और ऐसे परिरूपित माल के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए निवेशों पर उद्गहणीय उस सीमा शुल्क के बराबर रकम, जो संदेय होती यदि इस अधिसूचना के अधीन छूट न दी जाती, ऐसे परिरूपित माल की निकासी के समय संदेय होगी :

परंतु यह और कि समयकित रीति से इलैक्ट्रॉनिक हार्डवेयर और साफ्टवेयर के विनिर्माण में लगी साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एस.टी.पी.) यूनिट और इलैक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (ई.एच.टी.पी.) यूनिट को साफ्टवेयर, डाटा एंट्री और संपरिवर्तन, डाटा प्रसंस्करण, डाटा विश्लेषण, नियंत्रण डाटा प्रबंध का विक्रय करने या डाटा संचार संपर्क के माध्यम से काल सेंटर सेवाएं देने और या दूरसंचार संपर्क के लिए ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो, यथास्थिति, सीमा शुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जा सकेगी, अनुज्ञात किया जाएगा :

परंतु यह भी कि ऐसा माल जिसकी मरम्मत की गई है, जिसे पुनः ठीक किया गया है, पुनः इंजीनियर किया गया है, घरेलू टैरिफ क्षेत्र में विक्रय के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

4. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किन्हीं अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना उक्त अधिकारी ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो राजस्व हितों के समुचित रक्षोपाय के लिए परिस्थितियों में अधिरोपित करना ठीक समझे और, यथास्थिति, विकास आयुक्त या अनुमोदन बोर्ड

या अंतरमंत्रालय स्थायी समिति की ऐसी अनुज्ञा के अधीन रहते हुए जो निर्यात और आयात नीति के अधीन अनन्य रूप से अपेक्षित हो, उपयोक्ता उद्योग को ऐसे उपयोक्ता उद्योग के परिसरों से बाहर भारत में किसी स्थान पर ले जाने के लिए जैसी भी स्थिति हो निर्यात और आयात नीति के अनुसार अनुज्ञात कर सकेगा :

परंतु यह कि --

(क) पूंजीगत माल की ऐसी निकासी, ऐसे माल पर उदग्रहणीय उत्पाद शुल्क के तुल्य किसी रकम या उसके अवक्षयण मूल्य पर और ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त दर पर या संव्यवहार मूल्य, जो भी अधिक हो के संदाय पर अनुज्ञात की जा सकेगी । अवक्षयण कंप्यूटर और कंप्यूटर परिधीये मदों की बाबत, मूल मूल्य के प्रतिवर्ष बीस प्रतिशत की दर पर और अन्य पूंजीगत माल की दशा में दस प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर अनुज्ञात किया जा सकेगा ;

स्पष्टीकरण : अवक्षयण यूनिट के वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख से अनुज्ञात किया जाएगा या जहां ऐसा माल ऐसे प्रारंभ के पश्चात् प्राप्त हुआ है वहां वाणिज्यिक उत्पादन के लिए ऐसे माल के उपयोग में आने की तारीख से शुल्क के संदाय की तारीख तक अनुज्ञात किया जाएगा ।

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट माल से भिन्न माल की ऐसी निकासी पर (जिसके अंतर्गत रिक्त कुर्न, बुबीन, आधान जो बार-बार उपयोग के लिए समुचित हैं) आयात के समय मूल्य पर शुल्क का संदाय किए जाने पर और ऐसे संदाय की तारीख को प्रवृत्त दर पर अनुज्ञात किया जा सकेगा ।

(ग) उपयोग की गई पैकिंग सामग्री की निकासी जैसे गत्ते के बक्से, पालिथीलीन के थैले जो बारबार उपयोग किए जाने के लिए अनुपयुक्त किस्म के हैं किसी उत्पाद शुल्क के संदाय के बिना अनुज्ञात की जा सकेगी ।

5. इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी इसमें अन्तर्विष्ट छूट उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के क्रमशः शीर्ष संख्यांक 7106 और 7108 के अन्तर्गत आने वाली चांदी और स्वर्ण को भी लागू होंगे जो नामनिर्देशित अभिकरणों द्वारा स्कीम के अधीन हस्त पुस्तिका प्रक्रिया जिल्द 1 के साथ पठित निर्यात और आयात नीति में यथा विनिर्दिष्ट स्वर्ण आभूषण

और वस्तुओं के निर्यात के लिए रत्न और आभूषण यूनिटों को प्रदाय किए जाने के लिए आयात किए जाएं :

परंतु जहां रत्न और आभूषण के विनिर्माण और निर्यात में लगी उक्त यूनिट की ओर से चांदी या स्वर्ण या प्लेटिनम का आयात किया जाता है, छूट केवल तभी लागू होगी यदि-

(क) उक्त आभूषण यूनिट द्वारा उक्त अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुपालन किया जाता है;

(ख) आरंभिक पैरा में अनुबद्ध शर्तों का ऐसी आभूषण यूनिट द्वारा अनुपालन किया जाता है:

परंतु यह और कि ऐसी यूनिट जो रत्न के विनिर्माण और विनिर्यात में लगी है, जिसे चांदी या स्वर्ण का प्रदाय किया गया है, ऐसे चांदी या स्वर्ण से बनाए गए आभूषण का संबंधित स्कीम के अधीन निर्यात और आयात नीति में विनिर्दिष्ट समय के भीतर निर्यात करने में असफल रहने की दशा में नामनिर्देशित अभिकरण यथास्थिति चांदी या स्वर्ण की मात्रा पर, न कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक 80/97, तारीख 21 अक्टूबर, 1997 की अधिसूचना में यथा उपबंधित चांदी या स्वर्ण पर उद्ग्रहणीय शुल्क की दर पर निर्यातित आभूषण पर उस अवधि की समाप्ति के सात दिन के भीतर जिसके भीतर उक्त चांदी या स्वर्ण से विनिर्मित किए गए आभूषण निर्यातित किए जाने अपेक्षित थे, शुल्क जमा करेंगी ।

6. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए, उक्त अधिकारी उस उपयोक्ता उद्योग को जो निम्नलिखित में लगे हैं,—

(क) इस अधिसूचना के आरंभिक पैरा के खंड (क) के उपखंड (i) में निर्दिष्ट कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण के लिए उपबंध 1 में यथाविनिर्दिष्ट क्रमसंख्यांक 18 से 30 में विनिर्दिष्ट माल को ; और

(ख) इस अधिसूचना के आरंभिक पैरा के खंड (ख) में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के उत्पादन या विनिर्माण या पैकेजिंग के लिए उपाबंध 2 में यथाविनिर्दिष्ट क्रमसंख्यांक 12 से 20 में विनिर्दिष्ट माल को,

ठेका कृषकों के क्षेत्रों और फार्मों में उत्पादन या उसके संबंध में ले जाए जाने के लिए या उसके संबंध में और उत्पाद को निर्यात के लिए यूनिट में वापस लाने के लिए निर्यात और आयात नीति तथा प्रक्रिया पुस्तिका जिल्द 1 के उपबंधों के अनुसार और निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात कर सकेगा :-

(i) यूनिट अपने और ठेका कृषकों के बीच हुए करार को उक्त अधिकारी को प्रस्तुत करेगा ;

(ii) उस यूनिट की दशा में जो उनसे भिन्न हैं, जो दो वर्ष से कम की अवधि के लिए अस्तित्व में हैं, उनसे ठेका कृषकों के क्षेत्रों या फार्मों को इस प्रकार अंतरित माल पर छोड़े गए कुल शुल्क के तुल्य एक बैंक प्रत्याभूति प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाएगी ;

(iii) यूनिट माल का आयात करने से पूर्व उपयोक्ता उद्योग उक्त अधिकारी को ऐसे ब्यौरे देते हुए, अर्थात् ठेका कृषकों की संख्या और उनके फार्मों की अवस्थिति, ठेका खेती के अधीन फार्मों या क्षेत्रों की माप, विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा नियत निवेश या उत्पादन के मापदंड और उनकी परियोजनाकृत अपेक्षाओं तथा ऐसी परियोजनाकृत अपेक्षाओं की परीक्षा करने के पश्चात् आवेदन करेगी, और उक्त अधिकारी वार्षिक आधार पर उनके आयात या उपापन के लिए अनुज्ञा देगा ;

(iv) किसी भी कारण से जिसके अंतर्गत प्राकृतिक आपदा या फसल की हानि सम्मिलित है उसी मौसम में या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो, यथास्थिति, सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा अनुज्ञात की जाए विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा अधिसूचना मानदंडों के अनुसार उस दशा में जहां यूनिट कृषकों के क्षेत्रों या फार्मों में इस प्रकार उत्पादित कृषि या बागवानी उत्पाद को यूनिट में वापस लाने में असफल रहती है वहां यूनिट से अपेक्षा की जाएगी कि वह ठेका कृषकों के क्षेत्रों या फार्मों से इस प्रकार लिए गए निवेशों पर प्रचलित शुल्क के तुल्य शुल्क का संदाय करे ;

(v) ऐसे माल जिसे किसी समय जैसा कि उक्त अधिकारी द्वारा विनिश्चित किया जाए, ठेका कृषक के क्षेत्रों या फार्मों में अंतरित किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है, यूनिट से ठेका कृषक के फार्मों या क्षेत्रों को इस प्रकार अंतरित माल का लेखा रखने की अपेक्षा की जाएगी ;

(vi) इस प्रकार अंतरित माल का या फार्मों या क्षेत्रों में माल के उपयोग का लेखा न रखने की दशा में उससे भिन्न जिसे उक्त अधिकारी को घोषित किया गया है, उपयोक्ता उद्योग मांग किए जाने की सूचना की प्राप्ति से 10 दिन के भीतर ऐसे लेखा न रखे गए माल पर उक्त सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 28कख के अधीन भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट दर से ब्याज सहित प्रचलित शुल्क का संदाय करेगी और उसका संदाय न किए जाने में व्यतिक्रम की दशा में, उक्त अधिकारी बैंक प्रत्याभूति को भुना सकेगा और इस अधिसूचना के अधीन निःशुल्क आयात/उपापन कि अननुज्ञात कर सकेगा ;

(vii) उपयोक्ता उद्योग से आयातित या घरेलू रूप से उपाप्त निवेश और पूंजीगत माल तथा उनसे विनिर्मित या उत्पादित अंतिम उत्पाद के भंडारण के लिए उक्त सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 58 के अधीन सम्यक् रूप से बंधित परिसर की अपेक्षा की जाएगी ।

7. खंड (घ) के आरंभिक पैरा में यथाविनिर्दिष्ट ग्रेनाइट की वस्तुओं के प्रसंस्करण या विनिर्माण या उत्पादन में लगे उपयोक्ता उद्योग को उपाबंध 5 में यथाविनिर्दिष्ट माल, ग्रेनाइट उत्खनन के वर्जित परिसरों से ग्रेनाइट के उत्खनन के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, ले जाने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा, अर्थात् :-

(i) खदानें यूनिट के नाम में हैं चाहे वे पट्टा आधारित हों या स्वामित्व आधारित हों । खदानों की अवस्थिति या क्षेत्र या अंतिम प्रक्रम पर खदान या खदानों अवस्थिति में पश्चात्कर्त्ती कोई परिवर्तन यूनिट द्वारा विकास आयुक्त और उक्त अधिकारी को सूचित किया जाएगा ;

(ii) यूनिट द्वारा ग्रेनाइट के उत्खनन के प्रयोजन के लिए माल का उपयोग उसके स्वयं की निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा ग्रेनाइट की वस्तुओं के और प्रसंस्करण या विनिर्माण या उत्पादन के लिए किया जाता है ;

(iii) यूनिट माल और इस प्रकार उत्खनित ग्रेनाइट की प्राप्ति, खपत और उपयोग का समुचित लेखा रखता है और इसकी प्रसंस्करण यूनिट को या किसी अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम या विशेष आर्थिक जोन में यूनिट को अंतरित करता है, और ऐसे लेखाओं को कालिक रूप से विशेष आर्थिक जोन के विकास आयुक्त तथा उक्त अधिकारी को ऐसे प्ररूप और ऐसी शीति में जो यथास्थिति, विकास आयुक्त या उक्त अधिकारी द्वारा अधिकथित की जाएं, प्रस्तुत करेगा ;

(iv) यूनिट ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जिन्हें वे विनिर्दिष्ट करे और निर्यात और आयात नीति के उपबंधों के अधीन रहते हुए,—

(क) यूनिट को इस प्रकार उत्खनित ग्रेनाइट का प्रदाय अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम या इस विशेष आर्थिक जोन में यूनिट को शुल्क का संदाय किए बिना अनुज्ञात कर सकेगा ;

(ख) शुल्क का संदाय किए बिना माल को मरम्मत और उसकी वापसी के लिए अस्थायी तौर पर ले जाया जाना अनुज्ञात कर सकेगा ;

(ग) यूनिट को माल का निर्यात अनुज्ञात कर सकेगा ;

(घ) शुल्क का संदाय किए बिना बेकार पूंजीगत माल का नष्ट किया जाना अनुज्ञात कर सकेगा, यदि ऐसे माल सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारी की उपस्थिति में नष्ट किए जाते हैं ;

(ङ) उक्त यूनिट द्वारा उसके स्वामित्वाधीन या पट्टे पर लिए गए किसी अन्य स्थल या खदान में उक्त अधिकारी की अनुज्ञा बिना माल अंतरित या स्थानांतरित नहीं किए जाएंगे ;

(च) खदान क्रियास्थल पर उपयोग किए गए माल के लेखे स्थल पर समुचित रूप से संनिर्मित कार्यालय में रखे जाएंगे जिससे कि जब कभी अपेक्षित हो उनके सत्यापन को समर्थ बनाया जा सके ; और

(छ) इस प्रकार उत्खनित ग्रेनाइट, खदान स्थल से केवल उसकी स्वयं की प्रसंस्करण यूनिट के प्रदाय के लिए या किसी अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम में या ग्रेनाइट की वस्तुओं के प्रसंस्करण या उत्पादन या विनिर्माण और उनके निर्यात में लगे विशेष आर्थिक जोन की यूनिट में

प्रदाय के लिए हटाए जाएंगे और उसी प्रकार निर्यातित किए जाने के लिए या घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी के लिए अनुज्ञात नहीं किए जाएंगे ।

8. इस अधिसूचना के अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां उक्त अधिकारी का यह समाधान हो गया है कि यूनिट को, जिसे संबद्ध राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा इस निमित्त अनुज्ञात किया गया है और विकास आयुक्त द्वारा अपने डीजल जेनेरेटिंग सेटों या कैपटिव विद्युत संयंत्रों में उत्पादित अधिशेष बिजली का घरेलू टैरिफ क्षेत्र में विक्रय करने के लिए या किसी अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम को या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या विशेष आर्थिक जोन में ऐसी शर्तों को पूरा करने के अधीन रहते हुए जो उक्त अधिकारी द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाएं अंतरण करने के लिए अनुज्ञात कर दिया गया है वहां उक्त अधिकारी ऐसे यूनिट को निम्नलिखित के लिए अनुज्ञात कर सकेगा—

(i) घरेलू टैरिफ क्षेत्र में इस प्रकार की गई बिजली की प्रत्येक यूनिट के उत्पादन में प्रयोग की गई खपत योग्य और कच्ची सामग्री पर उदग्रहणीय शुल्क के यदि उसपर शुल्क से छूट न होती तो तुल्य रकम के संदाय घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसी अधिशेष बिजली का विक्रय करने के लिए ;

(ii) ऐसी अधिशेष बिजली का अन्य निर्यातोन्मुख उपक्रम या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या विशेष आर्थिक जोन को शुल्क के संदाय के बिना अंतरण करने के लिए :

परंतु यह कि प्रदायकर्ता और प्राप्तकर्ता दोनों यूनिटें निर्यात की प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन की संगणना करने के प्रयोजन के लिए अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित मानदंडों के आधार पर मात्रात्मक रूप से इस प्रकार अंतरित प्रत्येक विद्युत यूनिट के उत्पादन में प्रयोग की गई खपत योग्य और कच्ची सामग्री की मात्रा के लिए लेखा रखेगी ।

9. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, उसमें अंतर्विष्ट छूट कंप्यूटर और कंप्यूटर परिधीय जिसके अंतर्गत प्रिंटर, प्लॉटर, स्कैनर, मानीटर, कीबोर्ड, स्टोरेज यूनिट भी हैं जो देश में ही उपाप्त की गई हैं को भी लागू होगी जब उनका यूनिट या इलेक्ट्रानिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट उपापन और उपयोग के दो वर्ष के पश्चात् मान्यताप्राप्त

वाणिज्येतर शैक्षिक संस्थाओं, रजिस्ट्रीकृत कोर्ट अस्पतालों, लोक पुस्तकालयों, लोक वित्तपोषित अनुसंधान और विकास स्थापनों, किसी राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र के संगठनों को दान में दिया जाता है तो निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती हैं—

(क) उस दशा में जहां आदाता कोई मान्यताप्राप्त वाणिज्येतर शैक्षिक संस्था, रजिस्ट्रीकृत पूर्ण अस्पताल, लोक पुस्तकालय, लोक वित्तपोषित अनुसंधान और विकास स्थापन है तथा दाता यह प्रमाणित करता है कि आदाता, यथास्थिति, ऐसी कोई शैक्षिक संस्था, अस्पताल, पुस्तकालय या अनुसंधान और विकास स्थापन है ; और

(ख) आदाता उस प्रक्रिया के पालन करने का, जो उक्त माल को दाता के एकक से उस के परिसरों को परिवहन करने के लिए दाता के एकक पर अधिकारिता रखने वाले, यथास्थिति, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा विहित की जाए, वचनबंध करता है और ऐसे माल का वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा और उक्त माल का दाता से उसे प्राप्ति की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के भीतर, यथास्थिति, उक्त सहायक आयुक्त या उप आयुक्त की अनुज्ञा के बिना विक्रय, व्ययन, दान, उधार, अदला-बदली या उसे अलग नहीं किया जाएगा ।

10. इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, इसमें अन्तर्विष्ट छूट पुर्जों और उपभोग्य सामग्री को भी यूनिट द्वारा पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान भारत से बाहर निर्यात करने के लिए विनिर्मित वस्तुओं के कारखानाद्वार मूल्य के 1.5 प्रतिशत तक या उससे अधिक ऐसे प्रतिशत तक जैसा कि केंद्रीय सरकार विक्रय पश्च सेवा के लिए निर्यात वस्तुओं के साथ ऐसे पुर्जों और उपभोग्य सामग्री की आपूर्ति के प्रयोजन के लिए अनुमोदन बोर्ड द्वारा इस निमित्त सिफारिश के ध्यान में रहते हुए प्रत्येक व्यष्टिक मामले में अनुज्ञात करे इस शर्त के अधीन रहते लागू होगी कि ऐसी आपूर्ति विनिर्दिष्टतः सुसंगत निर्यात संविदा में अनुबंधित है और उक्त अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि ऐसे पुर्जों और उपभोग्य सामग्री का मूल्य, निर्यात और आयात नीति के अधीन यथाअपेक्षित शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन की गणना के लिए सम्मिलित किया गया है ।

11. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट कोई बात आरंभिक पैरा में खंड (क) में यथाविनिर्दिष्ट ऐसे सेवा-सैक्टर निर्यातोन्मुख उपक्रमों द्वारा, जो भारत से बाहर सेवाएं निर्यात नहीं करते हैं, आयात किए गए माल को लागू नहीं होगी।

12. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, राजस्व विभाग की अधिसूचनाएं संख्या 3/88-सीमा शुल्क, तारीख 14 जनवरी, 1988 (सा.का.नि. 31(अ) तारीख 14 जनवरी, 1988), संख्या 277/90 सीमा शुल्क तारीख 12 दिसंबर, 1990 (सा.का.नि. 943(अ) तारीख 12 दिसंबर, 1990), संख्या 138/91 सीमा शुल्क तारीख 22 अक्टूबर, 1991 (सा.का.नि. 641(अ) तारीख 22 अक्टूबर, 1991), संख्या 95/93-सीमा शुल्क तारीख 2 मार्च, 1993 (सा.का.नि. 254(अ) तारीख 2 मार्च, 1993), संख्या 96/93-सीमा शुल्क तारीख 2 मार्च, 1993 (सा.का.नि. 255(अ) तारीख 2 मार्च, 1993) संख्या 126/94-सीमा शुल्क, तारीख 3 जून, 1994 (सा.का.नि. 488(अ) तारीख 3 जून, 1994), संख्या 196/94 सीमा शुल्क तारीख 8 दिसंबर, 1994 (सा.का.नि. 856(अ) तारीख 8 दिसंबर, 1994), संख्या 53/97 सीमा शुल्क तारीख 3 जून, 1997 (सा.का.नि. 302(अ) तारीख 3 जून, 1997), संख्या 58/2000-सीमा शुल्क तारीख 8 मई, 2000 (सा.का.नि. 415(अ) तारीख 8 मई, 2000), इसके द्वारा विखंडित की जाती हैं।

13. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त होगी।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, -

- (i) “अनुमोदन बोर्ड” से केंद्रीय सरकार द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 14 और उस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियुक्त किया गया प्राधिकारी अभिप्रेत है।
- (ii) “घरेलू टैरिफ क्षेत्र” से विशेष आर्थिक जोन और निर्यातोन्मुख उपक्रमों, साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिटों और इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिटों को छोड़कर क्षेत्र अभिप्रेत है।
- (iii) “निर्यात और आयात नीति” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना संख्या /2002-07 तारीख 31 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित निर्यात और आयात नीति, 1 अप्रैल, 2002 - 31 मार्च, 2007 अभिप्रेत है।
- (iv) “निर्यातोन्मुख उपक्रम” का वही अर्थ है जो केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण के खंड (ii) में “शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम” का है ;
- (v) “इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (ई.एच.टी.पी.) यूनिट” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5 (आर.ई - 95) 92-97 तारीख 30 अप्रैल, 1995 द्वारा अधिसूचित और अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क स्कीम के अधीन और उसके अनुसार स्थापित यूनिट अभिप्रेत है।
- (vi) “प्रक्रिया हैंडबुक खंड 1” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित लोक सूचना संख्या /2002-07, तारीख 31 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित प्रक्रिया हैंडबुक खंड 1, 2002-2007 अभिप्रेत है ;
- (vii) “अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति” से भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (उद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 117 (अ) तारीख 27 फरवरी, 1993 द्वारा नियुक्त समिति अभिप्रेत है ;

- (viii) “नामनिर्देशित अभिकरणों” से धातु और खनिज व्यापार निगम लिमिटेड हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम, राज्य व्यापार निगम भारतीय परियोजना और उपस्कर लिमिटेड और इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई अभिकरण अभिप्रेत है ;
- (ix) “साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एस.टी.पी.) यूनिट” से भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4 (आर.ई - 95)/92-95 तारीख 30 अप्रैल, 1995 द्वारा अधिसूचित और अंतरमंत्रालय संबंधी स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित स्कीम के अधीन और उसके अनुसार स्थापित यूनिट अभिप्रेत है ।
- (x) “विशेष आर्थिक जोन” का वही अर्थ है जो उसका केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (iii) में है ।

### उपाबंध - 1

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	पूँजी माल और उनके पुर्जे और उपसाधन ।
2.	उपस्कर को हथलाने की सामग्री अर्थात् फोर्क लिफ्ट, शिरोपरि क्रेन, चल क्रेन, कालर क्रेन, उत्तोलक और स्टेकर और उनके पुर्जे तथा उपसाधन ।
3.	अविच्छिन्न विद्युत प्रदाय प्रणाली (यू.पी.एस.) प्रदूषण नियंत्रण उपस्कर, क्वालिटी आश्वासन उपस्कर, भंडारण प्रणाली, भंडारण के लिए विशेष रैक, मोड्यूलर फर्नीचर, कंप्यूटर फर्नीचर, स्थैतिकरोधी दरी, दूर सम्मेलन उपस्कर, सर्वोनियंत्रण सिस्टम, सुरक्षा प्रणाली, विद्युत के लिए पैनल, नेट कार्यकरण उपस्कर, डाटा अंतरण प्रोटोकाल उपस्कर, केन्द्रीय वातानुकूलन उपस्कर, वातानुकूलन प्रणाली, पुर्जे और उनका खपने वाला सामान ।
4.	ऐसा कैप्टिव शक्ति संयंत्र जिसके अंतर्गत विकास आयुक्त/पदाभिहित अधिकारी द्वारा यथाअनुशंसित कैप्टिव उत्पादन सेट और ट्रांसफार्मर हैं ।
5.	कैप्टिव शक्ति यंत्रों के लिए पुर्जे, इंधन, स्नेहक, खपने वाला सामान और उपसाधन जिनके अंतर्गत सहायक आयुक्त द्वारा यथाअनुमोदित ट्रांसफार्मर के लिए कैप्टिव उत्पादन सेट और पुर्जे, खपने वाला सामान और उपसाधन भी हैं ।
6.	कार्यालय उपस्कर जिसके अंतर्गत पी.ए.बी.एक्स. फैक्स मशीन, वीडियो प्रक्षेपण प्रणाली, कंप्यूटर, लैपटाप, सरवर, पुर्जे और उनके खपने वाले सामान भी हैं ।
7.	कच्ची सामग्री ।
8.	संघटक ।
9.	खपने वाले सामान ।

10.	पैकेजिंग सामग्री ।
11.	औजार, जिग, गज, फिक्सर, सांचे, डाई उपकरण और उनके उपसाधन तथा पुर्जे ।
12.	उत्पाद अपयोजनीकरण विकास, मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए विद्यमान उत्पादों में से प्रत्येक उत्पाद के लिए आदिप्ररूप या तकनीकी नमूने ।
13.	ड्राइंग ब्लू प्रिंट्स और चार्ट ।
14.	मरम्मत या रिकंडीशनिंग के निर्यात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल ।
15.	परिदान लेने के लिए विदेशी क्रेता के असफल होने के कारण यूनिट से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल ।
16.	उत्पादन के प्रयोजन के लिए यूनिट के भीतर उपयोग के लिए पूंजी माल बनाने हेतु कच्ची सामग्री ।
17.	अनुमोदन बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से निर्यात माल के उत्पादन के संबंध में अपेक्षित कोई अन्य मद ।
18.	क्रेट ड्रम और परिरक्षण माध्यम (जैसे एसिड अम्ल और सिरका) ।
19.	श्रेणीकरण सारणियां ।
20.	ग्रीन हाउस उपस्कर, उपसाधन, तापित रूटिंग टेबल प्रसार ट्रै, सीडिंग मशीन ।
21.	पादप या उसके भाग, बीज, बालवृक्ष, कंद, बल्ब, रिजोम्स, जड़ों की कतरन, सभी प्रकार के प्ररोप, उत्तक संवर्ध सामग्री और बौआई और रोपण के लिए उपयोग की गई अन्य वानस्पतिकतः प्रचारित सामग्री ।
22.	उन्नतशील मीडिया जैसे पीट मास (जिसके अंतर्गत पीट लीटर भी हैं) (चाहे संपिंडित है या नहीं), पीयरलाइट (वर्मीकुलेट, राकबुल, कोका पेट, हाइड्रोकार्ब, फाम आधारित मध्यम और अन्य जुताई माध्यम ।
23.	फिल्टर ।
24.	ड्रिपलायर, ड्रिपलाइन और ड्रिपफिटिंग ।
25.	माइक्रो-स्प्रिगकलर और मिस्टर्स ।
26.	कृषि संबंधी स्प्रिगकलर ।
27.	उर्वरक टैंक ।
28.	वाल्व ।
29.	उर्वरक पंप और रासायनिक इन्जेक्शन ।
30.	पूर्व और पश्च फसल कटाई उपचारों के लिए उर्वरक और रासायन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, पादप और विकास विनियामक तथा अन्य कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ जो पादप पोषण, कीटनाशी, कवकनाशी, अपतृणनाशी, शाकनाशी में प्रयुक्त होते हैं ।

## उपाबंध - 2

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	ग्रीन हाउस उपस्कर, उपसाधन, तापित रूटिंग टेबल प्रसार ट्रै, सीडिंग मशीन ।
2.	उन्नतशील मीडिया जैसे पीट मास (जिसके अंतर्गत पीट लीटर भी हैं) (चाहे संपिंडित है या नहीं), पीयरलाइट/वर्मीकुलेट, राकवुल, कोका पेट, हाइड्रोकार्ब, फाम आधारित मध्यम और अन्य जुताई माध्यम ।
3.	कार्यालय उपस्कर, पुर्जे और उनका खपने वाला सामान ।
4.	जीव जंतु खाद्य जैसे पशु खाद्य और कुक्कुट दाना ।
5.	पशु चिकित्सीय औषधियां जिसके अंतर्गत टीके भी हैं ।
6.	पैकेजिंग सामग्री जिसके अंतर्गत पैकेजिंग के लिए मशीनरी और उपस्कर भी हैं ।
7.	शीत कक्ष भंडारण कक्ष प्रोकूलिंग चैम्बरों और उसके उपसाधनों के लिए शीतलन उपस्कर और उसके उपसाधन ।
8.	छंटाई उपस्कर, श्रेणीकरण उपस्कर, पैकिंग उपस्कर और ताप नियंत्रण या आद्रता नियंत्रण उपस्कर ।
9.	शक्ति जनक समुच्चय, परिवहन यानों पर फिटमेंट परिशीतन और वातानुकूलन उपस्कर ।
10.	उपर मद्द संख्या 7 से 9 में उल्लिखित माल के अनुस्क्षण के लिए अतिरिक्त पुर्जे ।
11.	अनुमोदन बोर्ड द्वारा यथा अनुमोदित शक्ति जनक समुच्चय के लिए उच्च गति डीजल तेल ।
12.	पादप या उसके भाग, बीज, बालवृक्ष, कंद, बल्ब, रिजोम्स, जड़ों की कतरन, सभी प्रकार के प्ररोप, उत्तक संवर्ध सामग्री और बौआई और रोपण के लिए उपयोग की गई अन्य वानस्पतिकतः प्रचारित सामग्री ।
13.	फिल्टर ।
14.	ड्रिपलायर, ड्रिपलाइन और ड्रिपफिटिंग ।
15.	माइक्रो-स्प्रिंकलर और मिस्टर्स ।
16.	कृषि संबंधी स्प्रिंकलर ।
17.	उर्वरक टैंक ।
18.	वाल्व ।
19.	उर्वरक पंप और रासायनिक इन्जेक्शन ।
20.	पूर्व और पश्च फसल कटाई उपचारों के लिए उर्वरक और रासायन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व, पादप और विकास विनियामक तथा अन्य कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ जो पादप पोषण, कीटनाशी, कवकनाशी, अपतृणनाशी, शाकनाशी आदि में प्रयुक्त होते हैं ।

## उपाबंध - 3

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	अध्याय 1 के अंतर्गत आने वाले जीवित पशु ।
2.	शीर्ष 04.07 के अंतर्गत के खोल सहित पक्षियों के अंडे (ताजे) ।
3.	हरे वृक्ष और अन्य पादप, कंद, जड़े इत्यादि, कर्तित पुष्प और अलंकृत पर्णसमूह ।
4.	शीर्ष 0701 से शीर्ष 0709 के अंतर्गत ताजी वनस्पतियां, शीर्ष 0712 और शीर्ष 0713 के अंतर्गत संपूर्ण बिना कटी धूप में सुखाई गई वनस्पतियां, शीर्ष 0714 के अंतर्गत ताजी और बिना कटे/धूप में सुखाएं गए जड़ और ट्यूबर ।
5.	शीर्ष 0801 से शीर्ष 0810 के अंतर्गत ताजे और बिना कटे/धूप में सुखाएं गए खाद्य फल और गिरियां ।
6.	शीर्ष 1211 के अंतर्गत ताजी या धूप में सुखाई गए पादप या ऐसे पादपों के भाग ।
7.	शीर्ष 5001 के अंतर्गत रेशम कीट कोकुंद और शीर्ष 5002 के अंतर्गत अपरिष्कृत रेशम ।

टिप्पण : इस उपाबंध में “अध्याय” और “शीर्ष” के अर्थ क्रमशः सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में अध्याय और शीर्ष है ।

## उपाबंध 4

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	पूँजी माल जिसके अंतर्गत पैकेजिंग के लिए संयंत्र और मशीनरी भी है संवाहक पट्टे और अंडजनन स्फूटनशाला, जल फार्म प्रसंस्करण संयंत्र, प्रशीतल एकक (शीतागार) और भरण संयंत्र के लिए उपसाधन, अतिरिक्त पुर्जे और खपने वाला सामान जिसके अंतर्गत उनके लिए स्नेहक भी है ।
2.	उपस्कर को हथलाने वाली सामग्री अर्थात् फॉर्क लिफ्ट, शिरोपरि क्रेन, चल क्रेन, कालर क्रेन, उत्तोलक और चायक और उनके लिए पुर्जे, खपने वाले सामान जिसके अंतर्गत स्नेहक भी है ।
3.	ऐसा कैप्टिव शक्ति संयंत्र जिसके अंतर्गत विकास आयुक्त द्वारा यथाअनुशंसित शक्ति उत्पादन सेट और क्वालिटी आश्वासन उपस्कर भी है तथा उपसाधन ।
4.	औजार, जिग, गज, फिक्सर, सांचे, डाई उपकरण और उपसाधन ।
5.	शीतकक्ष परिधान ।
6.	जल उपचार के लिए रसायन जियोलाइट, चाय, ब्रीज, चूर्ण / केक, अपशिष्ट डाइजेस्टर, नाशकजीवमार, कवकनाशी, पशु चिकित्सीय औषधियाँ जिसके अंतर्गत टीके भी हैं ।
7.	कार्यालय उपस्कर पुर्जे और उनके खपने वाला सामान ।
8.	झींगा/मछली तथा अन्य जलचर जिसके अंतर्गत आरटीमिया (ब्रेन थ्रिप्प अंडे) हैं, के लिए खाद्य और अन्य हेचिरी खाद्य ।
9.	जलीय जीव-जंतुओं के लिए खाद्य संबंधी कच्ची सामग्री अर्थात् द्रव्य, पाउडर या अन्य रूप में मछली और अन्य जलीय अंतशेरुकी जैसे स्किविड/झींगों का भोजन, मछली, लिपिड, तेल, स्किविड तेल, पशु चिकित्सा श्रेणी, विटामिनों और खनिजों की प्रीमिक्स जो मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है समुद्र अपव्यय, पाउडर, कल्प मील, मोलासिस, यीस्ट, सोलिन क्लोराइट, प्रतियाक्षीकारक जिसके अंतर्गत विटामिन लिसिथिन, डाइकैल्सियम फास्फेट और कैल्सियम लैक्टेट नहीं है । जिन्हें पशु-चिकित्सा अनुप्रयोग से भिन्न अनुप्रयोग में उपयोग किया जा सकता है ।
10.	परिष्कारक, प्रिमिक्स टेस्टमेकर, बैटरी की सामग्री, विशेष रसोई माध्यम, डबल रोटी का चूर्ण/पाउडर सभी प्रकार की पैकेजिंग सामग्री ।
11.	सभी प्रकार की पैकेजिंग सामग्री ।
12.	कैट फिश, अण्डे, फ्राईस और फिंगर लिग्स
13.	अनुमोदन बोर्ड द्वारा यथा अनुमोदित शक्ति जनक समुच्चय के लिए उच्च गति डीजल तेल ।

## उपाबंध 5

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	द्रवचालित उत्खनक
2.	वातीय संपीडित
3.	जैक हथोड़े
4.	द्रवचालित वेधन मंत्र
5.	लाइन वेधन
6.	(फ्रंट छोर भारक) फ्रंट एंड लोडर
7.	वातीय पेषक
8.	हीरातार आरी
9.	ड्रोसिंग मशीन
10.	कोरे वेधन यंत्र
11.	जेट बर्नर
12.	क्रेन
13.	डेरिक
14.	टिप्पर और डम्पर
15.	बोल्डिंग मशीन
16.	जनक समुच्चय
17.	इस्पात की जंजीर और इस्पात के रस्से
18.	डी-शैकल्स
19.	हीरे के तार
20.	हीरे के टुकड़े
21.	टंगस्टन कार्बन ड्रिलर (बरमा) की छंदे

22.	इस्पात की पंखडियां और बिड़ले
23.	बर्नर नोजल
24.	वेल्डिंग छड़े
25.	हाइड्रोलिक तेल और स्नेहक
26.	विस्फोटक सामग्री
27.	छेनी, हथौड़े, जैनपुली ब्लाक
28.	इस्पात पिलोकिट
29.	धूलि संग्राहक
30.	खपने वाला सामान और औजार

### उपाबंध 6

क्रम सं.	माल का वर्णन
1.	पूँजी माल ।
2.	कच्ची सामग्री ।
3.	मशीनरी के अतिरिक्त पुर्जे ।
4.	माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित खपने वाला सामान ।
5.	संगठक ।
6.	नमूने, विनिर्माण क्रियाकलाप के अंतर्गत आने वाले चीजों के प्रत्येक प्रकार के प्रोटोटाइप नमूने जिनकी संख्या दो से अधिक न हो ।
7.	पैकेजिंग सामग्री
8.	औजार, जिग, गज, फिक्सर, सांचे, डाई उपकरण और उपसाधन ।
9.	विनिर्माण क्रियाकलाप से संबंधित ड्राइंग ब्लू प्रिंट्स, तकनीकी मानचित्र और चार्ट ।
10.	परिदान लेने या मरम्मत या पुनः निर्माण के पश्चात् पुनःनिर्यात के लिए क्रेता के असफल होने के कारण निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल ।
11.	मरम्मत या पुनः निर्यात के लिए पुनः निर्माण के लिए पुराना स्वर्ण/प्लेटिनम/चांदी आभूषण ।
12.	कार्यालय उपस्कर, पुर्जे और उनका खपने वाला सामान ।

[फा. सं. 305/45/2003-एफटीटी]

डी.एस. गरब्याल, अवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

[No. 52/2003-Customs]

G.S.R. 274(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) (hereinafter referred to as the said Customs Act), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts,-

- (a) all goods as specified in the Annexure –I to this notification, when imported or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act or from international exhibition held in India for the purposes of -
- (i) manufacture of articles for export or for being used in connection with the production or packaging or job work for export of goods or services by export oriented undertaking ( hereinafter referred to as the unit ) other than those referred to in clauses (b), (c) and (e), or
- (ii) manufacture or development of software, data entry and conversion, data processing, data analysis and control data management or call center services for export by Software Technology Park (STP) unit, or a unit in Software Technology Park Complex under the export oriented scheme ( hereinafter referred to as the unit) ; or

- (iii) manufacture and development of electronics hardware or electronics hardware and software in an integrated manner for export by an Electronic Hardware Technology Park ( EHTP) unit or a unit in Electronic Hardware Technology Park Complex under the export oriented scheme (hereinafter referred to as the unit ); or
- (b) all goods specified in the Annexure-II to this notification, when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act or from international exhibition held in India for the purposes of production, manufacture or packaging of articles specified in Annexure –III for export by export oriented undertaking in horticulture, agriculture and animal husbandary sector ( hereinafter referred to as the unit); or
- (c) all goods specified in the Annexure-IV to this notification when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act or from international exhibition held in India for the purpose of use in aqua-culture farm in connection with operational requirements of such aquacultural farm and export of aquacultural products so produced by export oriented undertaking in aquaculture sector (hereinafter referred to as the unit); or
- (d) all goods specified in the Annexure-V to this notification, when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act or from international exhibition

held in India for the purposes of quarrying of granite by export oriented undertaking engaged in processing and manufacture or production of articles of granite for export (hereinafter referred to as the unit) ; or

- (e) all goods specified in the Annexure-VI, when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act or from international exhibition held in India for the purpose of manufacture of gems and jewellery and export thereof by export oriented undertaking in the Special Export Oriented Complex, Jhandewalan and export oriented undertaking in gems and jewellery sector (hereinafter referred to the unit) ,

from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 ( 51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:-

- (1) The importer has been authorised by the Development Commissioner to establish the unit for the purposes specified in clauses (a) to (e) of the opening paragraph of this notification;
- (2) The unit carries out the manufacture, production, packaging or job-work or service in Customs bond and subject to such other condition as may be specified by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Central Excise or Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, (hereinafter referred as the said officer) in this behalf;
- (3) The unit executes a bond in such form and for such sum and with such authority, as may be specified by the said officer, binding himself,—

- (a) to bring the said goods into the unit or and use them for the specified purpose mentioned in clauses (a) to (e) in the opening paragraph of this notification ;
- (b) to maintain proper account of the receipt, storage and utilization of the goods;
- (c) to dispose of the goods or services, the articles produced, manufactured, processed and packaged in the unit, or the waste, scrap and remnants arising out of such production, manufacture, processing or packaging in the manner as provided in the Export and Import Policy and in this notification;
- (d) to pay on demand-
  - (I) an amount equal to duty leviable on the goods and interest at a rate as specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue,) issued under section 28AB of the said Customs Act on the said duty from the date of duty free import of the said goods till the date of payment of such duty, if -
    - (i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the said officer to have been installed or otherwise used within the unit, within a period of one year from the date of import or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the said officer may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;
    - (ii) in the case of goods other than capital goods, such goods as are not proved to the satisfaction of the said officer to have been used in connection with the production or packaging of

goods for export out of India or cleared for home consumption within a period of three years from the date of import or procurement thereof or within such extended period as the said officer may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;

(iii) in the case of,-

- (a) goods produced or packaged, such goods have not been exported out of India, and
- (b) unused goods (including empty cones, bobbins or containers, if any, suitable for repeated use) as have not been exported or cleared for home consumption,

within a period of one year from the date of import or procurement of such goods or within such extended period as the said officer, as the case may be, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;

(II) in case of failure to achieve the said positive Net Foreign exchange Earning , the duty equal in amount to the portion of the duty leviable on the said goods but for the exemption contained in this notification and the duty so payable shall bear the same proportion as the unachieved portion of Net Foreign exchange Earning bears to the positive Net Foreign exchange Earning to be achieved alongwith interest at the rate as specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue,) issued under section 28AB of the said Customs Act, on the said duty to be paid on demand from the date of importation or procurement of the said goods till the payment of such duty.

(4) The said officer may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him and subject to the provisions of the Export and Import Policy,—

- (i) permit re-export of the goods;
- (ii) permit the capital goods or goods manufactured, produced, processed, or packaged in the unit to be taken to any other unit in a special economic zone, or to other export oriented undertaking, or Electronic Hardware Technology Park ( EHTP) unit, or Software Technology Park ( STP) unit, as the case may be, without payment of duty for the purpose of manufacture and export therefrom or for use within the unit subject to maintenance of proper accounts by both the receiving and supplying units;
- (iii) permit the goods (other then capital goods) or goods partially processed or manufactured or packaged in the unit, to be taken outside the unit without payment of duty for the purpose of test, repairs, replacement, calibration, refining, processing, display, job-work or any other operation necessary for manufacture of final product and to be returned to the unit, thereafter or remove the same without payment of duty under bond for export from job-worker's premises:

Provided that in case of export from the job-worker's premises, such job-worker shall be Central Excise registrant under section 6 of the Central Excise Act, 1944 ( 1 of 1944), read with rule 9 of the Central Excise Rules, 2002:

Provided further that waste or scrap or remnants generated during such process at the job-worker's premises shall be either returned to the unit or shall be cleared on payment of duty as if the said waste, scrap or remnants have been cleared by the same unit;

- (iv) permit removal of moulds, jigs, tool, fixtures, tackles, instruments, hangers, patterns and drawings without payment of duty to the premises of the sub-contractors subject to the condition that such goods shall be brought back to the unit on completion of the job-work within the stipulated period as specified by the said officer;
- (v) permit the goods or goods partially processed or manufactured or packaged therefrom in the unit to be taken out of India for the purpose of processing if such processing is not available in India, after the approval of the Board of Approval, without payment of duty and to be returned to the unit thereafter, subject to such condition or limitation, as may be specified by him in this behalf:

Provided that this condition shall not apply to the unit engaged in manufacture and export of gem and jewellery;

(5) Where whole of the process of manufacture by unit is not possible to be undertaken in bond, with the approval of Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be, may, subject to such conditions as may be specified by him, permit such unit to undertake such of the processes as necessary, in Customs bond.

(6) The said officer may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him and subject to the provisions of Export and Import Policy, permit the unit engaged in manufacture and export of gems and jewellery, –

- (i) to take out gold or silver or platinum for job-work in the Domestic Tariff Area and to bring back the jewellery finished or semi-finished, including studded jewellery :

Provided that no cut and polished diamonds, precious stones or semi-precious stones shall be allowed to be taken out of the unit;

- (ii) to receive plain gold or plain silver or plain platinum jewellery from any place in India against exchange of gold or silver or platinum, as the case may be, of the equivalent quantity in weight as that of the said gold or silver or platinum contained in the said jewellery:

Provided that in case of activities mentioned at (i) and (ii) in this condition, the Domestic Tariff Area unit supplying such jewellery against exchange of gold or silver or platinum or after jobwork shall not be entitled for deemed export benefits and the said unit shall not be eligible for wastage or manufacturing loss against exchange of such jewellery in case of activity as mentioned at (ii) above;

- (iii) to re-export the imported goods and export the domestically procured goods including goods generated out of partial processing or manufacturing from such goods;
- (iv) with the approval of the Development Commissioner, personal carriage of gold jewellery or silver jewellery or platinum jewellery or precious stones or semi-precious stones or beads and articles as samples upto US\$ 1,00,000/-, for export promotion tours and temporary display or sale abroad subject to the condition that the exporter would bring back such jewellery, precious stones or semi-precious stones or beads and articles or the sale proceeds within a period of forty-five days from the date of departure through normal banking channel;

- (v) with the approval of Development Commissioner, export of jewellery for holding, or participating in, an exhibition abroad subject to the condition that the jewellery not sold shall be re-imported within sixty days of the close of the exhibition;
- (vi) to export jewellery including branded jewellery for display and sale in the permanent shops set up abroad, provided that such items not sold abroad within one hundred eighty days, shall be re-imported within next forty five days ;
- (vii) to remove parts and tools of machines temporarily into Domestic Tariff Area without payment of duty for the purpose of repairs and return thereof after such repairs;
- (viii) to remove moulds, tools, patterns and drawing to the premises of the sub-contractors for jobwork without payment of duty and to be returned to the unit thereafter within the period specified in this behalf by the said officer;
- (ix ) to send scrap, dust or sweepings of gold or silver arising in the manufacturing process in its unit to the Government Mint for conversion into standard gold or silver bars and to be returned to the said unit thereafter in accordance of the procedures specified by the Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise in this regard or to clear such scrap, dust or sweeping to the Domestic Tariff Area on payment of duty on the gold or silver content in the said scrap, dust or sweepings as specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 80/97-Customs, dated the 21<sup>st</sup> October 1997;

- (x) clearance of jewellery into Domestic Tariff Area up to ten per cent. of the value of export of the unit in the preceding year, on payment of applicable duties, subject to the permission of the Development Commissioner;
- (xi) import and export of the said goods, other than capital goods, under this notification by air freight through the Customs Airports of Mumbai, Kolkata, Chennai, Thiruvananthapuram, Delhi and Bangalore or through the post parcel;
- (xii) to export jewellery manufactured in the unit through the authorized couriers as per procedure specified by the Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be;

Provided that exports are made through Customs Houses at Mumbai, Kolkata, Chennai, Delhi, Jaipur, Bangalore, Ahmedabad, or Hyderabad and the Free On Board (FOB) value of any consignment through authorized courier shall not exceed rupees twenty lakhs;

- (xiii) to supply gem and jewellery manufactured in the said unit to the retail outlets or showrooms set up in the departure lounge at international airports at Calicut, Cochin, Delhi, Hyderabad, Kolkata, Mumbai, Thiruvananthapuram and Visakhapatnam, in accordance with the Export and Import Policy for sale to the tourist as defined in the Baggage Rules, 1998, leaving India in accordance with the procedures specified by the Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be;
- (xiv) situated in municipal limits of Chennai, Delhi, Kolkata and Mumbai, to sell gems and jewellery manufactured in the unit to

foreign bound passengers to be transferred in accordance with Export and Import Policy to the customs warehouse at respective Customs Airport for being handed over to the said passenger for the purpose of export as per procedure specified by the respective Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be, in this regard;

- (xv) subject to the fulfillment of such conditions as he may specify, wastage of gold or platinum specified in column (2) of the Table given below or wastage of silver as specified in column (3) of the said Table, during the manufacture of jewellery of description in the corresponding entry in column (1) of the said Table;

**TABLE**

Description of Jewellery (1)	% of wastage of Gold or Platinum (2)	% of wastage of Silver (3)
Plain jewellery and articles thereof unstudded	3.5%	4.5%
Studded jewellery and articles thereof	9.0%	10%
Mountings and findings used in the plain jewellery	3.5%	4.5%
Mountings, whether imported or indigenously procured or manufactured used in the studded jewellery	2.5%	2.5%
Gold or Silver or Platinum medallion and coins (excluding the coins of the nature of legal tender)	0.25%	0.25%

**Explanation.-** For the purposes of this sub-condition,

- a) the percentage of wastage shall be calculated with reference to the total quantity of gold or silver or platinum imported or issued for manufacture of the jewellery;
- b) no wastage shall be allowed for jewellery procured against exchange under provisions of the Export and Import Policy;
- c) the expression "Plain Jewellery and articles thereof unstudded" shall include 'Mangal Sutra' containing gold and black beads and jewellery studded with imitation stones and cubic zirconia and semi precious tones:

Provided that per gram value of the semi-precious stones utilized in the making of jewellery and articles is less than the per gram value of gold.

(7) In the event of unit engaged in manufacture and export of gem and jewellery ceasing its operation, gold, other precious metal, alloys, gems and other materials for the manufacture of jewellery shall be transferred to such person, undertaking, agency or authority, as the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry, may specify in this behalf.

(8) Subject to the satisfaction of the said officer, duty shall not be leviable in respect of—

- (i) the capital goods, if such capital goods are destroyed within the unit or outside the unit, when it is not possible or permissible to destroy the same within the unit, in the presence of Customs or Central Excise Officer;
- (ii) the scrap or waste material or remnants arising in the course of production, manufacture, processing or packaging, if such scrap or waste material or remnants are destroyed within the unit or destroyed outside the unit when it is not possible to destroy the same within the unit :

Provided that this condition shall not apply in the case of unit engaged in manufacture and export of gem & jewellery.

- (9) The Software Technology Park (STP) unit may be allowed to import duty free Telematic Infrastructure equipment. The telemetric infrastructure equipment so imported may also be utilized for export by other Software Technology Park (STP) units.
- (10) The Commissioner of Customs or Commissioner of Central excise, may allow the infrastructural equipments imported by Software Technology Park (STP) unit to be linked to research or educational institute (other than institute engaged in commercial activities) as may be approved by the Inter Ministerial Standing Committee for research, education or any such non commercial purposes as per procedure specified by him in this regard and subject to necessary permission granted by the Inter Ministerial Standing Committee;
- (11) The said officer may permit Software Technology Park (STP) unit to use computer system for training purposes (including commercial training) subject to the condition that the unit had achieved positive Net Foreign exchange Earning and that no computer terminal shall be installed outside the bonded premises for this purpose;
- (12) The said officer, subject to approval of the Commissioner of Customs or Commissioner of Central excise, as the case may be, may allow diesel generating sets or captive power plants, central air-conditioning equipments, uninterrupted power supply system, networking equipments, EPABX, Fax. Photocopier equipment, data transfer protocol equipments, and security system imported by a Software Technology Park (STP) Unit to be utilized by the other Software Technology Park (STP) units, belonging to the owner of importing unit and located in the same compound or

nearby or adjoining premises for the purpose of development of software and export thereof.

2. Notwithstanding anything contained in this notification, in a case of unit engaged in the development of Computer Software, data entry and conversion, data processing, data analysis and control or data management, the exemption contained in this notification shall also apply to goods imported by such units for providing consultancy services for development of software “on site” abroad:

Provided that the conditions stipulated in this notification are complied with by such unit and the duty free goods are not used outside the bonded premises.

*Explanation.*— The consultancy fees received by such unit in convertible foreign currency for consultancy services for development of software ‘on site’ abroad shall be deemed to be exports for the purpose of fulfilment of positive Net Foreign exchange Earning under this notification.

3. Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption herewith shall also apply to goods which on importation into India or procurement, are used for the purpose of manufacture of finished goods or services and such finished goods and services, (including by-products, rejects, waste and scrap arising in the course of production, manufacture, processing or packaging of such goods) even if not exported, are allowed to be sold in Domestic Tariff Area in accordance with the Export and Import Policy and subject to such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by Development Commissioner, or the Board of Approval or the Inter Ministerial Standing Committee, as the case may be, on payment of appropriate duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) or where such finished goods (including by-products, rejects, waste

and scrap) or services are cleared to the warehouse appointed or registered under notification of the Government of India in the Ministry of Finance ( Department of Revenue) No. 26/98-Central Excise ( NT), dated the 15<sup>th</sup> July, 1998 or No. 46/2001-Central Excise ( NT), dated the 26<sup>th</sup> June, 2001 or cleared to the warehouse authorised to carry out manufacturing process or other operation under section 65 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and under the Manufacture and Other Operations in Warehouse Regulation, or cleared to the holders of certificate from Apparel Export Promotion Council and Council for Leather Export for duty free imports as referred to in clause (e) of the paragraph 6.9 of the Export and Import Policy, without payment of duty :

Provided that where such finished goods (including rejects, waste and scrap and remnants) are not excisable, customs duty equal in amount to that leviable on the inputs imported under this notification and used for the purpose of manufacture of such finished goods, which would have been paid but for the exemption under this notification shall be payable at the time of clearance of such finished goods:

Provided further that the Software Technology Park ( STP) unit and the Electronic Hardware Technology Park (EHTP) unit engaged in manufacture of electronic hardware and software in integrated manner, shall be allowed to sell software, data entry and conversion, data processing, data analysis, control data management or rendering of call center services through data communication link and or tele communication link subject to such conditions as may be specified by the Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be:

Provided also that goods, which have been repaired, reconditioned, re-engineered shall not be allowed to be sold in the Domestic Tariff Area.

4. Without prejudice to any other provision contained in this notification, the said officer may, subject to such conditions and limitations as he may deem

fit to impose under the circumstances of the case for the proper safeguard of revenue interest and also subject to such permission of the Development Commissioner, wherever it is specially required under the Export and Import Policy, allow the unit to clear any of the said goods for being taken outside the unit, to any other place in India in accordance with the Export and Import Policy:

Provided that -

- (a) such clearance of capital goods, may be allowed on payment of duty either on the depreciated value thereof and at the rate in force on the date of payment of such duty or on the transaction value whichever is higher, The depreciation shall be allowed at the rate of 20% per annum of the original value in respect of computer and computer peripheral items and 10% per annum in case of other capital goods.

*Explanation.* - The depreciation shall be allowed for the period from the date of commencement of commercial production of the unit or where such goods have been received after such commencement, from the date such goods have come into use for commercial production to the date of payment of duty;

- (b) such clearance of goods (including empty cones, bobbins, containers, suitable for repeated use) other than those specified in clause (a) may be allowed on payment of duty on the value at the time of import and at rates in force on the date of payment of such duty;
- (c) such clearance of used packing materials, such as cardboard boxes, polyethylene bags of a kind unsuitable for repeated use, without payment of any duty.

5. Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained therein shall also apply to silver and gold falling under heading No. 7106 and 7108 respectively, of the First Schedule to the said Customs Tariff

Act imported by the nominated agencies for being supplied to the gem and jewellery units under the scheme for export of gold jewellery and articles as specified in the Export and Import Policy, read with Chapter 6 of the Handbook of Procedures, Vol. I:

Provided that where silver or gold or platinum is imported on behalf of the said unit engaged in manufacture and export of gem and jewellery, the exemption shall apply only if-

- (a) the procedure as may be specified by the said officer is followed by such jewellery unit; and
- (b) the conditions stipulated in the opening paragraph are complied with by such jewellery unit:

Provided further that in the event of the unit engaged in manufacture and export of gem and jewellery to whom the silver or gold has been supplied, fails to export the jewellery made out of such silver or gold within the time specified in the Export and Import Policy under the respective scheme, the nominated agencies shall deposit duty on the quantity of the silver or gold as the case may be, not contained in the jewellery exported at the rate of duty leviable on the silver or gold as provided in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance No. 80/97—Customs, dated the 21<sup>st</sup> October, 1997 within seven days of the expiry of the period within which the said jewellery manufactured out of the said silver or gold was required to be exported.

6. Notwithstanding anything contained in this notification, the said officer may permit the unit engaged in,-

- (a) processing of agriculture products referred to in sub-clause (i) of clause (a) of opening paragraph of this notification to take out goods as specified at Sl. Nos. 18 to 30 in Annexure-I; and
- (b) production or manufacture or packaging of articles as specified in

clause (b) of opening paragraph of this notification to take out goods as specified at Sl. Nos. 12 to 20 in Annexure-II, to the fields and farms of contract farmers of the unit for production or in connection therewith; and to bring back the produce to the unit for exports, in accordance with the provisions of Export and Import Policy and Handbook of Procedures, Volume-I and subject to the following conditions:-

- (i) the unit shall produce an agreement between it and contract farmer(s) to the said officer;
- (ii) in case of unit other than those which are in existence for less than two years shall be required to furnish a bank guarantee equal to the total duty foregone on the goods so transferred to the fields or farms of contract farmers;
- (iii) prior to import of the goods, the unit shall apply to the said officer giving the details, such as, number of contact farmers and location of their farms, measurement of the farms or fields under contact farming, input-output norms of production as fixed by Directorate General of Foreign Trade and their projected requirements and after examination of the such projected requirement, the said officer shall give permission for the import or procurement of the same on annual basis;
- (iv) in case of failure of the unit to bring back the agriculture or horticulture produce so produced in the fields or farms of contract farmers to the unit, as per the norms notified by the Directorate General of Foreign Trade, within the same season or such extended period as may be permitted by the Commissioner of Customs or Commissioner of Central Excise, as the case may be, due to any reason including natural calamity or loss of crop, the unit shall be required to pay the duty equal to the duty forgone on the inputs so

taken out to the fields or farms of the contract farmers;

- (v) in respect of goods which has been allowed to be transferred to the fields or farms of the contract farmers, at any point of time as may be decided by the said officer, the unit shall be required to account for the goods so transferred to the fields or farms of the contract farmers;
- (vi) in case of non-accountal of goods so transferred or use of the goods in farms or fields other than those declared to the proper officers, the unit shall pay duty foregone on such un-accounted goods along with the interest at the rate as specified in the notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue issued under section 28 AB of the said Customs Act within 10 days of receipt of demand notice, and in case of failure to pay the same, the said officer, may en-cash the bank guarantee and disallow the duty free procurement under this notification;
- (vii) the unit shall be required to have a premise(s) duty bonded under section 58 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), for storage of goods procured duty free under this notification and, of final products manufactured therefrom.

7. The units engaged in the processing or manufacture or production of articles of granite for export as specified in clause (d) of the opening paragraph, may be allowed to take the goods, as specified in Annexure- V, out of the bonded premises to the granite quarries for the purposes of quarrying of granite subject to the following conditions, namely-

- (i) the quarries are in the name of the unit either on lease basis or on ownership basis. The location and area of quarries or any subsequent change in location of quarry or quarries at a later stage shall be

intimated by the unit to the Development Commissioner and said officer;

- (ii) the goods are used by the unit for the purpose of quarrying of granite meant for further processing or manufacture or production of articles of granite for export by its own export oriented undertaking;
- (iii) the unit maintains a proper account of receipt, consumption and utilisation of the said goods and of granite so quarried and transferred to his processing unit or to any other export oriented unit or units in special economic zone, and shall submit such accounts periodically to the Development Commissioner of the Zone and to the said officer, in such form and in such manner as may be laid down by the Development Commissioner or the said officer, as the case may be ;
- (iv) the said officer may, subject to such conditions and limitations as he may specify and subject to the provisions of the Export and Import Policy, allow –
  - (a) the unit to supply granite so quarried to other export oriented undertaking or units in the special economic zone without payment of duty;
  - (b) the goods to be taken out temporarily without payment of duty for repairs and return thereof;
  - (c) the unit to export the goods;
  - (d) destruction of obsolete capital goods without payment of duty, if such goods are destroyed in the presence of the Customs Officer or Central Excise Officer;
  - (e) the goods shall not be transferred or shifted to any other site or quarry owned or taken on lease by the unit without permission of the said officer;

- (f) the accounts of the said goods used at the quarrying site shall be kept in the site in a properly constructed office to enable the verification of the same as and when required;
- (g) the goods so quarried shall be removed from the quarry site only for supply to unit's own processing unit or for supply to an other export oriented unit or the unit in the special economic zone engaged in processing or production or manufacture of articles of granite and export thereof and shall not be allowed to be exported as such or to be cleared in Domestic Tariff Area;

8. Without prejudice to other provisions of this notification, where the said officer is satisfied that the unit, which has been permitted by the concerned State Electricity Board in this behalf, has been permitted by Development Commissioner to sell into Domestic Tariff Area or transfer to other export oriented undertaking or Software Technology Park (STP) unit or Electronic Hardware Technology Park (EHTP) unit or a unit in a special economic zone, the surplus power generated in its diesel generating sets or captive power plant subject to fulfilment of such conditions as may be specified by the said officer in this behalf, the said officer may allow the unit, -

- (i) to sell such surplus power in Domestic Tariff Area on payment of an amount equal to the duty leviable on consumables and raw materials but for the exemption of duty thereon, used for generation of each unit of power so sold in the Domestic Tariff Area on the basis of norms approved by the Board of Approval or Inter Ministerial Standing Committee;
- (ii) to transfer such surplus power to other export oriented undertaking or Software Technology Park (STP) unit or Electronic Hardware Technology

Park ( EHTP) unit or unit in a Special Economic Zone without payment of duty:

Provided that both supplying and receiving unit shall maintain account for the quantity of consumables and raw materials used in generation of each unit of power so transferred as quantified on the basis of norms approved by the Board of Approval or Inter Ministerial Standing Committee, for the purpose of calculation of Net Foreign Exchange Earning.

9. Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to computer and computer peripherals including printer, plotter, scanner, monitor, key-board and storage units, when donated by unit two years after their import or procurement and use by the unit, to the recognised non-commercial educational institutions, registered charitable hospitals, public libraries, public funded research and development establishments, organisations of the Government of a State or Union Territory subject to the following conditions:-

- (a) in case the donee is a recognised non-commercial educational institution, registered charitable hospital, public library, public funded research and development establishment, the donor certifies that the donee is an educational institution, hospital, library or research and development establishment, as the case may be, and
- (b) the donee undertakes to observe the procedure, as may be prescribed by the said officer, having jurisdiction over the donor's unit, for transport of the said goods shall not be used for commercial purposes, and shall not sold, disposed of, gifted, loaned, exchanged or parted with, without the permission of the said officer within the period of five years from the date of receipt of the said goods to him from the donor.

10. Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to spares and consumables, to the extent of 1.5% of the ex-factory value of the articles manufactured for export out of India by the unit during the preceding year or such percentage in excess thereof as the Central Government may in each individual case allow having regard to the recommendation made in this behalf by the Board of Approval for the purpose of supply of such spares and consumables with the export articles for after-sale-service subject to the condition that such supply is specifically stipulated in the relevant export contract and the said officer is satisfied that the value of such spares and consumable has been included for arriving at the Net Foreign exchange Earning as required under the Export and Import Policy.

11. Nothing contained in this notification shall apply to the goods imported by a service sector export oriented undertaking as specified in clause (a) in the opening paragraph, who does not directly export services out of India.

12. The notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, Nos. 3/88-Customs, dated the 14<sup>th</sup> January 1988 ( G.S.R. 31(E), dated the 14<sup>th</sup> January, 1988), 277/90-Customs, dated the 12<sup>th</sup> December 1990, (G.S.R. 943(E), dated the 12<sup>th</sup> December, 1990), 138/91-Customs, dated the 22<sup>nd</sup> October 1991 (G.S.R. 639(E), dated the 22<sup>nd</sup> October 1991), 140/91-Customs, dated the 22<sup>nd</sup> October 1991, ( G.S.R. 641(E), dated the 22<sup>nd</sup> October 1991), 95/93-Customs, dated the 2<sup>nd</sup> March 1993( G.S.R. 254(E), dated the 2<sup>nd</sup> March, 1993), 96/93-Customs, dated the 2<sup>nd</sup> March 1993, ( G.S.R. 255(E), dated the 2<sup>nd</sup> March 1993), 126/94-Customs, dated the 3<sup>rd</sup> June 1994, (G.S.R. 488(E), dated the 3<sup>rd</sup> June 1994), 196/94-Customs, dated the 8<sup>th</sup> December 1994, (G.S.R. 856(E), dated the 8<sup>th</sup> December 1994), 53/97-

Customs, dated the 3<sup>rd</sup> June, 1997, (G.S.R. 302(E), dated the 3<sup>rd</sup> June 1997), 47/98-Customs, dated the 16<sup>th</sup> July, 1998 ( G.S.R No. 391(E), dated the 16<sup>th</sup> July, 1998), and 58/2000-Customs, dated the 8<sup>th</sup> May, 2000 (G.S.R. 415(E) dated the 8<sup>th</sup> May, 2000) are hereby rescinded.

13. This notification shall come into force on the 1<sup>st</sup> day of April, 2003.

**Explanation-** For the purposes of this notification,-

- (i) “Board of Approval” means the authority appointed by the Central Government in exercise of the powers conferred by section 14 of the Industries (Development or Regulation) Act, 1951(65 of 1951) and the rules made under that Act;
- (ii) “ Domestic Tariff Area” means area except special economic zone, export oriented undertakings, Software Technology Park unit and Electronic Hardware Technology Park unit;
- (iii) “Export and Import Policy” means Export and Import Policy, 1 April 2002 – 31 March 2007, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 1(RE-2003) /2002-07, dated 31<sup>st</sup> March, 2003, as amended from time to time;
- (iv) “export oriented undertaking” has the same meaning as assigned to “hundred percent. export oriented undertaking” in clause (ii) to the *Explanation* of sub-section (1) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 ( 1 of 1944);
- (v) “Electronic Hardware Technology Park (EHTP) unit” means a unit established under and in accordance with the Electronic Hardware Technology Park Scheme notified by the Government of India in the Ministry of Commerce, vide notification No. 5(RE-95)/92-97,

dated 30<sup>th</sup> April, 1995 and approved by the Inter- Ministerial Standing Committee;

- (vi) “Handbook of Procedures, Volume I ” means Handbook of Procedures Volume I, 2002-2007 published by the Government of India, Ministry of Commerce and Industry vide Public Notice No 1 (RE-2003)/2002-07, dated 31<sup>st</sup> March, 2003, as amended from time to time;
- (vii) . “Inter-Ministerial Standing Committee” means a committee appointed by the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) vide notification No. S.O. 117(E), dated the 22<sup>nd</sup> February, 1993;
- (viii) “Nominated Agencies” means the Metals and Minerals Trading Corporation Limited, the Handicraft and Handloom Export Corporation, the State Trading Corporation, the Projects and Equipment of India Limited and any agency authorised by the Reserve Bank of India in this regard;
- (ix) “Software Technology Park (STP) unit” means a unit established under and in accordance with Scheme notified by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 4(RE-95)/92-95, dated 30<sup>th</sup> April, 1995 and approved by the Inter- Ministerial Standing Committee;
- (x) “special economic zone” has the same meaning as assigned to it in clause (iii) to the *Explanation* 2 of sub-section (1) of section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);

**ANNEXURE-I**

Sr. No	Description of Goods
1.	Capital goods and spares and accessories thereof.
2.	Material handling equipment, namely, fork lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers and spares and accessories thereof.
3.	Uninterrupted power supply system (UPS), pollution control equipment, quality assurance equipment, storage systems, special racks for storage, modular furniture, computer furniture, anti-static carpet, tele-conference equipment, servo control system, security system, panels for electrical, net working equipment, data transfer protocol equipment, Central Air Conditioning equipments, air conditioning system and spares, consumables thereof.
4.	Captive power plant including captive generating sets and transformers as recommended by the Development Commissioner/ Designated Officer.
5.	Spares, fuel, lubricants, consumables and accessories for captive power plants including captive generating sets and spares, consumables and accessories for transformers as approved by the Assistant Commissioner.
6.	Office equipments including PABX, Fax machine, Video Projection System, computers, laptop, server, spares and consumables thereof.
7.	Raw materials.
8.	Components.
9.	Consumables .
10.	Packaging materials.
11.	Tools, jigs, gauges, fixtures, moulds, dies, instruments and accessories and spares thereof.
12.	A Prototype or a technical sample for each of the existing products for the purpose of product diversification, development or evaluation;
13.	Drawings, blue prints and charts.
14.	Goods re-imported within three years from the date of exportation for repair or reconditioning;
15.	Goods re-imported within one year from the date of exportation from the unit due to failure of the foreign buyer to take delivery;

16.	Raw materials for making capital goods for use with in the unit for the purpose of production.
17.	Any other item required in relation to production of export goods with the prior approval of the Board of Approval.
18.	Crates drums and preservation media (such as acetic acid and vinegar).
19.	Grading Tables.
20.	Green House equipment, accessories, heated rooting tables, propagation trays, seeding machines.
21.	Plant or parts thereof, seeds, saplings, tubers, bulbs, Rhizomes, roots cuttings, all types of grafts, tissue culture material, and other vegetatively propagated material utilized for sowing and planting;
22.	Growing media such as Peat Moss (including peat litres) (whether or not agglomerated), Pearlite/Vermiculite, Rockwool, Cocoa pet, Hydrocorn, Foam based medium and other cultivation medium;
23.	Filters.
24.	Driplers, Drip lines and Drip-fitting.
25.	Micro Sprinklers and Misters.
26.	Agriculture Sprinklers
27.	Fertilizer Tanks
28.	Valves.
29.	Fertilizer Pumps and Chemical Injections.
30.	Fertiliser and chemicals for pre and post harvest treatments such as micro nutrients, plant and growth regulations and other organic and inorganic substances used for plant nutrition, insecticides, fungicides, weedicides, herbicides and the like;

## ANNEXURE-II

Sl. No.	Description of Goods
1.	Green House equipment, accessories, heated rooting tables, propagation trays, seeding machines.
2.	Growing media such as Peat Moss (including peat litres) (whether or not

	agglomerated), Pearlite/Vermiculite, Rockwool, Cocoa pet, Hydrocorn, Foam based medium and other cultivation medium.
3.	Office equipments, spares and consumables thereof.
4.	Animal feed such as cattle feed and poultry feed.
5.	Veterinary medicines including vaccines.
6.	Packaging materials including machinery and equipment for packaging.
7.	Cooling equipment for cold room, storage room, pro-cooling chambers and its accessories.
8.	Sorting equipment, Grading equipment, Packing equipment and temperature control or humidity control equipment.
9.	Power generating sets; Refrigeration and air-conditioning equipment for fitment on transport vehicles.
10.	Spare parts for the maintenance of goods mentioned at item Nos. 8 to 11 above.
11.	High Speed Diesel oil for power generating sets as approved by the Board of Approvals.
12.	Plant or parts thereof, seeds, saplings, tubers, bulbs, Rhizomes, roots cuttings, all types of grafts, tissue culture material, and other vegetatively propagated material utilized for sowing and planting.
13.	Filters.
14.	Driplers, Drip-lines, and Drip-fitting.
15.	Micro Sprinklers and Misters.
16.	Agriculture Sprinklers.
17.	Fertilizer Tanks.
18.	Valves.
19.	Fertilizer Pumps and Chemical Injections.
20.	Fertilizers and chemicals for pre and post harvest treatments such as micro nutrients, plant and growth regulators and other organic and in-organic substances used for plant nutrition, insecticides, fungicides, weedicides, herbicides, and the like.

### ANNEXURE – III

Sl. No.	Description of Goods
1.	Live animals falling under Chapter 1.
2.	Bird's eggs (fresh) in shells of heading 0407.
3.	Live trees and other plants; bulbs, roots and the like, cut flowers and ornamental foliage.

4.	Fresh vegetables of heading 0701 to 0709; whole uncut sun dried vegetables of heading 0712 and 0713; Fresh and uncut/sun dried roots and tubers of heading 0714.
5.	Fresh and uncut/sun dried edible fruits and nuts of headings 0801 to 0810.
6.	Fresh or sun dried plants and parts of plants of heading 1211.
7.	Silk worm cocoons of heading 5001 and raw silk of heading 5002.

**Note-** In this Annexure "Chapter" and "heading" mean respectively a Chapter and heading in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975).

#### ANNEXURE-IV

Sl. No.	Description of Goods
1.	Capital Goods including plant and machinery for packaging, conveyor belts, and accessories, spares and consumables including lubricants therefor for spawning Hatchery, Aqua Farm, Processing Plant, Chilling unit (cold storage) and Feed plant.
2.	Material handling equipments, namely, fork-lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers and spares, consumables including lubricants therefore.
3.	Captive power plant including power generating set as recommended by Development Commissioner and accessories.
4.	Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instruments and accessories.
5.	Cold room apparels.
6.	Chemicals for water treatment, Zeolite, Teaseed powder/cake, waste digesters, pesticides, fungicides, veterinary medicines including vaccines.
7.	Office equipments, spares and consumables thereof.
8.	Feed for prawns/fish and other aquatic animals including Artemia (Brain Shrimp eggs) and other Hatchery feeds.
9.	Raw materials for feeds for aquatic animals, namely, meals of fish and other aquatic invertebrates like squid/prawns in liquid, powder or other forms, fish lipid oil, squid oil, veterinary grade premix of vitamins/ minerals not suitable for human consumption, sea weed powder, kalp Meal, Molasses, yeast, choline chloride, Antioxidants excluding Vitamins, Licithin, Di-calcium Phosphate and Calcium Lactate which are capable of use in other than veterinary

	application.
10.	Preservatives, pre-mix taste makers, battering materials, special cooking medium, bread crumbs/powder.
11.	Packaging materials, all sorts.
12.	Catfish-eggs, fries and fingerlings.
13.	High Speed Diesel oil for power generating sets as approved by the Board.

### ANNEXURE-V

Sl. No.	Description of Good
1.	Hydraulic Excavators
2.	Pneumatic Compressors
3.	Jack Hammers
4.	Hydraulic Drilling Machines
5.	Line Drillers
6.	Front End Loaders
7.	Pneumatic Grinders
8.	Diamond Wire Saws
9.	Dressing Machine
10.	Core Drilling Machine
11.	Jet Burners
12.	Cranes
13.	Derricks
14.	Tippers and Dumpers
15.	Welding Machine
16.	Generating sets
17.	Steel Chains and Steel Ropes
18.	D-Shackles
19.	Diamond Wires
20.	Diamond Segments
21.	Tungsten Carbon Drill Rods
22.	Steel Feathers & Wedges
23.	Burner Nozzle
24.	Welding rods
25.	Hydraulic Oil and Lubricants
26.	Explosives
27.	Chisels, Hammers, Chain Pulley Blocks

28.	Steel Pillow Kits
29.	Dust Collector
30.	Consumables and Tools

**ANNEXURE-VI**

<b>SL.N o.</b>	<b>Description of Goods</b>
1	Capital goods.
2	Raw Materials.
3	Spares parts of machinery.
4	Consumables required for manufacture of goods.
5	Components.
6	Samples prototype, not exceeding two in number, of each type of articles covered by the manufacturing activity.
7	Packaging materials.
8.	Tools, jigs, gauges, fixtures, moulds, dies and instruments and accessories.
9.	Drawings, blue prints, technical maps and charts relating to the manufacturing activity.
10.	Goods re-imported within one year from the date of exportation due to failure of the buyer to take delivery or for re-export after repairs or remaking.
11.	Old gold/platinum/silver jewellery for repair or remaking for re-export.
12	Office equipments, spares and consumables thereof.

[F. No. 305/45/2003-FTT]  
D.S. GARBYAL, Under Secy.